हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • बुधवार • 03.06.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 306 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

डी.के. शिवकुमार आज लेंगे कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ

बेंगलुरु : कर्नाटक की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत होने जा रही है। राज्य के मनोनीत मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार बुधवार (3 जून) को बेंगलुरु स्थित लोक भवन में मुख्यमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। राज्यपाल थावर चंद गहलोत उन्हें शाम 4:05 बजे शपथ दिलाएंगे। इस बहुप्रतीक्षित समारोह को लेकर राजधानी में व्यापक तैयारियां की गई हैं और सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से मजबूत किया गया है।

9 लाख के ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

चतरा : खाकी की सख्ती का असर चतरा में दिखने लगा है। पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी के निर्देश पर नशा कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे स्पेशल ड्राइव के दौरान गिद्धौर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। करीब नौ लाख रुपए के नशे के प्रतिबंधित खेप के साथ एक तस्कर को पुलिस ने दबोचा है। डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने प्रेस कॉफ्रेंस कर बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर गिद्धौर थाना क्षेत्र के जपुआ मैदान में छापेमारी कर प्रतिबंधित मादक पदार्थ ब्राउन शुगर के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया है।

सूरत : दो बसें टकराईं, 7 की मौत

सूरत : गुजरात के सूरत जिले में बारडोली के पास नेशनल हाईवे 53 पर मंगलवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। उवा गांव के पास महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की दो बसों के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई और उसमें अचानक आग लग गई। इस दुर्घटना में कम से कम 7 लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 10 से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग सबसे पहले मदद के लिए आगे आए और राहत कार्य शुरू किया। इसके बाद पुलिस और दमकल विभाग की टीमों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि बसों में सवार अधिकांश यात्री महाराष्ट्र के रहने वाले थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के सही कारणों की जांच की जा रही है।

गंगा में समाई इनोवा कार, 3 की मौत, 4 की तलाश जारी

देवप्रयाग : उत्तराखंड के देवप्रयाग में ऋषिकेश-बद्रीनाथ राजमार्ग पर गंगा दर्शन होटल के समीप मंगलवार को एक इनोवा वाहन खाई में गंगा नदी में गिर गया। हादसे में दो पुरुष और एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक 12 वर्षीय बालक को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेस्क्यू टीमें लापता अन्य चार लोगों की तलाश कर रही है। देवप्रयाग कोतवाल प्रशांत बहुगुणा के मुताबिक मंगलवार सुबह 10 बजे देवप्रयाग से पांच किमी आगे गंगा दर्शन होटल के समीप बद्रीनाथ धाम से लौट रहा इनोवा वाहन अनियंत्रित होकर दो सौ मीटर नीचे गंगा में नदीं में गिर गया। पुलिस और राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीम तत्काल यहां रेस्क्यू में जुट गई। टीम ने ढलान पर गम्भीर रूप से घायल मिले एक बालक को तत्काल सड़क तक लाकर श्रीनगर भेजा। वहीं नदी के निकट से दो पुरुषों और एक महिला का शव बरामद किया गया।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की अद्यतन कार्य प्रगति की उच्च स्तरीय समीक्षा की

झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं का होगा कायाकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था को आधुनिक, सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बड़ा कदम उठाया है। झारखंड मंत्रालय में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने अस्पतालों की आधारभूत संरचना, दवा उपलब्धता, डिजिटल मॉनिटरिंग और स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह सहित विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एआई कंट्रोल रूम से होगी एम्बुलेंस सेवाओं की निगरानी

बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य में एम्बुलेंस सेवाओं की स्थिति पर नाराजगी जताई और एआई आधारित कंट्रोल रूम स्थापित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना या आपातकालीन स्थिति में हर मिनट महत्वपूर्ण होता है, इसलिए एम्बुलेंस सेवाओं को तेज, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को ओला-उबर मॉडल की तर्ज पर एम्बुलेंस सेवा विकसित करने की संभावनाओं का अध्ययन कर एक सप्ताह में कार्ययोजना प्रस्तुत करने का निर्देश भी दिया।

प्रत्येक नागरिक का हेल्थ कार्ड बनाने का निर्देश

मुख्यमंत्री ने राज्य के बच्चों सहित सभी नागरिकों का डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने हेल्थ मैनेजमेंट सिस्टम को मजबूत करने और सभी हेल्पलाइन व टोल-फ्री नंबरों को एआई आधारित बनाने पर जोर दिया।

एएनएम-जीएनएम भर्ती में तेजी लाने का निर्देश

स्वास्थ्यकर्मियों की कमी को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने एएनएम, जीएनएम और चिकित्सकों की नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मानव संसाधन की कमी के कारण मरीजों का इलाज प्रभावित नहीं होना चाहिए।

ग्रामीण और शहरी स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए अलग योजना

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की स्वास्थ्य चुनौतियां अलग-अलग हैं। इसलिए दोनों क्षेत्रों के लिए अलग रणनीति और कार्ययोजना तैयार की जाए। कैंसर, हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक और डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियों के लिए विशेष स्वास्थ्य सेवाएं विकसित करने का भी निर्देश दिया गया।

जल्द शुरू होगा अबुआ दवाखाना

राज्य सरकार जल्द ही मुख्यमंत्री अबुआ दवाखाना योजना शुरू करेगी। इसके तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में एकीकृत औषधि केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहां एलोपैथी, आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और सिद्ध पद्धति की आवश्यक दवाएं नि:शुल्क उपलब्ध होंगी।

अंगदान और रक्तदान को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने किडनी, लीवर और कॉर्निया जैसे अंगदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए। साथ ही ब्लड बैंक व्यवस्था को मजबूत करने, ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित करने और रक्त उपलब्धता को ऐप आधारित प्रणाली से जोड़ने पर जोर दिया।

मेडिकल कॉलेजों में बढ़ेंगी सीटें

मुख्यमंत्री ने राज्य के मेडिकल कॉलेजों में यूजी और पीजी सीटें बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही पैरालिसिस अटैक और ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों के लिए बेहतर चिकित्सा सुविधाएं विकसित करने को कहा। निमार्णाधीन मेडिकल कॉलेजों के कार्यों में तेजी लाने और समयसीमा के भीतर उन्हें पूरा करने का निर्देश भी दिया गया।

अस्पतालों को बनाया जाएगा एयर कूल

मुख्यमंत्री ने अस्पतालों को एयर कूल बनाने की कार्ययोजना तैयार करने, बर्न यूनिट को सुदृढ़ करने तथा साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों के प्रति संवेदनहीनता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

झारखंड सरकार और भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के बीच हुआ महत्वपूर्ण समझौता

झारखंड को मिलेगा 2500 करोड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जल जीवन मिशन 2.0 के तहत झारखंड सरकार और भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल की अध्यक्षता में यह समझौता संपन्न हुआ, जबकि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन झारखंड मंत्रालय से वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक नल से जल पहुंचाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए झारखंड सरकार केंद्र के साथ समन्वय बनाकर तेजी से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की भौगोलिक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद सरकार मिशन मोड में योजनाओं को आगे बढ़ा रही है।

हर घर नल से जल पहुंचाने पर जोर

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2019-20 से राज्य में जल जीवन मिशन के तहत 24,635 करोड़ रुपये की लागत वाली पेयजल योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब तक 55 प्रतिशत परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, लेकिन केंद्र से केवल 46 प्रतिशत अनुदान राशि ही प्राप्त हुई है। राज्य की ओर से लगभग 6,500 करोड़ रुपये की लंबित सहायता राशि जल्द जारी करने का आग्रह किया गया।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि विभिन्न परियोजनाओं के क्रियान्वयन में एनओसी मिलने में होने वाली देरी बड़ी चुनौती है। केंद्र और राज्य सरकार के साझा प्रयास से इस समस्या का समाधान निकालकर योजनाओं को समय पर पूरा किया जा सकता है।

उन्होंने जल जीवन मिशन के सफल संचालन में अहम भूमिका निभा रही लगभग 30 हजार जल सहियाओं का उल्लेख करते हुए उनके मानदेय के लिए केंद्र सरकार से वित्तीय सहयोग की मांग की। साथ ही जल सहिया कंपोनेंट को मिशन में शामिल करने का आग्रह भी किया।

समारोह में झारखंड के लिए 2,500 करोड़ रुपये की विशेष राशि आवंटित किए जाने की जानकारी दी गई। साथ ही जिलाधिकारियों को परियोजनाओं की नियमित निगरानी करने तथा 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली योजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मल्टी विलेज स्कीम और सिंगल विलेज स्कीम को प्रभावी ढंग से लागू करने, भविष्य की डीपीआर में सभी आवश्यक घटकों को शामिल करने तथा लंबित परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने पर भी जोर दिया गया।

77 हजार रुपये रिश्वत लेते एसबीआई शाखा प्रबंधक सीबीआई के हत्थे चढ़ा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोड्डा : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने झारखंड के गोड्डा जिले के डुमरिया स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) शाखा के प्रबंधक रोहित कुमार सिंह को 77 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के बाद बैंकिंग क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

सीबीआई के अनुसार, मामले में 31 मई को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसकी दिवंगत मां से संबंधित प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो लाख रुपये के बीमा दावे के भुगतान के बदले शाखा प्रबंधक ने 60 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि मृतक खाताधारक के बैंक खाते को शिकायतकर्ता के नाम स्थानांतरित किए जाने के बाद खाते से 35 हजार रुपये की निकासी पर लगी रोक हटाने के लिए अतिरिक्त 17 हजार रुपये रिश्वत मांगी गई थी। इस तरह कुल 77 हजार रुपये की अवैध मांग की गई थी।

भाजपा छोड़ने की अटकलों के बीच अन्नामलाई ने की शाह से मुलाकात

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) छोड़ने और नई पार्टी के गठन की अटकलों के बीच मंगलवार को तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मंगलवार को यहां मुलाकात की। इससे पहले अन्नामलाई ने पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन और संगठन महासचिव बीएल संतोष से भी मुलाकात की। इस दौरान भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने अन्नामलाई से उनकी आगे की राजनीतिक योजनाओं पर पुनर्विचार करने को भी कहा है। सूत्रों के मुताबिक के अन्नामलाई ने गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर तमिलनाडु की मौजूदा राजनीतिक उठापटक और नाराजगी की कारणों के बारे में बताया। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने अन्नामलाई को थोड़ा इंतजार करने को कहा है। अमित शाह से मुलाकात कर लौटे के अन्नामलाई ने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि मुझे जो बताना था वो मैंने बता दिया। आप इंतजार करें अगले दो दिनों में मिलकर बात करेंगे। अन्नामलाई बुधवार को भी दिल्ली में रहेंगे।

कोलकाता में भारी राजनीतिक ड्रामा

धरने पर बैठीं पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में मंगलवार (2 जून) को भारी राजनीतिक ड्रामा देखने को मिला। पुलिस से अनुमति न मिलने के बावजूद, पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने शहर के मध्य भाग में एस्प्लेनेड के पास राशमोनी एवेन्यू में एक विशाल विरोध मार्च का नेतृत्व किया। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान उनके भतीजे और पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी, वरिष्ठ नेता मदन मित्रा और सांसद कल्याण बनर्जी भी उनके साथ मौजूद थे। ममता बनर्जी के साथ पार्टी के पुराने दिग्गज नेता फिरहाद हकीम, डेरेक ओ'ब्रायन और डोला सेन भी नजर आए। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर हाल ही में विधानसभा सीटें जीतने वाले ज्यादातर नए चेहरे इस मौके पर नदारद रहे। इस तरह भारतीय जनता पार्टी से सियासी मोर्चे पर जंग लड़ रहीं ममता बनर्जी को अपने ही नए विधायकों से मायूसी हाथ लगी है। ममता बनर्जी जब एस्प्लेनेड के वाई-चैनल पर धरने वाली जगह पर पहुंचीं, तो कोलकाता पुलिस ने उन्हें धरना देने से साफ मना कर दिया। पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस की उस अपील को ठुकरा दिया था, जिसमें उन्होंने पास की रानी राशमोनी रोड पर विरोध प्रदर्शन करने की इजाजत मांगी थी।

खालिस्तानी संगठन के बम की धमकी से सहमा अंबाला

अंबाला : पिछले कुछ महीनों से देश के अलग-अलग हिस्सों की तरह अंबाला में भी सरकारी संस्थानों और स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल रही हैं। अब एक बार फिर अंबाला शहर को दहलाने की साजिश रची गई है। इस बार खालिस्तान नेशनल आर्मी नाम के संगठन की तरफ से एक धमकी भरा ईमेल आया है, जिसमें अंबाला शहर नगर निगम, अंबाला कोर्ट और अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की बात कही गई है। इस मेल के बाद से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। बता दें कि जिले में एक बार फिर दहशत का साया है। इस बार आतंकियों की तरफ से 6 जून को इन सरकारी और सार्वजनिक जगहों पर बम धमाके करने की डेडलाइन दी गई है। धमकी मिलने के बाद से ही पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद होने का दावा कर रही है।

अमेरिका में अंधाधुंध गोलीबारी : 6 की हत्या के बाद हमलावर ने खुद को उड़ाया

एजेंसी

वाशिंगटन (मुस्काटीन) : अमेरिका का आयोवा राज्य सोमवार को उस समय दहल उठा, जब एक व्यक्ति ने पारिवारिक विवाद के चलते दो अलग-अलग मकानों और एक दुकान में घुसकर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। इस दिल दहला देने वाली घटना में हमलावर ने अपने ही परिवार के कम से कम छह लोगों को मौत के घाट उतार दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद, पुलिस घेराबंदी से घबराकर संदिग्ध ने खुद को भी गोली मार ली, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घेराबंदी देख आरोपी ने की खुदकुशी

पुलिस ने तुरंत खोजी अभियान चलाकर 52 वर्षीय संदिग्ध रयान विलिस मैकफारलैंड को ढूंढ निकाला। पुलिस टीम जैसे ही उसे हिरासत में लेने के लिए आगे बढ़ी, रयान ने खुद पर बंदूक तान दी और गोली चला दी। पुलिस अधिकारियों और चिकित्सकों की टीम ने मौके पर ही उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

सीबीएसई में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई: ओएसएम विवाद के बीच अध्यक्ष और सचिव का तबादला

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) में मंगलवार को एक बहुत बड़ा प्रशासनिक फेरबदल देखने को मिला। केंद्र सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए बोर्ड के अध्यक्ष राहुल सिंह और सचिव का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया है। यह बड़ी कार्रवाई बोर्ड द्वारा ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सेवाओं की खरीद प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और तकनीकी खामियों के सामने आने के बाद की गई है।

समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, परीक्षा व्यवस्था की शुचिता और छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए सरकार ने मामले की विस्तृत जांच के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन कर दिया है। यह समिति पूरी खरीद प्रक्रिया की गहराई से जांच कर जल्द ही अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इसे बोर्ड के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी प्रशासनिक कार्यवाहियों में से एक माना जा रहा है।

लोखंडे प्रशांत सीताराम बने सीबीएसई के नए चेयरमैन

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के डिजिटल कॉपियों के मूल्यांकन और री-इवैल्यूएशन पोर्टल में आई तकनीकी गड़बड़ियों के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। सरकार ने वर्तमान संकट को दूर करने के लिए तत्काल प्रभाव से तत्कालीन चेयरमैन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता का तबादला कर दिया है। इस बड़े कदम के बाद बोर्ड में प्रशासनिक स्थिरता बनाए रखने के लिए 2001 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी लोखंडे प्रशांत सीताराम को सीबीएसई का नया चेयरमैन नियुक्त किया गया है। केंद्र शासित प्रदेश कैडर के अधिकारी लोखंडे प्रशांत सीताराम इससे पहले गृह मंत्रालय में एडिशनल सेक्रेटरी के पद पर तैनात थे।

सीबीएसई री-इवैल्यूएशन पोर्टल पर बड़ा साइबर हमला, 2 मिनट में आए 15 लाख हिट्स

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा 12वीं की प्रतियों के पुनर्मूल्यांकन (री-इवैल्यूएशन) को लेकर एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है। दोपहर जब हजारों छात्र अपनी कॉपियों की दोबारा जांच के लिए डिजिटल पोर्टल पर लॉगिन कर रहे थे, ठीक उसी समय हैकर्स और असामाजिक तत्वों ने इस सरकारी डिजिटल सिस्टम को क्रैश करने के लिए एक बड़ा और योजनाबद्ध साइबर हमला कर दिया। हालांकि, सुरक्षा टीमों की मुस्तैदी से इस हमले को पूरी तरह नाकाम कर दिया गया। बोर्ड का दावा है कि इस बाधा के बावजूद दोपहर तक 16,000 से अधिक छात्र अपने आवेदन सुरक्षित रूप से पूरे कर चुके हैं। बोर्ड से प्राप्त जानकारी के अनुसार, हैकर्स ने पोर्टल को पूरी तरह ठप करने के इरादे से एक जबरदस्त 'डिनायल ऑफ सर्विस' (डीओएस/डीडीओएस) अटैक किया था। इस हमले की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मात्र 2 मिनट के भीतर वेबसाइट पर अचानक 15 <<लाख>> फर्जी हिट्स की बौछार कर दी गई, ताकि सर्वर पूरी तरह क्रैश हो जाए और वास्तविक छात्र इसे एक्सेस न कर सकें। इतना ही नहीं, हैकर्स ने पोर्टल के भीतर घुसकर डेटा चोरी करने के उद्देश्य से 1 <<लाख>> से अधिक बार अनधिकृत फाइल एक्सेस करने की भी नाकाम कोशिशें कीं। तकनीकी विशेषज्ञों ने तुरंत इस असामान्य ट्रैफिक को पहचान कर सुरक्षा घेरा मजबूत कर दिया।

एक नजर

यूसेट के 30 विद्यार्थियों का एमआरएफ टायर्स में चयन

हजारीबाग : यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूसीईटी), विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के विद्यार्थियों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित कंपनी एमआरएफ टायर्स में रोजगार के अवसर प्राप्त किए हैं। कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया के तहत कुल 30 विद्यार्थियों का चयन प्रतिष्ठित मशीन ऑपरेटर पद के लिए किया गया है। यह जानकारी देते हुए यूसेट के प्राध्यापक डॉ अरुण कुमार मिश्रा तथा प्लेसमेंट पदाधिकारी अर्चना रीना धन ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रभात कुमार महथा, दीपक कुमार सोरेन, पिंटू कुमार पटेल, रौनक कुमार सिन्हा, पवन कुमार, अभिजीत आनंद, राहुल कुमार, हर्ष नारायण तिवारी, हेमंत कुमार कटियार, अभिषेक कुमार वर्मा, देव करण कुमार, विक्रम कुमार मंडल, अजीत टुडू, आशीष कुमार, मुकेश कुमार मरांडी, अमनदीप सिन्हा, प्रवेश कुमार सिंह तथा शिवेश कुमार शामिल हैं। इसी प्रकार इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग से अमरजीत, संजना, रितेश, आयुषी, अंकिता, रजनी, सुजीत, आयुष, नीलू, सलोनी एवं विक्की का चयन हुआ है। कंपनी द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुसार आकर्षक वेतन पैकेज प्रदान किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों को कंपनी की ओर से आवास, भोजन एवं परिवहन जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

हजारीबाग झील क्षेत्र बनेगा 'नो व्हीकल जोन'

हजारीबाग : हजारीबाग झील क्षेत्र के सौंदर्यीकरण और आमजन के लिए सुरक्षित व स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पूरे झील क्षेत्र को चरणबद्ध तरीके से नो व्हीकल जोन के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक हजारीबाग, नगर आयुक्त, पुलिस उपाधीक्षक सीसीआर, सहायक नगर आयुक्त, उप नगर आयुक्त एवं ट्रैफिक थाना प्रभारी ने संयुक्त रूप से झील क्षेत्र का निरीक्षण किया और वाहनों के प्रवेश को नियंत्रित करने के लिए त्रिमूर्ति चौक, एम्पी थिएटर/सीआरपीएफ की ओर से आने वाली सड़क, इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय, आयुक्त आवास और उपायुक्त आवास को कोई प्रवेश बिंदु नहीं के रूप में चिन्हित किया। आगामी कुछ दिनों में इन सभी प्रवेश बिंदुओं से वाहनों का आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और केवल पैदल चलने वाले नागरिकों को ही प्रवेश की अनुमति होगी।

बाल संस्कार केंद्र शिक्षिकाओं की कार्यशाला संपन्न

बरही : डॉ. बसंत दिगंबर आगासे स्मृति सेवा संस्थान द्वारा संचालित बाल संस्कार केंद्र की शिक्षिकाओं की मई माह की कार्यशाला 02 जून 2026, रविवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक गया रोड स्थित होटल आकाश पैलेस, बरही में आयोजित की गई। क्षेत्र सेवा प्रमुख त्रिवेणी साव ने पिछली उपस्थिति पुस्तिका का अवलोकन किया और जून माह के पाठ्यक्रम के तहत बच्चों को सुभाषित, अमृतवचन, बोधकथा, समसामयिक कविता, व्यायाम योग, खेल आदि का अभ्यास कराने का निर्देश दिया। बैठक में माह के दूसरे मंगलवार को संस्कार केंद्र में उत्सव को और विस्तृत रूप से मनाने पर भी चर्चा हुई। डीएवी विद्यालय के शिक्षक राजेश कुमार ने प्रेरक कथा सुनाई और आगामी 21 जून योग दिवस पर बेहतर प्रदर्शन के लिए व्यायाम योग व योगासन की तैयारी को प्रेरित किया। शिवाजी व्यावसायिक बरही शाखा के सेवा कार्यकर्ता डॉ. बिनोद साव ने बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़े कई नुस्खे बताए। अंत में कल्याण मंत्र के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

जनता दरबार में डीसी ने सुनीं लोगों की समस्याएं अधिकारियों को दिए त्वरित निष्पादन के निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती ने मंगलवार को समाहरणालय भवन स्थित कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए सैकड़ों नागरिकों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन उपायुक्त को सौंपे।

जनता दरबार में भूमि एवं राजस्व, म्यूटेशन, पेंशन, राशन कार्ड, आवास, पारिवारिक विवाद, सरकारी योजनाओं के लाभ से संबंधित शिकायतें, मुआवजा भुगतान, रोजगार, अतिक्रमण तथा सड़क एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़े मामले प्रमुख रूप से प्राप्त हुए। उपायुक्त ने आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को शीघ्र राहत मिल सके। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनहित से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करें। जनता दरबार में प्राप्त विभिन्न आवेदनों को आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों को अग्रसारित किया गया। उपायुक्त ने अधिकारियों को आवेदनों की जांचोपरांत शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने ईचाक मोड़ स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग का किया औचक निरीक्षण, अतिक्रमण हटाने के निर्देश

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती ने मंगलवार को सड़क सुरक्षा को लेकर ईचाक मोड़ स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने ईचाक मोड़ के मध्य सड़क क्षेत्र में स्थित दुकानों को हटाकर स्थल को अतिक्रमण मुक्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रभावित दुकानदारों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कॉम्प्लेक्स निर्माण कर उन्हें समुचित स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। उपायुक्त ने मोड़ के दोनों ओर यातायात सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक संरचनात्मक एवं तकनीकी उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सड़क के दोनों तरफ प्वाइंटवार कंक्रीट ब्लॉकेज, स्पीड ब्रेकर को कलर करने तथा स्लाइडर सहित आवश्यक उपकरण स्थापित करने को कहा, ताकि वाहनों की गति नियंत्रित हो सके और दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। इसके अतिरिक्त उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप स्थित भूमि पर संभावित अवैध कब्जों की जांच करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा दुर्घटना संभावित स्थलों पर आवश्यक सुधारात्मक उपाय कर आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

बरही में भाजपा बीएलए-2 प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न, बूथ सशक्तिकरण पर दिया जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड परिसर स्थित नगर भवन में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित बीएलए-2 प्रशिक्षण कार्यशाला का संचालन पंचायती राज पदाधिकारी सावना मांझी ने किया। जिसमें मुख्य रूप से अंचल अधिकारी चंद्रशेखर कुणाल, जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, भाजपा नेता रंजीत चंद्रवंशी एवं मुखिया संघ अध्यक्ष विजय यादव शामिल हुए और वक्ताओं ने चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची की शुद्धता, बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती, अनुशासन तथा बीएलए-2 कार्यकताओं की जिम्मेदारियों पर विस्तृत जानकारी दी। अंचलाधिकारी चंद्रशेखर कुणाल ने बीएलए-2 कार्यकर्ताओं को लोकतंत्र की महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए कहा कि उनकी सतर्कता से ही निष्पक्ष और सुदृढ़ चुनाव संभव हैं, वहीं जिला जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव ने कार्यकर्ता आधारित राजनीति और बूथ सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं की क्षमता बढ़ती है जो पार्टी की प्राथमिकता है। प्रशिक्षण में सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बच्चों के डबल मर्डर के पीड़ित परिवार से मिली अंबा प्रसाद, न्याय का दिया भरोसा

▶ परिवार के एक सदस्य को नौकरी दिलवाना सुनिश्चित कराया जाएगा : अंबा प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव बड़कागांव की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने विगत दिनों हजारीबाग के सिंदूर में हुए चर्चित डबल मर्डर कांड के पीड़ित परिवार से हजारीबाग कुद स्थित निवास स्थान पर मंगलवार को मुलाकात की। उन्होंने परिजनों से मिलकर घटना पर गहरा दुख जताया और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। पीड़ित परिवार इस दुख की घड़ी में अकेला नहीं है।दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। अंबा प्रसाद ने जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से फोन पर बात कर मामले में त्वरित कार्रवाई और निष्पक्ष जांच तथा आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को जल्द न्याय मिले, इसके लिए वे हर स्तर पर आवाज उठाऐगी। अंबा प्रसाद ने आगे कहा कि पीड़ित परिवार यूपी के फैजाबाद का रहने वाला है, हमारे झारखंड राज्य से भी कई मजदूर दूसरे प्रदेश में जीविकोपार्जन हेतु काम करने जाते हैं। ऐसी स्थिति में हमारी यह जिम्मेदारी बनती है कि सभी लोग का सुरक्षा सुनिश्चित हो। छोटे-छोटे बच्चे जिसमें नाबालिक बच्ची तमन्ना एवं उसका छोटा भाई जो खिलौने एवं गुब्बारे बेचकर अपना घर चला रहे थे उनकी इस प्रकार के निर्मम हत्या पर पूरा हजारीबाग इस घटना की निंदा कर रही हैं। विदित हो कि हजारीबाग में विगत दिनों दो बच्चों की हत्या का मामला सामने आया था। घटना के बाद से इलाके में तनाव व गुस्से का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।मुलाकात के दौरान पूर्व विधायक ने परिजनों को आर्थिक और कानूनी मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि सरकार से पीड़ित परिवार को मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी दिलवाना सुनिश्चित कराया जाएगा।

दो मासूम जिंदगियां हुईं खामोश, तालाब और कुएं से मिले भाई-बहन के शव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिले को झकझोर देने वाली एक हृदयविदारक घटना ने पूरे क्षेत्र को शोक और आक्रोश में डुबो दिया है। उत्तर प्रदेश की रहने वाली 13 वर्षीय मासूम तम्मना का शव सिंदूर तालाब से बरामद होने के कुछ ही समय बाद उसके 2 वर्षीय भाई का शव भी तालाब के समीप स्थित एक कुएं से मिलने की सूचना सामने आई है। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार दोनों बच्चे 27 मई से लापता बताए जा रहे थे। परिजनों का आरोप है कि एक व्यक्ति ने बच्ची को मोबाइल खरीदकर देने का झांसा देकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। इसके बाद से दोनों बच्चों का कोई पता नहीं चल रहा था। रविवार की शाम लगभग 5 से 6 बजे के बीच सिंदूर तालाब से 13 वर्षीय तम्मना का शव बरामद हुआ। इस खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। अभी परिवार इस सदमे से उबर भी नहीं पाया था कि कुछ समय बाद उसके 2 वर्षीय भाई का शव भी पास के एक कुएं से मिलने की सूचना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, सामाजिक कार्यकर्ता और परिजन सड़कों पर उतर आए। न्याय की मांग को लेकर पहले इंद्रपुरी चौक और बाद में झंडा चौक को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने मामले की निष्पक्ष जांच, दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी से कड़ी सजा की मांग की। मासूम बच्चों की मौत से आक्रोशित लोगों का कहना है कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाया जाए ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। इस दौरान कांग्रेस के विधायक प्रत्याशी मुन्ना सिंह भी घटनास्थल और धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर सांत्वना व्यक्त की तथा हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। साथ ही पीड़ित परिवार को 40 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। बच्चों की मौत किन परिस्थितियों में हुई और घटना के पीछे की वास्तविक वजह क्या है, इसका खुलासा जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

हजारीबाग में प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ तस्कर गिरफ्तार, 138 बोतल बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग जिले में अवैध कफ सिरप की खरीद बिक्री की सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 31 मई को पेलावल ओपी क्षेत्र से नाजिम हुसैन को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर ओपी प्रभारी बिट्टू रजक ने तकनीकी शाखा व सशस्त्र बल के साथ छापामारी कर कटकमसांडी थाना क्षेत्र के खुटरा निवासी नाजिम हुसैन, पिता स्वर्गीय इंतखार हुसैन को प्रतिबंधित Onerex कफ सिरप की 138 बोतलों के साथ पकड़ा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कटकमसांडी पेलावल ओपी थाना कांड संख्या 85/26 दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से जिले में अवैध कफ सिरप की तस्करी की सूचना मिल रही थी, जिसके सत्यापन और धरपकड़ के लिए पेलावल ओपी प्रभारी को निर्देशित किया गया था।

महिलाओं की ताकत से मजबूत होगा कांग्रेस का जनाधार : रमा खलखो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : कांग्रेस महिला मोर्चा की ओर से मंगलवार को चौपारण स्थित पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला के आवास पर प्रखंड स्तरीय महिला सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं की भागीदारी रही। महिलाओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि क्षेत्र में कांग्रेस महिला मोर्चा लगातार संगठन को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रमा खलखो ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बिना किसी भी राजनीतिक संगठन की मजबूती की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता और नेतृत्व का परिचय दे रही हैं तथा देश और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान निभा रही हैं। राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य कर रही है। रमा खलखो ने कहा कि कांग्रेस पार्टी शुरू से ही महिलाओं के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण के लिए संघर्ष करती रही है। महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से मजबूत बनाने के लिए पार्टी निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा का उद्देश्य केवल संगठन विस्तार तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़ी महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना भी है। उन्होंने महिला कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर कांग्रेस की विचारधारा और जनहितकारी नीतियों को लोगों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों को लेकर महिलाओं को आगे आकर अपनी आवाज बुलंद करनी होगी। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से ही संगठन का जनाधार मजबूत होगा और समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आने वाले समय में महिला कांग्रेस को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा। इसके लिए गांव, पंचायत और वार्ड स्तर पर संगठन का विस्तार कर अधिक से अधिक महिलाओं को पार्टी से जोड़ने का अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महिला मोर्चा महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करने को तैयार है। विशिष्ट अतिथि एवं पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने कहा कि किसी भी आंदोलन, सामाजिक परिवर्तन और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मजबूती में महिलाओं का योगदान हमेशा उल्लेखनीय रहा है। महिला कार्यकताओं को गांव-गांव और पंचायत-पंचायत तक पहुंचकर लोगों की समस्याओं को उठाना चाहिए तथा संगठन और जनसेवा को प्राथमिकता देनी चाहिए। जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष बेबी देवी ने कहा कि महिला मोर्चा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी आवाज को बुलंद करने का कार्य करेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस महिला मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष प्रीति गुप्ता ने की। उन्होंने कहा कि चौपारण प्रखंड में महिला मोर्चा लगातार संगठन को मजबूत करने का कार्य कर रहा है और आने वाले दिनों में पंचायत स्तर पर भी महिला सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

सांसद ने की एनएचएआई के साथ बैठक, चौपारण फ्लाईओवर 2027 तक होगी चालू

हजारीबाग : हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल की पहल पर एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर व अधिकारियों के साथ सांसद सेवा कार्यालय में हुई उच्चस्तरीय बैठक में क्षेत्र के लंबित मामलों पर अहम सहमति बनी। दो दिन पहले बरही दौरे में ग्रामीणों की शिकायत के बाद हुई इस बैठक में तय हुआ कि चौपारण फ्लाईओवर का 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और गया की ओर से दूसरा लॉन्चर व साइड विंग का काम जून में शुरू कर मार्च-जून 2027 तक इसे जनता के लिए खोल दिया जाएगा, वहीं फुट ओवरब्रिज दुर्गा पूजा तक पूरा होगा। चौपारण के पिपरा और सिंघरावाँ गांवों में मुआवजे की विसंगति को दूर कर समान आधार पर भुगतान का भरोसा दिया गया, जबकि 47 में से 45 गांवों का भुगतान पहले ही हो चुका है। चंदवारा के मदनगुंडी पंचायत की चार में से तीन मांगों- सर्विस रोड, नाली और स्ट्रीट लाइट/रंबल स्ट्रिप पर एनएचएआईने सहमति दी और चौथी मांग पर उच्च स्तर से अनुमति के बाद निर्णय होगा। सिंघानी मोड़ फ्लाईओवर के नीचे क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत 30 जून तक पूरी करने और सतह दबने की तकनीकी समस्या के स्थायी समाधान के लिए आईआईटी खड़गपुर से राय लेने पर सहमति बनी। साथ ही इचाक मोड़ फ्लाईओवर की निविदा पूरी होने के बाद काम जल्द शुरू करने का आश्वासन मिला। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग का सर्वांगीण विकास और जनता की सुरक्षा प्राथमिकता है तथा बेहतर कनेक्टिविटी और जाम से मुक्ति के लिए हर विषय को गति दी जा रही है।

झारखंड टी 20 लीग में बरही के अमन और सचिन का चयन, विधायक ने किया सम्मानित

बरही : झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) की पहली झारखंड टी 20 लीग में बरही के दो खिलाड़ियों का चयन होने से क्षेत्र में जश्न का माहौल है। बरही स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अमन कुमार को जमशेदपुर स्टीलर्स और तेज गेंदबाज सचिन कुमार यादव को रांची टाइटंस ने अपनी टीम में शामिल किया है। जेएससीए की नीलामी में हरला निवासी अशोक यादव के पुत्र अमन कुमार को जमशेदपुर स्टीलर्स ने 50 हजार रुपये की बेस प्राइस पर खरीदा। वहीं श्रीनगर निवासी दुर्गा यादव के पुत्र सचिन कुमार यादव को रांची टाइटंस ने 80 हजार रुपये में टीम का हिस्सा बनाया। विधायक मनोज कुमार यादव ने अपने आवास पर अमन कुमार को मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा अमन विस्फोटक बल्लेबाज और अनुशासित खिलाड़ी हैं। सचिन प्रतिभाशाली तेज गेंदबाज हैं। दोनों अपनी मेहनत से बरही और हजारीबाग का नाम रोशन करेंगे। इस मौके पर जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, सामाजिक कार्यकर्ता युगल किशोर यादव, अशोक यादव, भूपेंद्र यादव, मनोहर यादव, पंसस संतोषी कुमारी, विकास यादव समेत कई लोग उपस्थित थे। सभी ने दोनों खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। जेएससीए द्वारा आईपीएल की तर्ज पर पहली बार आयोजित इस लीग में बरही के खिलाड़ियों के चयन को ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है।

राजपत्रित पदाधिकारियों के परीक्षा केंद्र पहुचें प्रमंडलीय आयुक्त, केंद्र का किया निरीक्षण

हजारीबाग : राजपत्रित एवं अराजपत्रित पदाधिकारियों तथा कर्मचारियों हेतु जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में संचालित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय आयुक्त द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा संचालन व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं केंद्र पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया। उक्त परीक्षा में कुल 754 परीक्षार्थी नामित हैं, जिनमें पूर्व दिवस की परीक्षा में 677 परीक्षार्थी उपस्थित हुए थे। मंगलवार को आयोजित परीक्षा के दूसरे दिन परीक्षा में प्रथम पाली में 200 परीक्षार्थी तथा द्वितीय पाली में 126 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। निरीक्षण के क्रम में आयुक्त ने केंद्र पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, आयुक्त सचिव, संबंधित कर्मियों एवं पुलिस बल को परीक्षा शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। परीक्षा पूर्णतः शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं कदाचाररहित वातावरण में संचालित हो रही है। केंद्र पर सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं पुलिस बल पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान सहायक केन्द्राधीक्षक सह आयुक्त के सचिव संग परीक्षा संचालन से जुड़े पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

हजारीबाग में ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का पदार्फाश, एक गिरफ्तार, दो मोबाइल बरामद

हजारीबाग : हजारीबाग पुलिस ने कोर्रा थाना क्षेत्र में 31 मई को ऑनलाइन सट्टेबाजी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राहुल कुमार, उम्र करीब 28 वर्ष, पिता महेश प्रसाद मेहता, ग्राम बोंगा थाना ईचाक, वर्तमान पता सिद्धि विनायक पथ कनहरी हिल रोड थाना कोर्रा को गिरफ्तार किया है। यह छापेमारी पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय ज्ञान रंजन के नेतृत्व में की गई, जिसमें थाना प्रभारी कोर्रा नेमधारी रजक, थाना प्रभारी लोहसिंघना निशान्त केरकेट्टा, पु.अ.नि. पिन्टु कुमार, पु.अ.नि. पुन्नू यादव, तकनीकी शाखा एवं कोर्रा थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। आरोपी के पास से दो एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किए गए जिनकी जांच में स्काईएक्सचेंज, एक्सिस 444 और रेड 444 जैसी सट्टेबाजी साइटों के लॉगिन आईडी मिले और करीब 3 से 4 करोड़ रुपये के अवैध ऑनलाइन ट्रांजेक्शन का खुलासा हुआ। पूछताछ में राहुल ने बताया कि वह अपने ममेरे भाई प्रिंस कुमार के साथ जेएसआर ग्रुप के नाम से मास्टर आईडी बनाकर हजारीबाग, रामगढ़, रांची और चतरा में युवाओं को मुनाफे का लालच देकर ठगी करता था। पुलिस ने कोर्रा थाना कांड संख्या 94/26 दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और वांछित अभियुक्तों की तलाश जारी है।

डाड़ी कलां पंचायत भवन में 5 वर्ष से कम उम्र के 40 बच्चों का बनाया गया निःशुल्क आधार

बड़कागांव : बड़कागांव डाड़ी कलां पंचायत भवन में मंगलवार को आयोजित विशेष आधार नामांकन शिविर में 5 वर्ष से कम आयु के 40 बच्चों का निःशुल्क आधार कार्ड बनाया गया। शिविर का आयोजन बच्चों को समय पर आधार सुविधा उपलब्ध कराने एवं सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया। शिविर में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने बच्चों का आधार नामांकन कराया। आधार ऑपरेटर कृतन कुमार द्वारा आवश्यक दस्तावेजों की जांच के बाद बच्चों का बायोमेट्रिक रहित नामांकन किया गया। इस दौरान अभिभावकों को आधार कार्ड के महत्व तथा भविष्य में 5 वर्ष एवं 15 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर बायोमेट्रिक अपडेट कराने की जानकारी भी दी गई। डाड़ी कलां पंचायत मुखिया इल्यास अंसारी बताया कि ऐसे शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आधार संबंधी सुविधाएं उनके गांव में ही उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे उन्हें प्रखंड या जिला मुख्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ता है।

एक नजर

प्रमोद महतो की अग्रिम जमानत पर 10 जून को अगली सुनवाई

रांची : रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) की अधिग्रहीत भूमि से जुड़े बहुचर्चित फजीवाड़ा मामले में आरोपित प्रमोद कुमार महतो की अग्रिम जमानत याचिका पर मंगलवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की विशेष अदालत में सुनवाई हुई। मामले में एसीबी की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगे जाने के बाद अदालत ने सुनवाई स्थगित करते हुए अगली तिथि 10 जून निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान एसीबी ने अदालत को बताया कि मामले से संबंधित केस डायरी और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज प्रस्तुत किए जाने हैं। इसके लिए समय की आवश्यकता है।

झारखंड में गर्मी-उमस से लोग परेशान

रांची : राजधानी रांची समेत राज्य के विभिन्न जिलों में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। पिछले दो-तीन दिनों से कहीं बारिश तो कहीं तेज धूप के कारण लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को भी रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से ही तेज धूप निकलने के कारण उमस भरी गर्मी महसूस की गई। इसके साथ ही कई इलाकों में बिजली की आंखमिचौली ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी दिनों में भी मौसम में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। विभाग ने तीन और चार जून को राज्य के उत्तर-पूर्वी जिलों में गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई है। इसके अलावा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी पूर्वानुमान जारी किया गया है। संभावित खराब मौसम को देखते हुए विभाग ने येलो अलर्ट जारी कर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

15 से अधिक स्थानों पर रांची पुलिस ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

रांची : राजधानी रांची में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने सोमवार देर रात व्यापक चेकिंग अभियान चलाया। जिले के 15 से अधिक महत्वपूर्ण स्थानों पर एक साथ संचालित इस अभियान के दौरान वाहनों, संदिग्ध व्यक्तियों और सार्वजनिक स्थलों की गहन जांच की गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अभियान का मुख्य उद्देश्य असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना तथा आम नागरिकों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) पारस राणा ने मंगलवार को बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन के निर्देश पर विभिन्न थाना क्षेत्रों की पुलिस ने संयुक्त रूप से यह विशेष अभियान चलाया।

रांची स्टेशन पर 2250 यात्रियों के बैठने के लिए बनेगा पैसेंजर लाउंज

रांची : यात्रियों की लगातार बढ़ती संख्या और भीड़ प्रबंधन को दुरुस्त करने के लिए रांची रेलवे स्टेशन को आधुनिक होल्डिंग एरिया बनाने की योजना में तैयारी तेज हो गई है। स्टेशन के नॉर्थ साइड मुख्य द्वार के पास लगभग 12 करोड़ रुपए की लागत से एक अत्याधुनिक 'होल्डिंग एरिया' विकसित किया जाएगा। लगभग 1920 वर्ग मीटर क्षेत्र में बनने वाले इस लाउंज की क्षमता करीब 2250 यात्रियों की होगी, जहां एक ही छत के नीचे प्री-टिकटिंग से लेकर पोस्ट-टिकटिंग तक की तमाम विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना का सर्वे पूरा कर प्रस्ताव मुख्यालय भेज दिया गया है और मंजूरी मिलते ही अगस्त-सितंबर से इसका निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। रांची रेल मंडल के डीआरएम करुणानिधि सिंह और सीनियर डीसीएम श्रेया सिंह के मुताबिक, स्टेशन पर प्रतिदिन औसतन 60 हजार यात्रियों का आवागमन होता है, जो त्योहारों और परीक्षाओं के दौरान 80 हजार तक पहुंच जाता है।

मुख्यमंत्री ने खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग की कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की

खाद्य वितरण व्यवस्था को और पारदर्शी बनाने पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मंगलवार को झारखंड मंत्रालय में खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग की अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि खाद्यान्न वितरण प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, जवाबदेह और जनसुलभ बनाने के लिए आधुनिक तकनीक और नवाचारों का अधिकतम उपयोग किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए जीवनरेखा के समान है। इसलिए पात्र लाभुकों तक राशन की समयबद्ध और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही नए पात्र परिवारों को योजनाओं से जोड़ने और अपात्र लाभुकों की पहचान कर व्यवस्था को और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री दाल-भात योजना के तहत संचालित 370 केंद्रों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को इनकी संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में कार्यरत मजदूरों और जरूरतमंद लोगों के लिए उपयुक्त स्थानों का चयन कर नए दाल-भात केंद्र खोले जाएं तथा मॉडल दाल-भात केंद्र विकसित किए जाएं, ताकि कम कीमत पर भरपेट भोजन उपलब्ध कराया जा सके।

मुख्यमंत्री ने विशिष्ट जनजाति खाद्यान्न सुरक्षा योजना (पीवीटीजी डाकिया योजना) की समीक्षा करते हुए कहा कि डोर-स्टेप डिलीवरी के माध्यम से सभी लाभुक परिवारों तक नियमित रूप से खाद्यान्न पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को इस योजना की सतत निगरानी करने का निर्देश दिया।

बैठक में धान अधिप्राप्ति की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि 60 लाख क्विंटल लक्ष्य के विरुद्ध राज्य में 49.25 लाख क्विंटल धान की खरीद हुई है। मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन माध्यम से एक किसान निगम प्रसाद उपाध्याय से बातचीत कर धान बिक्री और भुगतान की जानकारी ली। किसान ने बताया कि 160 क्विंटल धान बेचने के बाद उन्हें एक ही दिन में भुगतान प्राप्त हो गया।

मुख्यमंत्री ने खाद्यान्न भंडारण की व्यवस्था को मजबूत करने के लिए गोदामों की मरम्मत और नए गोदाम निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अनाज के सुरक्षित भंडारण और रखरखाव पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।

इसके अलावा सोना-सोबरन धोती-साड़ी वितरण योजना, मुख्यमंत्री दाल-भात योजना और मुख्यमंत्री नमक वितरण योजना सहित विभाग की विभिन्न योजनाओं की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने सभी प्रस्तावित योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में खाद्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, विभागीय सचिव राजेश कुमार शर्मा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

इलेक्ट्रिक साइकिल योजना का कांग्रेस ने किया स्वागत, संविधान शिक्षा अनिवार्य करने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा विद्यार्थियों को पारंपरिक साइकिल की जगह इलेक्ट्रिक साइकिल उपलब्ध कराने के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने इसे छात्र हित में उठाया गया दूरदर्शी और समयानुकूल कदम बताते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जुड़ने का अवसर मिलेगा और ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को आवागमन में सुविधा होगी।

विजय शंकर नायक ने कहा कि इलेक्ट्रिक साइकिल योजना न केवल विद्यार्थियों के लिए लाभकारी होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को साथ लेकर आगे बढ़ रही है।

उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा विद्यालयों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और जनगणना को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश की भी सराहना की। उनका कहना है कि विद्यार्थी समाज में सूचना के प्रभावी वाहक होते हैं और वे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से जुड़ी जानकारी अपने परिवार और समुदाय तक पहुंचा सकते हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण, जनगणना और अन्य संवैधानिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता विकसित करना जिम्मेदार नागरिक समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समझ और भागीदारी बढ़ेगी।

विजय शंकर नायक ने मुख्यमंत्री से मांग की कि विद्यालयों और महाविद्यालयों में संविधान शिक्षा को भी अनिवार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को संविधान के मूल सिद्धांतों, मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों, सामाजिक न्याय, समानता, धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों की जानकारी दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत की लोकतांत्रिक आत्मा है। यदि नई पीढ़ी संविधान के मूल्यों को समझेगी, तो देश में सामाजिक सद्भाव, संवैधानिक चेतना और लोकतांत्रिक संस्कृति और अधिक मजबूत होगी।

कांग्रेस प्रवक्ता ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा, जागरूकता और संवैधानिक मूल्यों के प्रसार के लिए आगे भी सकारात्मक कदम उठाती रहेगी, जिससे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिलेगा।

ब्यूटीशियन किट पाकर आत्मनिर्भर बन रही महिलाएं, हुयी सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में कार्यरत उषा मार्टिन फाउंडेशन ने ब्यूटीशियन प्रशिक्षण प्राप्त सफल महिलाओं एवं युवतियों के बीच ब्यूटीशियन किट का वितरण किया। यह किट उन प्रतिभागियों को प्रदान की गई, जिन्होंने प्रशिक्षण के बाद अपना ब्यूटी पार्लर शुरू किया है या विभिन्न सैलून एवं होम सर्विस के माध्यम से रोजगार से जुड़ी हैं।

फाउंडेशन के सचिव डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि कौशल विकास महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण तभी सार्थक माना जाता है, जब उससे रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उत्पन्न हों। फाउंडेशन का उद्देश्य प्रशिक्षित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें सम्मानजनक आजीविका से जोड़ना है।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए निरंतर सीखने और अपने हुनर को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

पिछले तीन वर्षों में उषा मार्टिन फाउंडेशन द्वारा लगभग 60 महिलाओं एवं युवतियों को ब्यूटीशियन प्रशिक्षण दिया गया है। इनमें से कई महिलाओं ने प्रशिक्षण के बाद अपना व्यवसाय शुरू किया है। इसी क्रम में बेहतर कार्य कर रही 20 महिलाओं एवं युवतियों को उनके व्यवसाय को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से ब्यूटीशियन किट प्रदान की गई।

इस अवसर पर फाउंडेशन की मैनेजर प्रिया बागची ने कहा कि प्रशिक्षण के साथ-साथ आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना भी बेहद जरूरी है, ताकि महिलाएं आत्मविश्वास के साथ अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

50 करोड़ की रामडेरा विद्युत ग्रिड परियोजना का केंद्रीय मंत्री ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सिल्ली के रामडेरा में लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित विद्युत ग्रिड के एक वर्ष से अधिक समय तक शुरू नहीं होने पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने नाराजगी जताई है। मंगलवार को उन्होंने भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ ग्रिड परिसर का निरीक्षण कर अधिकारियों को इसे जल्द चालू करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनता की सुविधा के लिए तैयार की गई यह महत्वपूर्ण परियोजना पिछले एक वर्ष से संचालन की प्रतीक्षा कर रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने मौके से ही बिजली विभाग के सीएमडी से फोन पर बात कर ग्रिड को अविलंब चालू करने के निर्देश दिए।

संजय सेठ ने कहा कि रामडेरा विद्युत ग्रिड शुरू होने के बाद सिल्ली और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से बनी बिजली कटौती, लो-वोल्टेज और अनियमित आपूर्ति जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान हो सकेगा। इससे हजारों उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस जनहितकारी परियोजना की शुरूआत पूर्व मुख्यमंत्रीके कार्यकाल में की गई थी, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर विद्युत सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

इस अवसर पर भाजपा रांची पूर्वी जिला अध्यक्ष विनय कुमार महतो धीरज ने कहा कि ग्रिड के चालू होने से सिल्ली सहित आसपास के क्षेत्रों की बिजली व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

दिव्यांगों को डिजिटल सशक्त बनाने की पहल 25 प्रतिभागियों ने पूरी की कंप्यूटर ट्रेनिंग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अनगड़ा प्रखंड के हेसल पंचायत भवन में दिव्यांगों के लिए आयोजित तीन माह का विशेष डिजिटल साक्षरता एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। उषा मार्टिन फाउंडेशन के सौजन्य और अगधबोध फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में 25 दिव्यांग प्रतिभागियों को कंप्यूटर एवं डिजिटल सेवाओं का प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थाना प्रभारी गौतम रजवार ने दिव्यांगजनों को सुरक्षा और न्याय का भरोसा दिलाते हुए कहा कि दिव्यांगों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव, शोषण या अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संस्था की इस पहल की सराहना करते हुए प्रशिक्षित प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

विशिष्ट अतिथि जिला परिषद सदस्य अनुराधा मुंडा ने इसे दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। वहीं हेसल पंचायत की मुखिया सविता तिर्की और उपमुखिया विमला चौधरी ने भी इस रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम के लिए उषा मार्टिन फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया।

उषा मार्टिन फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि भविष्य में क्षेत्र की प्रत्येक पंचायत में कंप्यूटर और सिलाई प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने की योजना है। साथ ही जरूरतमंद दिव्यांगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध कराने का भी लक्ष्य रखा गया है।

प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले दिव्यांग प्रतिभागियों ने बताया कि अब वे स्वयं ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग कर सकेंगे और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में किसी पर निर्भर नहीं रहेंगे। प्रशिक्षित युवाओं की टीम ग्रामीण क्षेत्रों में कॉमन सर्विस सेंटर (उरउ) स्थापित करने की दिशा में भी कार्य करेगी।

स्वर्णिम कला कुंज की साहित्यिक गोष्ठी ने लोगों में चेतना जागृत की

साहित्य समाज की धारा को पवित्र करने की क्षमता रखती है : डा रजनी शर्मा चंदा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : स्वर्णिम कला कुंज एवं साहित्योदय मंच के संयुक्त तत्वाधान में काव्य गोष्ठी का आयोजन वाई बी एन स्कूल ,धुर्वा, रांची में किया गया। कार्यक्रम में मंच संस्थापक डॉ रजनी शर्मा चंदा ने आए हुए साहित्यकारों का स्वागत अभिनंदन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरिन्दर कौर नीलम ने किया। मंच पर रेनू झा रेणुका, राकेश रमन रार, नेहाल हुसैन सरैयावी, रिंकू बनर्जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन के पश्चात सुमधुर सरस्वती वंदना रिंकू बनर्जी के द्वारा प्रस्तुत किया गया। मंत्रोच्चारण रेनू झा रेणुका के द्वारा किया गया। सचिन शर्मा ने कार्यक्रम का शुभारंभ कृष्ण भजन से किया जिसे सुनकर उपस्थित सभी श्रोता भाव विभोर हो गए। कार्यक्रम का संचालन पुष्पा सहाय गिन्नी एवं रुचिका रुद्राणी ने किया। विशेष अतिथि रामजी यादव ने उपस्थित सभी साहित्यकारों को साहित्य के इस समागम के लिए शुभकामनाएं दी। रामजी यादव एवं अंजू यादव के वैवाहिक वर्षगांठ की सभी साहित्यकारों ने शुभकामनाएं दी। ऋतुराज वर्षा, आस्था शर्मा, रंजना वर्मा उन्मुक्त, रेनू बाला धार, डॉ आशीष प्रसाद, राजेश कुमार, सीमा सिन्हा मैत्री, मधुमिता साहा , रंगोली सिन्हा , सरोज गर्ग 'रत्न प्रभा', खुशबू बरनवाल 'सीपी' निर्मला सिंह ,संगीता वर्मा , विभा वर्मा वाची , निर्मला कर्ण,राजश्री राज , ?रश्मि सिन्हा ,अजित कुमार प्रसाद , सिम्मी नाथ, सुखेन्द्र यादव 'स्वदेशी', तारा कुमारी, मीणा बंधन आदि ने काव्य पाठ किया। अमन कुमार , चंदन कुमार ने सुमधुर गीतों की प्रस्तुति दी। रश्मि शर्मा,लक्ष्मी शर्मा ,संगीता शर्मा,कार्तिक अमन शर्मा, लावण्या शर्मा, यश शर्मा आदि इस सम्मेलन में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सारगर्भित अध्यक्षीय उद्बोधन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ सुरिन्दर कौर नीलम ने किया। स्वर्णिम कला कुंज की संस्थापक एवं साहित्योदय मंच की रांची प्रभारी डॉ रजनी शर्मा 'चंदा' ने इस मंच के माध्यम से सृजन ,संवाद, संस्कृत और सेवा हेतु सदैव समर्पित रहने के लिए समाज के प्रबुद्ध लोगों में चेतना जागृत किया और कहा कि साहित्य समाज की धारा को पवित्र करने की क्षमता रखती है। अतः साहित्य सेवा के प्रति सजगता को अधिक से अधिक बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने युवाओं को कला, सृजन, संस्कृति और साहित्य के प्रति अपनी रुचि को जागृत करने के लिए आवाह्न किया। उपस्थित सभी वरिष्ठ साहित्यकारों को शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त खबरें

जेईई एडवांस्ड 2026 में सरला बिरला पब्लिक स्कूल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

रांची: सरला बिरला पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने जेईई (एडवांस्ड) 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर विद्यालय का नाम रोशन किया है। छात्रों की इस सफलता ने स्कूल की शैक्षणिक गुणवत्ता और उत्कृष्ट परिणामों की परंपरा को आगे बढ़ाया है। विद्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अन्वेषा अग्रवाल ने ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 6534 हासिल की। वहीं जाह्नवी सिन्हा ने एआईआर 10404 और अभिषेक कुमार आयुष ने एआईआर 10690 प्राप्त कर सफलता का परचम लहराया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि को विद्यालय परिवार ने गर्व का क्षण बताया है। विद्यालय की प्राचार्या मनीषा शर्मा ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प और शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि ऐसी सफलताएं विद्यार्थियों की लगन, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का संयुक्त परिणाम होती हैं। प्राचार्या ने विश्वास जताया कि विद्यालय के विद्यार्थी भविष्य में भी विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन करेंगे तथा अपने लक्ष्य हासिल कर नई ऊंचाइयों को छुएंगे।

राज्य सीनियर तैराकी प्रतियोगिता में जेएसएसपीएस के खिलाड़ियों ने मारी बाजी

रांची : जमशेदपुर के जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 15वीं झारखंड राज्य सीनियर तैराकी प्रतियोगिता-2026 में झारखंड स्टेट स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएसपीएस) के तैराकों ने शानदार प्रदर्शन किया है। इस प्रतियोगिता में जेएसएसपीएस के खिलाड़ियों ने कई पदक अपने नाम कर न सिर्फ रांची जिला बल्कि अपनी संस्था का गौरव बढ़ाया है। प्रतियोगिता के सबसे बड़े सितारे प्रथमी सिंह सरदार रहे, जिन्होंने अपने बेहतरीन और दमदार खेल की बदौलत कुल पांच पदक जीतकर सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। प्रथमी ने विभिन्न स्पधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण और चार रजत पदक अपने नाम किए। उन्होंने 50 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही 50 मीटर बैकस्ट्रोक, 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक, 50 मीटर फ्रीस्टाइल और 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पधाओं में रजत पदक हासिल कर प्रतियोगिता के सबसे सफल तैराकों में अपनी जगह बनाई। प्रथमी के अलावा जेएसएसपीएस के एक और प्रतिभाशाली तैराक लखिंदर सिंह मुंडा ने भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने बेहद कड़े मुकाबले के बीच 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर टीम की सफलता में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। खिलाड़ियों की इस बड़ी कामयाबी पर जेएसएसपीएस प्रबंधन, खेल प्रेमियों और प्रशिक्षकों में खुशी की लहर है। मुख्य तैराकी प्रशिक्षक उमेश पासवान ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी महीनों की कड़ी मेहनत और लगन का परिणाम है। संस्था के अधिकारियों के अनुसार, होटवार के मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खिलाड़ियों को मिल रहीं अत्याधुनिक खेल सुविधाएं और नियमित प्रशिक्षण ही उनकी इस सफलता का मुख्य आधार हैं। अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि ये खिलाड़ी आने वाले समय में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी झारखंड का नाम रोशन करेंगे।

प्रखंड कार्यालय में देवेंद्र नाथ महतो की पहल पर जन समस्या समाधान शिविर आयोजित

सिल्ली : सिल्ली झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सिल्ली विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी देवेंद्र नाथ महतो की पहल पर मंगलवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय, सिल्ली में जन समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के लोगों की विभिन्न जनसमस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया। वहीं, अन्य मामलों को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रक्रियाधीन किया गया। शिविर में मुख्य रूप से राशन कार्ड, आवासीय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जमीन विवाद, मनरेगा, पेयजल, साईकिल वितरण तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित शिकायतों एवं समस्याओं पर सुनवाई की गई। संबंधित अधिकारियों ने प्राप्त आवेदनों और शिकायतों पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए कुल 41मामलों का त्वरित निष्पादन किया। अंचल कार्यालय के सभागार में आयोजित इस शिविर में प्रखंड विकास पदाधिकारी अनिल कुमार, अंचल निरीक्षक दीपक मिंज, प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी अशोक कुमार, हल्का कर्मचारी भुवनेश्वर सींह तथा ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सुमित कुमार लाहा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जन समस्या समाधान शिविर में सिल्ली प्रखंड के लगभग सभी 20 पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। सभागार में देर शाम तक जनसुनवाई का सिलसिला जारी रहा। ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिनके समाधान की दिशा में आवश्यक पहल की गई।इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी कृष्णा महतो, जाकिर खान, हरे कृष्णा महतो, महावीर प्रसाद साहू, बिरेन महतो, चण्डी प्रसाद महतो,खुदीराम महतो, सुखदेव महतो,राजकिशोर महतो,कार्तिक महतो,अजय महतो,गुहीराम संवासी, सहित अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। मौके पर देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि संगठन जनसमस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने कहा कि प्रखंड कार्यालय में किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा लाभुकों को पूर्ण पारदर्शिता के साथ सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से आम जनता की समस्याओं के त्वरित एवं निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

श्रीश्याम मंदिर में 206वें सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन

रांची: ज्येष्ठ (अधिक) पुरुषोत्तम माह की कृष्ण पक्ष द्वितीया, विक्रम संवत 2083 के अवसर पर मंगलवार को हरमू रोड स्थित श्रीश्याम मंदिर में 206वें श्री सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धार्मिक अनुष्ठान में अपनी सहभागिता निभाई। डाक बंगला रोड निवासी श्रीमती वंदना सिंह, श्रीमती श्वेता सिंह एवं श्री धवल सिंह ने 1008 श्री सालासर वाले बालाजी महाराज की दिव्य अखंड ज्योति प्रज्वलित कर केशरिया पेड़ा, केशरिया रबड़ी, गुड़, चना तथा मौसमी फल का प्रसाद अर्पित किया और बाबा के दरबार में श्रद्धापूर्वक धोक लगाई। इस अवसर पर श्रीमती रेखा नारसरिया, सीए राधिका नारसरिया एवं श्रवण ढांढनिया ने चना प्रसाद की सेवा अर्पित की। वहीं श्रीमती पुष्पा देवी पोद्दार ने केशरिया पेड़ा तथा राजेश जायसवाल ने मौसमी फल का प्रसाद अर्पित कर धार्मिक आयोजन में योगदान दिया। कार्यक्रम में श्रीश्याम मित्र मंडल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, अध्यक्ष गोपाल मुरारका, उपाध्यक्ष अशोक लाडिया, पूर्व महामंत्री राजेश ढांढनिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। भक्ति एवं श्रद्धा से ओतप्रोत माहौल में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम का समापन महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

एक नजर

आउटसोर्सिंग में हक-अधिकार को लेकर रैयतों की हुंकार, सौंदा बस्ती में बनी रणनीति

रामगढ़ : सौंदा बस्ती पारटांड़ में खातियानी रैयत विस्थापित सेल संचालन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सौंदा डी कोलियरी क्षेत्र में शुरू हो रही आउटसोर्सिंग कंपनी में स्थानीय रैयतों, विस्थापितों एवं प्रभावित परिवारों के हक–अधिकार, रोजगार और भागीदारी को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित लोगों ने कहा कि किसी भी परियोजना के संचालन में सबसे पहला अधिकार स्थानीय रैयतों और विस्थापित परिवारों का होना चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि वर्षों से क्षेत्र के लोग खनन परियोजनाओं का प्रभाव झेलते आए हैं, इसलिए आउटसोर्सिंग कंपनी में रोजगार, ठेका कार्य एवं अन्य सुविधाओं में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। बैठक में निर्णय लिया गया कि रैयतों और विस्थापितों के हितों की रक्षा के लिए संगठन को और मजबूत बनाया जाएगा। सदस्यों ने कहा कि क्षेत्र के लोगों के अधिकारों की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। इसके लिए आवश्यक होने पर व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने और संबंधित प्रबंधन के समक्ष मांगों को मजबूती से रखने पर भी सहमति बनी। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि आउटसोर्सिंग परियोजना से प्रभावित होने वाले परिवारों के पुनर्वास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाया जाएगा।

थाना परिसर मे सेवानिवृति चौकीदार को दी गई विदाई

मरकच्चो : नवलशाही थाना परिसर में चौकीदार को सेवानिवृति पर विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विदाई समारोह की अध्यक्षता थाना प्रभारी सुमन कुमार ने किया, सेवानिवृत चौकीदार कामेश्वर तुरी की सेवानिवृत्ति पर थाना प्रभारी सुमन कुमार ने बताया कि कामेश्वर तुरी काफी सरल व्यक्ति हैं। प्रदत्त जिम्मेदारी को निर्धारित समय में पूर्ण करना, अनुशासन के दायरे में रहने के साथ साथ आपस में काफी प्रेम मिलजुल कर रहते थे, वहीं थाना प्रभारी, समेत थाना पदाधिकारी, व चौकीदार संघ के जिला सचिव संतोष यादव ने सेवानिवृत्त चौकीदार को माला पहनाकर व शौल प्रदान कर सम्मानित किया, जिसके बाद गाजे – बाजे के साथ उनके गृह आवास मसमोहना तक पहुंचाया गया। इस मौके पर एसआई रविप्रकाश पंडित, एसआई नितायचंद्र शाह, एसआई मदन मिश्रा, एएसआई शांति भूषण, एएसआई राजीव कुमार, खरखार मुखिया प्रतिनिधि पिंटू यादव, समाजसेवी शंकर साव, शंकर तुरी, रसल लाल पासवान, रोहित पासवान यदि अन्य लोग मौजूद थे।

डेंगू, चिकनगुनिया व मलेरिया से बचाव को लेकर कार्यशाला आयोजित

कोडरमा : मानसून के दौरान डेंगू, चिकनगुनिया एवं मलेरिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम और जन–जागरूकता के उद्देश्य से सोमवार को एक दिवसीय कार्यशाला–सह–प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार ने की, जबकि जिला वीबीडी पदाधिकारी डॉ. मनोज कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यशाला में नगर पंचायत कोडरमा, नगर परिषद झुमरी तिलैया तथा शहरी स्वास्थ्य विभाग की सहिया, एमपीडब्ल्यू, एमटीएस सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम एवं जन–जागरूकता के विभिन्न उपायों की जानकारी दी गई। सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि मानसून के आगमन के साथ डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया का खतरा बढ़ जाता है। इससे बचाव के लिए सामुदायिक स्तर पर जागरूकता, जल–जमाव की रोकथाम तथा समय पर जांच बेहद जरूरी है।

सयाल कोलियरी की कोयला नीलामी पर गहराए सवाल

महीनों से एक ही दर पर बिडिंग से करोड़ों के राजस्व नुकसान की आशंका

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सीसीएल की सयाल कोलियरी में कोयला नीलामी प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। क्षेत्र में चर्चा है कि जहां अन्य कोलियरियों में हर नीलामी के साथ कोयले की दरों में उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है, वहीं सयाल कोलियरी में पिछले छह महीनों से लगभग 1500 रुपये प्रति टन की दर पर लगातार बिडिंग हो रही है। इस स्थिति ने नीलामी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जानकारों का मानना है कि यदि प्रतिस्पर्धी माहौल में नीलामी हो तो कोयले की कीमतें अधिक मिल सकती हैं। लेकिन लगातार एक जैसी दर पर कोयला उठाव होने से सीसीएल के साथ-साथ राज्य और केंद्र सरकार के राजस्व को भी भारी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। दूसरी ओर, कुछ चुनिंदा कारोबारी और ट्रांसपोर्टर इससे लाभान्वित हो रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, करीब एक दर्जन कोयला व्यापारियों का एक समूह लंबे समय से नीलामी प्रक्रिया में प्रभावी भूमिका निभा रहा है। क्षेत्र में यह चर्चा भी है कि इसी समूह की कंपनियां नियमित रूप से कम दरों पर बिडिंग कर कोयले का उठाव कर रही हैं। इससे खुले और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धी माहौल पर असर पड़ने की बात कही जा रही है। बताया जाता है कि करीब डेढ़ वर्ष पूर्व कुछ बाहरी कारोबारियों ने अधिक दर पर बिडिंग की थी, लेकिन विभिन्न कारणों से वे कोयला उठाव नहीं कर सके। इसके बाद कई कारोबारियों ने सयाल कोलियरी की नीलामी से दूरी बना ली। परिणामस्वरूप सीमित कंपनियों का दबदबा बढ़ता चला गया। मामले को लेकर सीसीएल विजिलेंस तथा अन्य जांच एजेंसियों से निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि नीलामी प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता है तो उसकी गहन जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि सार्वजनिक उपक्रम और सरकार के राजस्व हितों की रक्षा सुनिश्चित हो सके।

खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास पर जोर डीएमएफटी राशि के पारदर्शी उपयोग की उठी मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिला समाहरणालय सभागार में उपायुक्त की अध्यक्षता में आयोजित जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) न्यास परिषद की बैठक में बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि खनिज संपदा से प्राप्त डीएमएफटी की राशि का उपयोग सीधे आम जनता और प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए किया जाना चाहिए। बैठक के दौरान विधायक ने भुरकुंडा पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय परिसर में संचालित आंगनबाड़ी तेलीमान धौड़ा केंद्र का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि केंद्र तक पहुंचने के लिए छोटे बच्चों को सड़क पार करनी पड़ती है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। उन्होंने केंद्र के लिए सुरक्षित एवं उपयुक्त वैकल्पिक स्थान चयन करने की मांग की। लपंगा पंचायत में बुचली होटल से कोल कंपनी होते हुए पटेल नगर बैंक मोड़ तक डीएमएफटी मद से बन रही पीसीसी सड़क का कार्य शीघ्र पूरा कराने की मांग की गई। विधायक ने कहा कि सड़क निर्माण पूरा होने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी। बैठक में पतरातू मार्केटिंग कॉम्प्लेक्स के जीर्णोद्धार एवं पुनः संचालन का प्रस्ताव रखा गया। साथ ही भुरकुंडा बाजार क्षेत्र में बहुउद्देशीय सामुदायिक भवन, सार्वजनिक शौचालय तथा हाई मास्ट लाइट की स्थापना की मांग भी की गई, ताकि आम लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। रोशन लाल चौधरी ने कहा कि डीएमएफटी की राशि केवल भवन और सड़क निर्माण तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं में भी प्राथमिकता के साथ किया जाना चाहिए। बैठक में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, रामगढ़ विधायक ममता देवी, मांडू विधायक निर्मल महतो, उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

प्रहरी अभियान की सख्ती, रातभर चला पुलिस का विशेष जांच अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा आम जनता में सुरक्षा का विश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से रामगढ़ पुलिस ने 'प्रहरी' पहल के तहत व्यापक अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले के सभी थाना एवं ओपी क्षेत्रों में संवेदनशील और चिन्हित स्थानों पर देर रात विशेष छापेमारी की गई। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने सार्वजनिक स्थानों, चौक-चौराहों और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में अड्डेबाजी कर रहे लोगों की जांच की। साथ ही नशाखोरी, सार्वजनिक स्थानों पर अवांछित गतिविधियों तथा असामाजिक तत्वों की मौजूदगी पर विशेष निगरानी रखी गई। पुलिस ने लोगों को कानून का पालन करने और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की भी अपील की। अभियान के दौरान महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संभावित संवेदनशील क्षेत्रों की गहन जांच की गई। इसके अलावा सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों की भी जांच कर आवश्यक कार्रवाई की गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यातायात व्यवस्था बाधित करने वालों के विरुद्ध आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। रामगढ़ पुलिस का कहना है कि इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य अपराध पर नियंत्रण, असामाजिक तत्वों पर नजर तथा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा का वातावरण बनाए रखना है। पुलिस टीमों ने कई स्थानों पर लोगों से संवाद कर सुरक्षा संबंधी सुझाव भी प्राप्त किए। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि प्रहरी पहल केवल कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य पुलिस और आम नागरिकों के बीच विश्वास एवं बेहतर समन्वय स्थापित करना भी है। आने वाले दिनों में भी जिलेभर में इस प्रकार के विशेष अभियान जारी रहेंगे ।

डॉ नीरा यादव ने राजारायडीह में आहर निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत कादोडीह पंचायत के ग्राम राजारायडीह स्थित कोलाहिया आहर का मंगलवार को जल संसाधन लघु सिंचाई विभाग की महत्वाकांक्षी योजना के तहत 28,75,390 लाख के लागत से कोलाहिया अहार के जीर्णोद्धार कार्य का विधिवत शिलान्यास कोडरमा विधायक सह पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ नीरा यादव ने नारियल फोड़कर किया गया।इस अवसर पर जल संसाधन विभाग के जे ई नितेश कुमार,संवेदक अजय यादव एवं हीरालाल यादव समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।शिलान्यास के बाद उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. नीरा यादव ने कहा, कोलाहिया आहर के जीर्णोद्धार से राजाराय डीह सहित आसपास के गांवों के सैकड़ों किसानों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। बरसात का पानी संग्रहित होने से खेतों की सिंचाई आसान होगी और भू-जल स्तर में भी सुधार होगा। उन्होंने आगे कहा कि यह आहर पशु-पक्षियों के लिए भी वरदान साबित होगा। गर्मी के मौसम में मवेशियों को पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि कोलाहिया आहर के जीर्णोद्धार की मांग कई वर्षों से की जा रही थी।किसानों को सिंचाई में परेशानी होती थी। ग्रामीणों ने विधायक डॉ. नीरा यादव का आभार व्यक्त किया। जे ई नितेश कुमार ने बताया कि निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय सीमा के अंदर पूरा करने का निर्देश संवेदक को दिया गया है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने पीएलवी के साथ की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा के तत्वावधान में व्यवहार न्यायालय स्थित जिला न्याय सदन कोडरमा सभागार में झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर जिले में कार्यरत सभी पारा लीगल वोलेनटियर्स के साथ एक बैठक सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार रमाकान्त मिश्रा के निर्देश के आलोक में किया गया। इस बैठक सह कार्यशाला में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने उपस्थित पारा लीगल वोलेनटियर्स को कई प्रकार की कानूनी प्रावधानों एवं प्राधिकार द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में पारा लीगल वोलेनटियर्स को निर्देश दिया गया कि 12 सितम्बर 2026 को व्यवहार न्यायालय परिसर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत का व्यापक प्रचार प्रसार अपने अपने क्षेत्र में करें तथा पक्षकारों को समझा बुझाकर अपने अपने मामलो को विशेष लोक अदालत एवं राष्ट्रीय लोक अदालत में निष्पादित कराने के लिए प्रेरित करें ताकि अधिक से अधिक मामलों का निष्पादन विशेष लोक अदालत एवं राष्ट्रीय लोक अदालत में किया जा सके। इसके अलावा इन दिनों झालसा द्वारा चलाये जा रहे 90 दिवसीय गहन जागरूकता शिविर एवं आउटरिच कैंपेन को सफल बनाने के लिए अपने अपने क्षेत्र में व्यापक प्रचार प्रसार किये जाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा की जून माह में गहन जागरूकता शिविर के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिको के अधिकारों से सम्बंधित जानकारी अपने अपने क्षेत्र में देते हुए लोगो को जागरूक करे।

जयनगर सीएचसी की रात्रिकालीन व्यवस्था पर उठे सवाल, सांप काटने व सड़क दुर्घटना के दो मरीजों को नहीं मिला इलाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : जयनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की रात्रिकालीन स्वास्थ्य व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। सोमवार रात आपातकालीन स्थिति में पहुंचे दो मरीजों को अस्पताल से इलाज नहीं मिल सका। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में न तो कोई चिकित्सक मौजूद था और न ही मरीजों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया। मजबूर होकर परिजनों को निजी क्लीनिक और अन्य अस्पतालों का सहारा लेना पड़ा।

जानकारी के अनुसार सोमवार रात करीब साढ़े नौ बजे सरमांटांड़ निवासी कृष्णा राम को सांप ने काट लिया। परिजन उन्हें तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयनगर लेकर पहुंचे। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि अस्पताल का मुख्य द्वार बंद था। काफी देर तक आवाज लगाने के बाद एक गार्ड बाहर आया। परिजनों ने जब उसे बताया कि सांप काटने का मामला है और मरीज की स्थिति गंभीर है, तो गार्ड ने अस्पताल में डॉक्टर नहीं होने की बात कहते हुए सदर अस्पताल जाने की सलाह दी।

इसी दौरान कुछ देर बाद सड़क दुर्घटना में घायल लोहाडंडा निवासी मोहन यादव को लेकर उनके परिजन भी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि उन्हें भी अस्पताल के अंदर प्रवेश नहीं करने दिया गया। गार्ड ने उन्हें भी बताया कि अस्पताल में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं है और मरीज को सीधे सदर अस्पताल ले जाने को कहा। लगातार दो आपातकालीन मामलों में मरीजों को इलाज नहीं मिलने की घटना के बाद स्थानीय लोगों में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी है। लोगों का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध रहने का दावा किया जाता है, लेकिन रात के समय मरीजों को इलाज नहीं मिलना गंभीर चिंता का विषय है। ग्रामीणों ने मामले की जांच कर रात्रिकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने तथा जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

नशे के खिलाफ रामगढ़ पुलिस का जनजागरण अभियान, युवाओं को दिया स्वस्थ भविष्य का संदेश

रामगढ़ : जिले को नशामुक्त बनाने की दिशा में रामगढ़ पुलिस ने व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले के सभी थाना एवं ओपी प्रभारियों द्वारा कोचिंग संस्थानों, चौक–चौराहों, बाजारों, हाटों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान का उद्देश्य युवाओं और आम लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा समाज में जागरूकता बढ़ाना था। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों एवं युवाओं से संवाद कर नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान की विस्तृत जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि नशे की लत न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि परिवार और समाज के लिए भी गंभीर समस्याएं उत्पन्न करती है। पुलिस टीमों ने लोगों से अपील की कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे का सेवन न करें और अपने परिवार, मित्रों तथा परिचितों को भी इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करें। अधिकारियों ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। कोचिंग सेंटरों, बाजार क्षेत्रों, हाटों और प्रमुख चौक–चौराहों पर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी दिया गया। रामगढ़ पुलिस ने कहा कि नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे। पुलिस का मानना है कि युवाओं को सही दिशा और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराकर ही समाज को नशे जैसी गंभीर समस्या से मुक्त किया जा सकता है। अभियान के दौरान लोगों ने भी पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए सहयोग का भरोसा दिया।

रजरप्पा की बेटी ने बढ़ाया देश का मान, 21 वर्ष की उम्र में तैयार किया स्वदेशी मानवाकार रोबोट

रामगढ़ : कोयलांचल की धरती रजरप्पा की बेटी श्रेया पंडा ने अपनी प्रतिभा और नवाचार से पूरे झारखंड का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। मात्र 21 वर्ष की आयु में श्रेया ने पूर्णतः स्वदेशी मानवाकार रोबोट ह्लसिएनाह्व का निर्माण कर नई उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस सफलता से रजरप्पा, रामगढ़ तथा पंडा समाज में खुशी का माहौल है। श्रेया, मां छिन्नमस्तिका मंदिर के वरिष्ठ पुजारी सह मंदिर न्यास समिति के सचिव शुभाशीष पंडा एवं जया पंडा की पुत्री हैं। बचपन से विज्ञान और तकनीक के प्रति विशेष रुचि रखने वाली श्रेया को परिवार का भरपूर सहयोग मिला। श्रेया ने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता के विश्वास, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन को दिया है। श्रेया द्वारा विकसित ह्लसिएनाह्व एक उन्नत मानवाकार रोबोट है, जिसे शिक्षा के क्षेत्र में उपयोग के लिए तैयार किया गया है। यह विद्यार्थियों को रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कोडिंग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स की व्यावहारिक जानकारी देने में सक्षम है। यह विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज करने, प्रश्नों के उत्तर देने तथा विभिन्न भाषाओं में संवाद करने जैसी विशेषताओं से लैस है। सिएना में आधुनिक नेविगेशन प्रणाली, वाणी आधारित संवाद, स्पर्श आधारित संचालन तथा बुद्धिमान स्मृति जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नवाचार देश में स्वदेशी तकनीकी विकास को नई दिशा देने का कार्य करेगा। श्रेया पंडा ने कहा कि दृढ़ संकल्प, मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने युवतियों से विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उनकी इस उपलब्धि पर पंडा समाज सहित क्षेत्र के लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मारवाड़ी महिला समिति ने की गौ-सेवा, गौशाला में किया चारा व खाद्य सामग्री का दान

झुमरीतिलैया : ज्येष्ठ अधिकमास के पावन अवसर पर अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति, झुमरीतिलैया शाखा द्वारा गौ–सेवा एवं धर्मार्थ कार्यों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समिति की सदस्याओं ने स्थानीय गौशाला पहुंचकर गौमाताओं की सेवा की तथा उनके लिए गुड़, हरा चारा, रोटी, जलेबी, खीरा सहित विभिन्न खाद्य सामग्रियों का दान किया। कार्यक्रम के दौरान समिति की महिलाओं ने गौमाता को अपने हाथों से चारा एवं भोजन खिलाया तथा गौ–सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौ–सेवा को विशेष महत्व दिया गया है और ज्येष्ठ अधिकमास में किए गए पुण्य कार्यों का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। ऐसे आयोजनों से समाज में सेवा, करुणा और जीवों के प्रति संवेदनशीलता का संदेश प्रसारित होता है। इस अवसर पर समिति की अध्यक्ष उषा शर्मा, सचिव पायल पंकज जोशी, आशिका सहल, अंजू लढ़्ढा, रश्मि लढ़्ढा, रुचि लढ़्ढा, आँचल लढ़्ढा, केशव लढ़्ढा एवं हार्दिक लढ़्ढा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने गौशाला में समय व्यतीत करते हुए गौमाताओं की सेवा की और उनके संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। समिति की अध्यक्ष उषा शर्मा ने कहा कि सामाजिक एवं धार्मिक दायित्वों के निर्वहन के साथ–साथ गौ–सेवा जैसे कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। वहीं सचिव पायल पंकज जोशी ने बताया कि समिति समय–समय पर सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती है और भविष्य में भी ऐसे कार्य निरंतर जारी रहेंगे। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न होने पर समिति की सदस्याओं ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जयनगर पंचायत समिति की बैठक में विकास योजनाओं की हुई समीक्षा

जयनगर : जयनगर प्रखंड कार्यालय सभागार में सोमवार को प्रखंड प्रमुख अंजू देवी की अध्यक्षता एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति में पंचायत समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड उप प्रमुख राज नारायण सिंह, पंचायत समिति सदस्य, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। बैठक की शुरूआत प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी विवेक कुमार द्वारा पिछली बैठक की कार्यवाही एवं अनुपालन प्रतिवेदन के वाचन के साथ हुई। इसके बाद पंचायत समिति सदस्यों ने अपने–अपने क्षेत्रों से जुड़ी विकास योजनाओं, जनसुविधाओं एवं स्थानीय समस्याओं को विस्तारपूर्वक बैठक के समक्ष रखा। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मनरेगा, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), सड़क निर्माण, पेयजल आपूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। पंचायत प्रतिनिधियों ने विभिन्न पंचायतों में संचालित विकास कार्यों की स्थिति पर चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए तथा जमीनी स्तर पर आ रही समस्याओं से अवगत कराया। प्रखंड प्रमुख अंजू देवी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

तोरपा में बाल संरक्षण समितियों के पुनरुत्थान और सशक्तीकरण पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : खूंटी जिले के तोरपा प्रखंड परिसर में मंगलवार को ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति (वीएलसीपीसी) के पुनरुत्थान और सशक्तीकरण के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संभव ट्रस्ट की ओर से किया गया, जिसमें प्रखंड की सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला में बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और समितियों की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम में उप-प्रमुख एवं प्रखंड स्तरीय बाल संरक्षण समिति के अध्यक्ष संतोष कर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और उनके समग्र विकास के लिए ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समितियों का सक्रिय होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने आंगनबाड़ी सेविकाओं से अपने-अपने क्षेत्रों में बाल अधिकारों और संरक्षण संबंधी गतिविधियों को गंभीरता से संचालित करने का आह्वान किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए संभव ट्रस्ट की अध्यक्ष मोनिका आर्या ने बाल संरक्षण समितियों के प्रभावी संचालन, अभिलेख एवं पंजी संधारण तथा किशोर-किशोरियों के नामांकन की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चाइल्ड इन नीड ऑफ केयर एंड प्रोटेक्शन (सीएनसीपी) श्रेणी के बच्चों की पहचान कर उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना समितियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

मोनिका आर्या ने 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के अधिकारों, उनके संरक्षण और कल्याण से संबंधित कानूनी प्रावधानों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने नशामुक्ति अभियान, स्कूल छोड़ चुके बच्चों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने, किशोर-किशोरियों के नामांकन को बढ़ावा देने तथा ग्राम स्तर पर माहवारी स्वच्छता अभियान संचालित करने के महत्व को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम में बच्चों के अनुकूल गांव विकसित करने की अवधारणा पर विशेष चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि यदि ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समितियां सक्रिय और जागरूक रहें तो बाल विवाह, बाल श्रम, नशे की लत, स्कूल छोड़ने जैसी समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके लिए समुदाय की भागीदारी और नियमित निगरानी आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने बाल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने, बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने तथा ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समितियों को सक्रिय और प्रभावी बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यशाला में आंगनबाड़ी पर्यवेक्षिकाएं नूतन डांग और बेला रचना मिंज सहित प्रिया कुमारी, महेश्वरी देवी तथा बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी सेविकाएं और अन्य प्रतिभागी मौजूद थे।

एक नजर

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत पुलिस जांच में जुटी

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जेटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत पसिया गांव की एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान 40 वर्षीय शांति बोबोंगा, पति माटा बोबोंगा, के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार शांति बोबोंगा अपने घर से लगभग आधा किलोमीटर दूर नदी किनारे गई थी, जहां उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद जेटिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, चाईबासा भेज दिया। मंगलवार को सदर अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में मौजूद मृतका के भाई विमल लागुरी ने बताया कि उनकी बहन की शादी करीब 15 वर्ष पूर्व माटा बोबोंगा के साथ हुई थी। दंपति के पांच बच्चे हैं। उन्होंने बताया कि शांति बोबोंगा और उसके पति के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। कई बार परिवार और ग्रामीणों की पहल पर दोनों के बीच समझौता भी कराया गया था। विमल लागुरी के अनुसार, ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि घटना वाले दिन भी पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद शांति बोबोंगा घर से निकल गई। कुछ समय बाद गांव के लोग नदी की ओर गए तो वहां महिला को मृत अवस्था में पड़ा देखा। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों को इसकी सूचना दी गई। विमल लागुरी ने बताया कि उन्हें शाम करीब चार बजे घटना की जानकारी मिली। ग्रामीणों की ओर से गांव के मुंडा को सूचना दी गई, जिसके बाद जेटिया थाना को मामले की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। इधर, जेटिया थाना प्रभारी बॉस मुंडू ने बताया कि पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

ऑनर किलिंग मामले में पिता गिरफ्तार हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र में चर्चित ऑनर किलिंग मामले में पुलिस ने आरोपित पिता अगस्त कुमार महतो को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद मंगलवार को उसे अदालत के आदेश पर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इससे पहले मामले में युवती के प्रेमी राजबली मेहता को भी पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। लेस्लीगंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रशांत कुमार ने बताया कि घटना 25 मई को लोहरा गांव में हुई थी। शुरूआती जांच में ही मामला ऑनर किलिंग का प्रतीत हुआ था, जिसके बाद पुलिस ने गंभीरता से जांच शुरू की।

पुलिस जांच में सामने आया है कि युवती और राजबली मेहता के बीच इंस्टाग्राम के माध्यम से प्रेम संबंध स्थापित हुआ था। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उन्होंने कथित रूप से गुप्त रूप से विवाह भी कर लिया था। बाद में युवती ने सामाजिक रूप से शादी को मान्यता दिलाने की मांग की, लेकिन राजबली इससे बचना चाहता था। आरोप है कि युवती से पीछा छुड़ाने के उद्देश्य से राजबली मेहता ने उसकी कुछ आपत्तिजनक तस्वीरें परिजनों तक पहुंचा दीं।

जगन्नाथ महाप्रभु मंदिर निर्माण कमेटी की बैठक में रथ यात्रा महोत्सव को लेकर हुई चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : कमलपुर थाना क्षेत्र के दगड़ीगोडा स्थित श्री श्री हरिसाधना आश्रम में आगामी रथयात्रा महोत्सव को सफल बनाने को लेकर सदस्यों की उपस्थिति में ईशान चंद्र गोप की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में रथ यात्रा महोत्सव की तैयारी को लेकर विशेष चर्चा किया गया। वही अनुष्ठान में शामिल होने के लिए लोगों को आमंत्रित करने के लिए आमंत्रण पत्र, हैंड बिल, होडिंग बनवाने पर चर्चा, गणमान्य अतिथियों के पास पहुंचकर आमंत्रण करने, मासी बाड़ी निर्माण कार्य को संपन्न करवाने, रथयात्रा के दौरान आसपास के सड़कों को जनप्रतिनिधियों के सहयोग से मरम्मत करने, रथ निर्माण करवाने सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर

चर्चा हुई। इस दौरान बैठक में आगामी बैठक 7 जून रविवार को करने का भी निर्णय लिया गया। वही बैठक में अधिक से अधिक सदस्यों और ग्रामीणों की उपस्थिति पर भी जोर दिया गया। कमेटी द्वारा रथ यात्रा महोत्सव में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से कलश यात्रा में शामिल होने वाले कन्याओं की सूची भी स्वेच्छा से कमिटी के पास जमा करने का अपील किया गया। ताकि कलश यात्रा में शामिल होने वाले कन्याओं की संख्या का अनुमान पूर्व से ही ज्ञात हो सके।बैठक में मुख्य रूप से श्री श्री जगन्नाथ महाप्रभु मंदिर निर्माण कमिटी अध्यक्ष गिरजा प्रसाद मिश्रा, पार्षद खगेन चंद्र महतो, मृत्युंजय महतो, संदीप मिश्रा, श्रीमंत मिश्रा, मिथिलेश तिवारी, ईशान चंद्र गोप, शिशु पाल सिंह, प्रेम चांद महतो, दुलाल मिश्रा, पंचानन मिश्रा, जवाहर लाल मिश्रा, वासुदेव मिश्रा सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

फायरिंग के मुख्य आरोपी ने अदालत में किया आत्मसमर्पण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : गोलमुरी थाना क्षेत्र के गाढ़ाबासा में हुई फायरिंग की घटना का मुख्य आरोपित और कुख्यात अपराधी रवींद्र सिंह उर्फ रवि खेड़ा ने पुलिस के बढ़ते दबाव के बीच मंगलवार को जमशेदपुर न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। अदालत में सरेंडर करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार, रवि खेड़ा ने सिविल जज विश्वनाथ उरांव की अदालत में आत्मसमर्पण किया। न्यायालय में आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद कोर्ट के आदेश पर उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश में जुटी थी और गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी। उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों पूर्व गोलमुरी थाना क्षेत्र में लोचन नामक युवक पर जानलेवा फायरिंग की घटना हुई थी। जांच के दौरान इस मामले में रवि खेड़ा का नाम मुख्य आरोपित के रूप में सामने आया था। घटना के बाद से वह फरार चल रहा था।

कर्मचारियों की समस्या का समाधान संवाद व वार्ता से, धमकी से नहीं : संघ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : झारखण्ड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ, जिला इकाई के प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त-सह-जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं उप विकास आयुक्त से मंगलवार को मुलाकात कर आंदोलनरत मनरेगाकर्मियों की समस्याओं से अवगत कराया। संघ ने उपायुक्त से दंडात्मक कार्रवाई के बजाय संवाद और सम्मानजनक समाधान का रास्ता अपनाने का आग्रह किया।

प्रतिनिधिमंडल ने जिला प्रशासन को बताया कि मनरेगाकर्मी विगत 83 दिनों से ग्रेड पे आधारित मानदेय, स्थायी समायोजन और मृत मनरेगा कर्मियों के आश्रितों को समुचित मुआवजा एवं अनुकम्पा के आधार पर रोजगार देने की मांग को लेकर राज्यव्यापी हड़ताल पर हैं।

यह आंदोलन किसी व्यक्ति या पदाधिकारी के विरुद्ध नहीं, बल्कि अपने अधिकार, सम्मान और भविष्य की सुरक्षा के लिए संचालित किया जा रहा है। संघ ने उपायुक्त और उप विकास आयुक्त को अवगत कराया कि सरकार एवं विभाग की ओर से लगातार चेतावनी, दमनात्मक आदेश एवं कार्रवाई की बात कही जा रही है, जबकि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान संवाद और वार्ता के माध्यम से किया जाना चाहिए। मनरेगा कर्मी भी समाधान चाहते हैं, टकराव नहीं। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी स्वीकार किया कि मनरेगाकर्मियों के हड़ताल पर रहने से जिले में मनरेगा योजनाओं का संचालन प्रभावित हुआ है। योजनाओं के क्रियान्वयन की गति धीमी हुई है।

मानव दिवस सृजन में गिरावट आई है। संघ का स्पष्ट मत है कि मनरेगाकर्मियों की भूमिका योजना के प्रभावी संचालन में महत्वपूर्ण है और यही कारण है कि राज्य सरकार को कर्मियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र समाधान निकालना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरा होने पर भाजपा की कार्यशाला

खूंटी : भाजपा के जिला कार्यालय में मंगलवार को जिला अध्यक्ष आनंद कुमार की अध्यक्षता में मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सभी मंडल के कार्यक्रम संयोजक और सह संयोजक उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री निखिल कंडुलना ने किया। कार्यक्रम में आगामी पांच जून को पौधारोपण एक पेड़ मां के नाम आयोजित करने का निर्णय लिया गया और 21 जून को सभी मंडलों में योग दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। साथ ही 18 जून को जिला में प्रबुद्धजनों का जिला सम्मेलन करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर जिला मंत्री कंचन सिंह, निखिल मिश्रा , अश्विनी शर्मा, अनिल महतो रामप्रसाद सिन्हा, जगदीश महतो, वीरेन्द्र राम, जितेन्द्र मांझी, प्रसून कुमार मांझी, सी कृष्णचंद्र सिंह, डोमन सिंह, अलका कुमारी, सुखराम राय सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

मुखिया ने कराई 63 खराब चापानलों की मरम्मत

खूंटी : कर्रा प्रखंड अंतर्गत सुनगी पंचायत में भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। पंचायत के मुखिया बिनोद भेंगरा की पहल पर पंचायत के नौ राजस्व गांवों में वर्षों से खराब पड़े 63 चापानलों की मरम्मत 15वें वित्त आयोग की राशि से कराई गई। चापानलों के चालू होने से ग्रामीणों को अब स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने लगा है, जिससे लोगों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने मंगलवार को बताया कि चापानल खराब होने के कारण उन्हें दूर-दराज के खेतों, कुओं और चुआं से पानी लाना पड़ता था। कई बार लोग दूषित पानी को कपड़े से छानकर पीने को मजबूर थे। गर्मी के मौसम में पानी की व्यवस्था करना ग्रामीणों के लिए बड़ी चुनौती बन गई थी। मुखिया बिनोद भेंगरा ने कहा कि पंचायत भ्रमण के दौरान उन्होंने महिलाओं और ग्रामीणों को तेज धूप में बाल्टी, डिब्बा और अन्य बर्तनों के साथ दूर से पानी लाते देखा। इसके बाद उन्होंने पंचायत के सभी खराब चापानलों की मरम्मत कराने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि पंचायत में जहां भी चापानल खराब हैं, उनकी भी जल्द मरम्मत कराई जाएगी ताकि किसी भी ग्रामीण को पेयजल के लिए परेशानी न हो।

प्रशिक्षण वर्ग के लिए बजरंग दल के कार्यकर्ता धनबाद रवाना

खूंटी : बजरंग दल के कार्यकर्ता वर्ग प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए मंगलवार को धनबाद के लिए रवाना हुआ। जिला सह संयोजक कर्मवीर महतो के नेतृत्व में कार्यकताओं का दल उत्साह और जोश के साथ प्रशिक्षण वर्ग के लिए प्रस्थान किया। बताया गया कि वर्ग प्रशिक्षण कार्यकताओं के वैचारिक, संगठनात्मक और नेतृत्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है। प्रशिक्षण के दौरान संगठन की कार्यपद्धति, राष्ट्र सेवा, सामाजिक समरसता और व्यक्तित्व विकास जैसे विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। रवाना होने से पूर्व आयोजित कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष विनोद जायसवाल ने सभी कार्यकताओं को बधाई दी और प्रशिक्षण वर्ग के सफल संचालन की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण वर्ग कार्यकताओं के ज्ञान, कौशल और संगठनात्मक क्षमता को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धनबाद के लिए रवाना होने वाले कार्यकताओं में कर्मवीर महतो, सूर्यांशु राज गुप्ता, श्रीकांत कश्यप, प्रभु साहू, अविनाश मांझी, सत्यम राजपूत, आयुष कुमार, आर्यन शनि, रवि साहू, अमन कुमार, आदित्य साहू, रौनक साहू और अनुराग कुमार शामिल हैं। बजरंग दल के कार्यकताओं ने विश्वास जताया कि प्रशिक्षण वर्ग से प्राप्त अनुभव और मार्गदर्शन संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के साथ-साथ समाज सेवा के कार्यों को नई गति देगा।

डिलशन बिरुआ बने नए नीमडीह थाना प्रभारी वहीं संतन तिवारी ने संभाली चांडिल थाना की कमान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत चांडिल एवं नीमडीह थाना में मंगलवार को नए थाना प्रभारियों ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। हाल ही में पुलिस विभाग द्वारा जारी तबादला आदेश के तहत नीमडीह थाना प्रभारी संतन तिवारी को चांडिल थाना का नया प्रभारी बनाया गया है जबकि चांडिल थाना प्रभारी डिलशन बिरुआ को नीमडीह थाना की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंगलवार को दोनों अधिकारियों ने अपने-अपने नए पदस्थापन स्थल पर पहुंचकर प्रभार का आदान-प्रदान किया। इस दौरान थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों अधिकारियों ने अपने नए दायित्वों का निर्वहन शुरू कर दिया। नवनियुक्त नीमडीह थाना प्रभारी डिलशन बिरुआ ने कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर अपराध नियंत्रण, शांति व्यवस्था तथा जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में कार्य किया जाएगा। आम लोगों का विश्वास जीतना और उन्हें बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने लोगों से पुलिस का सहयोग करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल थाना को देने की अपील की। वहीं स्थानीय लोगों ने नए थाना प्रभारियों का स्वागत करते हुए क्षेत्र में प्रभावी पुलिसिंग और जनहित से जुड़े मामलों के निष्पादन की उम्मीद जताई है। पुलिस महकमे में इस प्रशासनिक फेरबदल को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गौरव कुमार ने संभाली चौका थाना की कमान

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिले के चौका थाना में नए थाना प्रभारी के रूप में गौरव कुमार ने विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया है। मंगलवार को आयोजित औपचारिक प्रक्रिया के तहत निवर्तमान थाना प्रभारी सोनू कुमार ने उन्हें थाना का प्रभार सौंपा। गौरतलब है कि हाल ही में हुए पुलिस विभाग के तबादला आदेश के तहत गौरव कुमार का स्थानांतरण खरसावां थाना से चौका थाना किया गया है जबकि सोनू कुमार को गम्हरिया थाना में एसआई के रूप में नई जिम्मेदारी दी गई है। पदभार ग्रहण करने के बाद थाना प्रभारी गौरव कुमार ने कहा कि चौका थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना, अपराध नियंत्रण और आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा का माहौल मजबूत किया जाएगा। गौरव कुमार ने लोगों से पुलिस का सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें ताकि समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि चौका थाना को जनहितैषी और संवेदनशील पुलिसिंग का मॉडल बनाने का प्रयास किया जाएगा।

राँची समाहरणालय, राँची
(जिला भू-अर्जन शाखा)
dlaoranchi@gmail.com

"कुल्ही मोड़ (करमटोली-ओरमांझी पथ एम०डी०आर० 016 पर) चापावार औद्योगिक क्षेत्र तक पथ (कुल लम्बाई-0.850 कि०मी०) के पुर्ननिर्माण कार्य परियोजना"

सूचना

मुआवजा राशि का प्रकारः-जमीन/मकान/संरचना का मुआवजा।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भूमि अर्जन वाद में आपको हितबद्ध व्यक्ति समझा गया है। परन्तु आपके द्वारा आजतक अधिग्रहित भूमि से संबंधित दस्तावेज एवं वैद्य रैयती प्रमाण पत्र यथा (बंध पत्र, शपथ पत्र, निबंधित केवाला, अद्यतन लगान रसीद, बैंक पासबुक, आधार कार्ड, बंटवारा/आपसी सहमति, पासपोर्ट आकार का दो फोटोग्राफ, भू-धारण प्रमाण पत्र एवं वंशावली अंचल द्वारा निर्गत) दस्तावेज के साथ दावा पत्र जिला भू-अर्जन कार्यालय, राँची को उपलब्ध नहीं कराया गया है।

अतः आपको अंतिम रूप से स्मारित किया जा रहा है कि आप अपना मुआवजा भुगतान लेने हेतु अधिग्रहित भूमि से संबंधित उपरोक्त वैद्य दस्तावेज के साथ दावा पत्र जिला भू-अर्जन कार्यालय, राँची में 15 दिनों के अन्दर जमा करें। मुआवजा भुगतान हेतु दावा पत्र निर्धारित तिथि तक प्रस्तुत नहीं किये जाने पर यह समझा जाएगा की आपको मुआवजा प्राप्त करने में कोई अभिरूचि नहीं है। अन्यथा मुआवजा की राशि L.A. कोर्ट में संदर्भित कर दी जाएगी।

अधिग्रहीत भूमि का विवरण।

मौजा-कुल्ही

अंचल का नाम	भू-अर्जन वाद सं0	ग्राम का नाम	एवार्ड सं0	खाता सं0	प्लॉट सं0	रकबा	रैयत/एवार्डी एवं पिता/पति का नाम	कुल राशि	अभ्युक्ति
ओरमांझी	58/2020-21	कुल्ही	1	97	964	0.06	लुला कुरमी वल्द टुनु कुरमी वो अहलाद कुरमी, पिता-लुन्हा कुरमी वो नागेश्वर महतो, पिता-कैलास महतो	1,92,618.00	आवेदन अप्राप्त
मौजा-बरवे									
ओरमांझी	60/2020-21	बरवे	1	111	7	0.01	मंगरा उरांव वो जगना उरांव, पेशरान बुधुवा उरांवव सुकरमणि देवी, पति-स्व0 विदेशिया टोप्पो	27,946.00	आवेदन अप्राप्त
			2	54	8	0.01	झुबला मुण्डा वो रोधना मुण्डा पेशरान बुदा मुण्डा	27,946.00	आवेदन अप्राप्त
			3	54	9	0.03	झुबला मुण्डा वो रोधना मुण्डा पेशरान बुदा मुण्डा	83,838.00	आवेदन अप्राप्त
			5	59	14	0.035	दुखना महतो वल्द पुजन महतो, कईला कुरमी, पिता-ढिड़हु महतो	97,811.00	आवेदन अप्राप्त
			6	3	19	0.01	शेख रजली वल्द शेख दलु	27,946.00	आवेदन अप्राप्त
			7	162	26	0.02	शेख रजली वल्द शेख दलु वो शेख रूली वल्द शेख वील्द	55,892.00	आवेदन अप्राप्त
			8	54	28	0.02	झुबला मुण्डा वो रोधना मुण्डा, पे0 बुदा मुण्डा	55,892.00	आवेदन अप्राप्त
मौजा-चापावार									
ओरमांझी	59/2020-21	चापावार	1	56	808	0.14	ललका कुरमी वल्द कदुआ कुरमी वल्द चैतन कुरमी वगैरह, लंगड़ा कुरमी वगैरह वल्द कन्दू कुरमी	3,91,243.00	आवेदन अप्राप्त
			2	56	809	0.02	ललका कुरमी वल्द कदुआ कुरमी वल्द चैतन कुरमी वगैरह, लंगड़ा कुरमी वगैरह वल्द कन्दू कुरमी	55,892.00	आवेदन अप्राप्त
			3	56	810	0.02	ललका कुरमी वल्द कदुआ कुरमी वल्द चैतन कुरमी वगैरह, लंगड़ा कुरमी वगैरह वल्द कन्दू कुरमी	55,892.00	आवेदन अप्राप्त
			4	64	811	0.03	वाजीशाह वल्द सैयद शमद शाह वगैरह वो रामवृत महतो वगैरह, पिता-झिरगा महतो	83,838.00	आवेदन अप्राप्त
			5	31	943	0.015	डोमन मुण्डा वल्द अहमद मुण्डा शहीनव जोसन मुण्डा वल्द कोएमा मुण्डा वगैरह वो खुडु मुण्डा वगैरह, पिता-बुधु मुण्डा	41,919.00	आवेदन अप्राप्त

जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, राँची

PR 381292 Land Reforms(26-27).D

युवा व उभरते खिलाड़ियों को आईपीएल दे रहा बड़े अवसर

क्रिकेट के आईपीएल टी-20 का तूफान अगले सत्र तक के लिए शांत हो चुका है लेकिन 2026 आईपीएल की गहन समीक्षा जारी है। रजत पाटीदार के नेतृत्व वाली रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरू ने अपने गेंदबाजों और बल्लेबाजों के करिश्माई प्रदर्शन के चलते खिताब बचाने में सफलता प्राप्त की और लगातार दूसरी बार आईपीएल ट्रॉफी उठाई। एक बार फिर विराट कोहली जीत के नायक बने। आईपीएल-2026 में विराट ने अपने प्रदर्शन से उन आलोचकों को करारा उत्तर दिया जिन्होंने विराट को कई फॉर्मेट से संन्यास लेने के लिए मजबूर किया। विराट ने खेल के मैदान में एक बार फिर जता दिया कि लक्ष्य का पीछा करने में अभी भी उनका कोई सानी नहीं है और आज भी खेल की ऐसी स्थितियों के सबसे बड़े महारथी हैं। आईपीएल के फाइनल में विराट एक छोर पर डटे रहे और 42 गेंदों में 75 रन बनाकर अपनी टीम को जिताने में सफल रहे। शुभमन गिल के नेतृत्व वाली गुजरात टाइटंस को अपने ही मैदान में निराश होना पड़ा। आईपीएल-2026 कई कीर्तिमानों व रोचक पलों के लिए याद किया जाएगा। आईपीएल- 2026 में कुछ नए सितारों का उदय हुआ, कुछ पुराने खिलाड़ियों ने अपनी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करके लोगों का ध्यान आकर्षित किया। वैभव रघुवंशीः बल्लेबाजी में राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय वैभव रघुवंशी ने अपने पहले ही पूरे सत्र में बेहद आक्रामक व तूफानी बल्लेबाजी से सभी को सम्मोहित करने मे सफलता प्राप्त की। सत्र की समाप्ति तक वैभव भारत के दुलारे बन गए। वैभव दो बार शतक के बेहद करीब आकर भी शतक बनाने से चूक गए नहीं तो एक यह रिकार्ड भी उनके नाम हो जाता। वैभव अपने पहले ही सत्र में ऑरेंज कैप अवार्ड जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। वैभव ने आईपीएल- 2026 में सबसे अधिक 776 रन बनाए और छक्कों के मामलों में वेस्टइंडीज के तूफानी क्रिस गेल का 14 साल पुराना 59 छक्कों का रिकार्ड ध्वस्त कर दिया। वैभव ने पूरे टूनार्मेंट के दौरान चौकों-छक्कों की बारिश करते हुए कुल 63 चौके और 72 छक्के लगाए। वैभव ने 16 मैचों की 16 पारियों में 48.50 के औसत और 237.30 स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए। इनमें एक शतक तथा 5 अर्धशतक शामिल हैं। दूसरे स्थान पर गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज कप्तान शुभमन गिल रहे जिन्होंने 732 रन बनाए और तीसरे नंबर पर गुजरात टाइटंस के ही बल्लेबाज साई सुदर्शन रहे जिन्होंने 722 रन बनाए और आईपीएल - 2026 में चमकदार बल्लेबाज बनकर उभरे। साई सुदर्शन भी क्रिकेट प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रहे। क्रिकेट कमेंटर्स, समीक्षक तथा विश्लेषकों ने साईं के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि वह आने वाले समय में भारत की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का अहम हिस्सा हो सकते हैं। आईपीएल से उभरे नए खिलाड़ियों में वैभव के लिए भारत की राष्ट्रीय टीम में शामिल होने का द्वार खुल गया है। वैभव को भारत-ए की टीम मे शामिल कर लिया गया है और उनका पहला विदेशी दौरा श्रीलंका की धरती से शुरू होगा जहां त्रिकोणीय श्रृंखला खेली जानी है। वैभव का नाम सितंबर-अक्टूबर में जापान मे आयोजित होने जा रहे एशियाई खेलों की क्रिकेट टीम में भी शामिल किया गया है। वैभव की अग्निपरीक्षा ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व दक्षिण अफ्रीका के मैदानों पर होगी क्योंकि इन देशों की पिचें काफी तेज मानी जाती हैं। वैभव, शुभमन और साईं के अलावा यशस्वी जायसवाल, राजस्थान के रियान पराग आदि ने भी अच्छा प्रदर्शन कर लोगों को आकर्षित किया। गेंदबाजीः भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे बंगलुरू के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार सर्वाधिक 28 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे और अपनी फिटनेस को साबित किया दूसरे नंबर पर ज्योफ्रा आर्चर रहे जिन्होंने अपनी टीम के लिए 25 विकेट लिए। इस लिहाज से देखें तो आईपीएल-2026 नए गेंदबाजों को तलाशने में नाकाम रहा। इस बार बल्लेबाज ही पूरे सत्र में छाए रहे। हार्दिक पांड्या जैसे गेंदबाजों के लिए यह सीजन बुरे सपने जैसा रहा।

सूडोकु नवताल- 7814

✶✩✩✩✩ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7813 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

स्वस्थ जीवन एवं स्वस्थ पर्यावरण का आधार है साइकिल

ललित गर्ग

हर वर्ष 3 जून को मनाया जाने वाला विश्व साइकिल दिवस केवल एक साधारण वाहन के सम्मान का अवसर नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समानता और सतत विकास के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, बढ़ती बीमारियों और यातायात संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब साइकिल एक ऐसे सरल समाधान के रूप में उभरती है जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र- तीनों के लिए समान रूप से लाभकारी है। विश्व साइकिल दिवस 2026 की थीम 'हरियाली भरे भविष्य के लिए साइकिल चलाना' अत्यंत सार्थक और समयानुकूल है। यह थीम हमें याद दिलाती है कि यदि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित पृथ्वी छोड़नी है, तो हमें अपने परिवहन के तौर-तरीकों में बदलाव लाना होगा और साइकिल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा।

साइकिल मानव सभ्यता के उन आविष्कारों में से एक है जिसने दो शताब्दियों से अधिक समय तक अपनी उपयोगिता बनाए रखी है। तकनीकी क्रांति के इस युग में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है, बल्कि नई चुनौतियों के बीच इसका महत्व और बढ़ गया है। यह एक ऐसा वाहन है जो बिना पेट्रोल, डीजल या बिजली के चलता है, न कोई धुआँ छोड़ता है और न ही पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने 2018 में इसे वैश्विक स्तर पर मान्यता देते हुए विश्व साइकिल दिवस घोषित किया। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएँ तो बहुत दी हैं, लेकिन इसके साथ अनेक स्वास्थ्य समस्याएँ भी पैदा कर दी हैं। घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, शारीरिक श्रम का अभाव, वाहन-निर्भरता और तनावपूर्ण जीवन ने मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग तथा मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं को बढ़ा दिया है। ऐसे समय में साइकिल केवल एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि एक प्रभावी स्वास्थ्य-सहचर बनकर सामने आती है।

चिकित्सकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार नियमित साइकिल चलाना एक उत्कृष्ट कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम है। इससे हृदय मजबूत होता है, रक्त संचार बेहतर होता है, फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और शरीर की अतिरिक्त कैलोरी खर्च होती है। साइकिल चलाने से मांसपेशियाँ सुदृढ़ होती हैं तथा जोड़ों पर अत्यधिक दबाव भी नहीं पड़ता, इसलिए यह सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयुक्त व्यायाम माना जाता है। विशेष रूप से मधुमेह, मोटापा और हृदय रोगों से बचाव में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी साइकिल अत्यंत लाभकारी है। आज तनाव, चिंता और अवसाद वैश्विक समस्याएँ बन चुके हैं। खुली हवा में साइकिल चलाने से मन प्रसन्न होता है, तनाव हार्मोन कम होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह व्यक्ति को प्रकृति के निकट लाती है तथा जीवन में संतुलन और आनंद की अनुभूति कराती है। वास्तव में साइकिल चलाना शरीर और मन दोनों का एक साथ व्यायाम है।

पर्यावरणीय दृष्टि से साइकिल का महत्व और भी अधिक है। विश्व के बड़े शहर बढ़ते प्रदूषण और ट्रैफिक जाम से त्रस्त हैं। मोटर वाहनों से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण है, जो न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। साइकिल शून्य-उत्सर्जन वाला वाहन है। यदि छोटी दूरी की यात्राओं के लिए लोग मोटरसाइकिल और कार के स्थान पर साइकिल का उपयोग करें, तो कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। यह जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध व्यक्तिगत स्तर पर किया जाने वाला सबसे सरल और प्रभावी प्रयास है। सामाजिक दृष्टि से भी साइकिल समानता और समावेशिता का प्रतीक है। यह अमीर और गरीब, दोनों के लिए समान रूप से उपयोगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लाखों लोग शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने के लिए साइकिल पर निर्भर हैं। कम आय वाले परिवारों के लिए यह सबसे सुलभ और किफायती परिवहन साधन है। साइकिल सामाजिक गतिशीलता को बढ़ाती है और अवसरों तक पहुँच आसान बनाती है।

भारत जैसे विकासशील देश के लिए साइकिल का महत्व विशेष रूप से अधिक है। एक ओर देश ऊर्जा आयात पर भारी खर्च करता है, दूसरी ओर महानगरों में यातायात और प्रदूषण गंभीर समस्या बन चुके हैं। यदि साइकिल संस्कृति को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाए तो ईंधन की बचत होगी, विदेशी मुद्रा का संरक्षण होगा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च भी कम होगा। स्वस्थ नागरिक किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं। विडंबना यह है कि भारत में कभी साइकिल आम जनजीवन का अभिन्न हिस्सा थी, लेकिन उपभोक्तावादी संस्कृति और मोटर वाहनों की बढ़ती प्रतिष्ठा ने इसे पीछे धकेल दिया। आज अनेक लोग साइकिल को केवल गरीबों का वाहन मानते हैं, जबकि विकसित देशों में साइकिल प्रतिष्ठा, स्वास्थ्य चेतना और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रतीक बन चुकी है। नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी जैसे देशों ने साइकिल को शहरी जीवन का केंद्र बनाया है। वहाँ अलग साइकिल लेन, सुरक्षित मार्ग और अनुकूल नीतियाँ उपलब्ध हैं। भारत को भी इस दिशा में गंभीर पहल करनी होगी।

समय की माँग है कि साइकिल को केवल खेल या मनोरंजन का साधन न मानकर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग बनाया जाए। शहरों में सुरक्षित साइकिल ट्रैक, सार्वजनिक साइकिल शेयरिंग सिस्टम, कार्यालयों और शिक्षण संस्थानों में साइकिल उपयोग को प्रोत्साहन तथा सरकारी स्तर पर प्रोत्साहन योजनाएँ विकसित की जानी चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में साइकिल चलाने की संस्कृति को बढ़ावा दिया जाए तथा लोगों को इसके स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय लाभों के प्रति जागरूक किया जाए। विश्व साइकिल दिवस मनाने का उद्देश्य भी यही है कि समाज साइकिल के बहुआयामी महत्व को समझे और इसे दैनिक जीवन में अपनाए। यह दिवस हमें बताता है कि बड़े परिवर्तन हमेशा जटिल तकनीकों से नहीं आतेय कभी-कभी एक साधारण दो पहियों वाला वाहन भी मानवता को बेहतर भविष्य की दिशा दिखा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम साइकिल को अतीत की वस्तु नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता के रूप में देखें। जब दुनिया सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रयासरत है, तब साइकिल एक ऐसा माध्यम है जो स्वास्थ्य, पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय-सभी क्षेत्रों में सकारात्मक योगदान दे सकती है। विश्व साइकिल दिवस हमें यह संदेश देता है कि यदि हम स्वस्थ शरीर, स्वच्छ वातावरण और संतुलित जीवन चाहते हैं, तो साइकिल को पुनः अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। यह केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि एक जीवन-दर्शन है-सादगी, संतुलन, स्वास्थ्य और प्रकृति के साथ सामंजस्य का जीवन-दर्शन। आने वाला भारत तभी अधिक स्वस्थ, हरित और प्रगतिशील बन सकेगा जब साइकिल फिर से उसकी सड़कों, गलियों और जनजीवन की धड़कन बनेगी। यही विश्व साइकिल दिवस की सार्थकता है और यही हरियाली भरे भविष्य की दिशा में हमारा सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

असद के साथ पूरा विपक्ष, सूर्या अकेला क्यों!

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश के जिला गाजियाबाद के खोड़ा इलाके में बकरीद के समय युवा सूर्या चौहान की हत्या ने कई सवाल खड़े कर दिये हैं। कोई इसे हिन्दू-मुस्लिम के एंगल से देख रहा है तो किसी को इसके पीछे मजहबी कट्टरता नजर आ रही है। सूर्या को एक मजहब के कुछ लड़कों ने जिस तरह से पाँच लड़कों के समूह ने पेट में चाकू भोंक कर मौत की नींद सुलाया, वह दिल दहला देने वाला था। यूपी पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जबकि मुख्य आरोपी असद पुलिस से मुठभेड़ में मारा गया। बस इसी के बाद प्रदेश में राजनीति शुरू हो गई। सूर्या की हत्या पर जो मौन थे, वह असद के एनकाउंटर पर विलाप करने लगे। असद के एनकाउंटर के खिलाफ एक मजहब के लोग और विपक्ष की एकजुटता देखने लायक है। पुलिस व योगी सरकार के रवैये पर सवाल खड़े किये जा रहे हैं, इसके साथ-साथ निर्दोष युवा सूर्या चौहान के परिवार वालों को तसल्ली देने वाले लोग मुट्ठी भर हैं। सूर्या चौहान की हत्या और उसके बाद असद के एनकाउंटर ने शहर को दो हिस्सों में बाँट दिया है। एक तरफ वह लोग हैं जो योगी सरकार की कार्रवाई की मुक्त कंठ से प्रशंसा कर रहे हैं, यह कहते हुए कि कानून का पोषक अपराधियों के खिलाफ कठोर होना चाहिए। दूसरी तरफ विपक्ष और एक खास मजहब के लोग एक साथ असद के पक्ष खड़े होते हैं, पुलिस की तेजतर्रार कार्रवाई के तरीकों पर सवाल उठाते हैं और शेखी से ज्यादा पारदर्शिता की मांग करते हैं। इस घड़ी में वही पुरानी परतें फिर उभर कर आती दिखती हैं, जातिगत भावनाएँ, राजनीतिक फायदा और फास्ट-फॉरवर्ड जस्टिस की लालसा।

पूरे घटनाक्रम में सबसे अधिक सूर्या की हत्या और इस परिवार का प्रलाप दिखाई देता है तो कुछ स्थानीय लोग अपराध की कुछ पुरानी घटनाओं को उजागर करते हुए सूर्या की हत्या को नई "शक्ल" देने में लगे हैं। यहाँ एक विशेष मजहब से ताल्लुक रखने वाले लोग पूरे घटनाक्रम से जानबूझकर दूरी बनाए हुए हैं। वे कहते हैं कि उन्हें किसी सूर्या की हत्या के बारे में नहीं पता है, पर जब असद के एनकाउंटर की बात आती है तो उनकी संवेदना अचानक जाग जाती है। विशेषकर जब उनके समुदाय का कोई सदस्य किसी विशिष्ट नैरेटिव में फिट नहीं बैठता। राजनीति तुरंत सक्रिय हो जाती है। विपक्षी नेताओं के भाषण में नेमबद्ध आरोप नजर आते हैं। आरोप लगाया जाता है कि पुलिसिया एनकाउंटर कई बार खतरनाक तरीके से इसलिए किए जाते हैं ताकि असुविधाजनक सवालों और गवाहों को समाप्त किया जा सके। वे पुराने मामलों की सूची गिनाते हैं जहाँ प्रत्यक्षदर्शियों, आरोपियों या पीड़ितों के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में निपटा गया। जनता की स्मृति में 2010 का वह मामला आता है, जब एक युवक की संदिग्ध हालातों में मौत हुई और पुलिस ने उसे आत्मरक्षा का ठहराया। फिर 2014 और 2018 की घटनाएं भी दिमाग में घूमती हैं। हर बार एक ही पैटर्न तेज-तर्रार कार्रवाई, संदेह के बादल, और समय के साथ फीकी पड़ती जाँचें। विपक्ष इन पुराने मामलों का हवाला देता है ताकि सामूहिक गुस्से को विधि और प्रक्रिया के साथ जोड़ कर दशार्या जा सके कि यह सिर्फ व्यक्तिगत घटना नहीं, बल्कि प्रणालीगत समस्या है।

वहीं असद के एनकाउंटर को सही ठहराने वाले कहते हैं कि कानून का हाथ जब तेजी से चलता है तो अपराधी डरते हैं और अपराध घटते हैं। उनके लिए एनकाउंटर तुरंत सजा देने जैसा लगता है। नतीजा साफ और त्वरित होता है। वे पुलिस की नीतियों में कठोरता की वकालत करते हैं और सिस्टम पर भरोसा जताते हैं। इस विश्वास की जड़ें कई वर्षों के अनुभवों से जुड़ी हैं, जब सिस्टम धीमा और गैर-लाभकारी लगता है, तब लोक-मन चाहने लगता है कि निर्णायक कार्रवाई हो। यही भावना अक्सर भीड़ की मांग बनकर सामाजिक दबाव उत्पन्न करती है। असल में समस्या केवल न्यायिक या पुलिसिया प्रक्रिया पर नहीं टिकती; यह पहचान, समुदाय और राजनीतिक असंतुलन का भी मामला है। सूर्या के मरने के बाद जिन कुछ लोगों की तस्वीरें और वीडियो सामने आते हैं, वे मुट्ठी भर हैं। वे स्थानीय लोग, कुछ रिश्तेदार और कुछ परिचित हैं, पर आंकड़े बताते हैं कि इलाके में रहने वाले विशेष मजहब के कई लोग अब भी इस पूरे घटनाक्रम से विमुख हैं। उनके बीच भय की एक परत घूम रही है। ये लोग खुलकर बोलने से सामाजिक बहिष्कार, बदनामी या राजनीतिक निशाना बनते हैं। इसलिए वे बाहर से दुख जाहिर करते हैं, पर अंदर से दूरी बनाए रखते हैं। इस दूरी में राजनीति फल-फूल रही है; नेता अपनी आवाजों का इस्तेमाल कर रहे हैं, और स्थानीय लोगों की अनिच्छा कार्यवाही के नैरेटिव को बदल देती है। समाचार माध्यम और सोशल मीडिया इस स्थिति में ईंधन का काम करते हैं। मीडिया के कुछ हिस्से घटनाओं को तेजी से पॉलिटिकल फ्रेम में आकार देते हैं, कुछ हिस्से भावनाओं को हवा देते हैं। सोशल मीडिया पर क्लिक्स के लिए कटिंग क्लिप, भावनात्मक पोस्ट और कुछ केस-हिस्ट्रीज चलते हैं। कभी-कभी सटीक तथ्य की जगह अफवाहें तेजी से फैलती हैं। परिवार के सदस्यों के कथित बयान, वीडियो के अनचेक्ड क्लिप, और पुराने विवादों की रील-रीप्ले। इस माहौल में निष्पक्ष जांच और ठोस सबूत माँगना कठिन हो जाता है, क्योंकि सार्वजनिक धारणा पहले ही धक्का खा चुकी होती है। विरोध और समर्थन दोनों तरफ के बयानों में एक सामान्य रिसाव दिखता है। इंसानियत के सवाल पीछे छूट जाते हैं। सूर्या का परिवार दुखी है, वे न्याय की मांग करते हैं; परिवार की आवाजें अक्सर राजनीतिक रैलियों और चैनलों की पृष्ठभूमि बन जाती हैं। उनसे जुड़ी वास्तविक जरूरतें, मुकम्मल और निष्पक्ष जाँच, संरक्षण, मुआवजा और समुदाय में शांति कम चर्चा में रह जाती हैं। इसके बजाय बहस ध्रुवीकरण पर केन्द्रित होती है, न्याय बनाम सजा, प्रक्रिया बनाम परिणाम, समुदाय बनाम सरकार। लब्बोलुआब यह है कि खोड़ा का केस केवल एक घटना नहीं रह जाता; यह एक आईना बनकर सामने आता है जो बताता है कि कानून और सामाजिक जवाबदेही के बीच कितना फासला है। इतिहास के उन उदाहरणों को याद करते हुए जहाँ सत्ता, जाति और धर्म ने न्याय की गति बदल दी, वर्तमान में उठी इस आवाज को सुनकर आवश्यक है कि हम शीघ्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करें। तभी समाज भरोसा फिर से जीत पाएगा और सूर्या जैसे युवा के नाम पर न्याय की भावना जीवित रहेगी।

राजघाट से शांतिवनः कौन शामिल होते हैं सर्वधर्म प्रार्थना सभा में

विवेक शुक्ला

भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर 27 मई को सुबह उनकी समाधि शांतिवन में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इससे पहले ही वहां विभिन्न धर्मों के धर्मगुरु, विद्वान और श्रद्धालु वहां पहुंचने लगे थे। इनमें अधिकांश वे चेहरे थे जो गांधी समाधि राजघाट पर 2 अक्टूबर और 30 जनवरी को भी नियमित रूप से दिखाई देते हैं। ये सभी अपने-अपने धर्मो की पवित्र पुस्तकों से प्रार्थना के दौरान पाठ करते हैं।

गत दो-ढाई दशकों से शांतिवन और राजघाट पर बाइबिल का पाठ करने वाले जॉर्ज सोलोमन तुर्कमान गेट स्थित ट्रिनिटी चर्च में पादरी हैं। वे दिल्ली और हरियाणा के सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैंब्रिज स्कूल की प्रबंधन समिति से भी जुड़े हैं। वे कहते हैं, भारत में सरकारी स्तर पर सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन इस बात का प्रमाण है कि यह देश सबका है। बाइबिल भी प्रेम और भाईचारे का संदेश देती है।

ये चेहरे वास्तव में भारत की आत्मा हैं, जहां विविधता में एकता जीवित है। सर्वधर्म प्रार्थना सभाएं हमें बार-बार याद दिलाती हैं कि गांधीजी का सपनों का भारत सबका है, जिसमें हर धर्म को सम्मान मिलता है।

मकसूद अहमद शांतिवन और राजघाट पर कुरान की आयतें पढ़ते हैं। वे पूर्व राष्ट्रपतियों के.आर. नारायणन, प्रणव मुखर्जी तथा प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के निधन पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं में भी शामिल हो चुके हैं। एंग्लो अरबी स्कूल में जीव विज्ञान के शिक्षक मकसूद अहमद कहते हैं कि कुछ दिमागी रूप से असंतुलित लोग इन सभाओं की भी आलोचना करने लगे हैं।

डॉ. बलदेव आनंद सागर 2 अक्टूबर और 30 जनवरी की विशेष तिथियों पर सर्वधर्म प्रार्थना में गीता पाठ करते हैं। वे बताते हैं कि पहली बार राजघाट पर इस सभा का हिस्सा बनने पर जो अनुपम अनुभूति हुई, वह आज भी उनके मन में ताजा है। राजघाट पर वे गीता के 5-6 श्लोक पढ़ते हैं, जबकि 30 जनवरी मार्ग पर पंचदेव-सूर्य, गणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु-की प्रार्थना का पाठ करते हैं। वे मानते हैं कि सनातन परंपरा में इन सभी देवताओं की पूजा अनिवार्य है।

सर्वधर्म प्रार्थना का सुंदर विचार महात्मा गांधी ने विश्व को दिया था। उनके जीवनकाल में ही इसकी शुरूआत हुई और आज भी यह परंपरा पूरे जीवंत रूप में मौजूद है। इन सभाओं में बहाई, यहूदी, बौद्ध, जैन और सिख धर्मों के पवित्र ग्रंथों का भी पाठ किया जाता है।

सर्वधर्म प्रार्थना का विचार अत्यंत व्यापक और महत्त्वपूर्ण है। यह संदेश देता है कि भारत में अलग-अलग धर्मों को मानने वाले लोग एक साथ बैठकर अपने धर्मग्रंथों के मुख्य संदेशों को साझा कर सकते हैं। इन सभाओं में भाग लेने वालों को 5100 रुपए का मानदेय मिलता है।

जॉर्ज सोलोमन विभिन्न स्थानों पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थनाओं में बाइबिल का पाठ करते हैं। वे कहते हैं कि नरेन्द्र मोदी की सरकार भारत में सबके साथ समान व्यवहार करती है। सरकारी आयोजनों में इन सभाओं का होना भारत सरकार के समान धार्मिक रवैये का प्रमाण है। बाइबिल सहित सभी धर्मग्रंथ प्रेम और भाईचारे का संदेश देते हैं। गांधीजी को दक्षिण अफ्रीका में बाइबिल और ईसाई धर्म को गहराई से समझने का अवसर मिला था।

85 वर्षीय कात्सू सान भारत सरकार द्वारा आयोजित प्रार्थना सभाओं के अलावा 2 अक्टूबर और 30 जनवरी को राजघाट तथा 30 जनवरी मार्ग (बिड़ला हाउस) पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं की स्थायी उपस्थिति हैं। उन्होंने डॉ. शंकर दयाल शर्मा, के.आर. नारायणन, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, प्रणव मुखर्जी, रामनाथ कोविंद जैसे राष्ट्रपतियों तथा इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी के समक्ष बौद्ध धर्मग्रंथों से प्रार्थना पढ़ी है।

संसद के नये भवन के भूमिपूजन के समय भी सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित की गई थी। इन सभाओं में प्रत्येक धर्म के प्रतिनिधि को 5-6 मिनट का समय दिया जाता है।

धर्मनिरपेक्षता का अर्थ यह कदापि नहीं है कि कोई देश अपनी धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक आस्थाओं को त्याग दे। यह असंभव भी है। भारत के संविधान की मूल प्रति में अर्जुन को गीता का उपदेश देते श्रीकृष्ण की तस्वीर है। भगवान बुद्ध शांति का उपदेश देते दिखते हैं। हिंदू धर्म के प्रतीक शतदल कमल, राम, कृष्ण, नटराज के चित्र भी वहाँ मौजूद हैं। यदि आज ये चित्र लगाए जाते तो कुछ तथाकथित बुद्धिजीवी इन्हें सांप्रदायिक बताकर विरोध करते।

संविधान की मूल प्रति पर मुगल बादशाह अकबर, सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह, मैसूर के सुल्तान टीपू सुल्तान और 1857 की वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के चित्र भी हैं। इससे स्पष्ट है कि भारत के लिए धर्मनिरपेक्षता के अर्थ बहुत गहरे हैं। बिना मतलब विवाद खड़े करने वालों को इसे समझना चाहिए। सर्वधर्म प्रार्थना सभाएँ भारत की साझा संस्कृति और समावेशी लोकतंत्र की सुंदर अभिव्यक्ति हैं। ये हमें याद दिलाती रहेंगी कि विविधता हमारी ताकत है और एकता हमारा संकल्प।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार और जाने-माने स्तंभकार हैं।)

दैनिक पंचांग

3 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.06 बजे से
चंद्र	धनु में	कर्क	08.20 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.36 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.48 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.59 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.13 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.29 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.34 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.21 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मीन	00.54 बजे से
		मेष	02.24 बजे से
		वृष	04.04 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 154 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि तृतीया 21.22 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 01.00 बजे रात्र को समाप्त।
योग शुभ 08.12 बजे को समाप्त।
करण वणिज 08.13 बजे तदनन्तर विष्टि 21.22 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 17.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 17'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872729
जूलियन दिन 2461194.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज **तारीख** 17
विशेष गणेश चतुर्थी व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

करंट लगने से जेसीबी चालक मूर्छित, इलाजरत

साहिबगंज : जिले के राधानगर थाना क्षेत्र के पतौड़ा गांव में सड़क निर्माण कार्य करने के दौरान एक जेसीबी चालक 11 हजार हाई टेंशन विद्युत तार की चपेट में आने से मूर्छित हो गया। मिली जानकारी के अनुसार रानी गांव, ग्राम सील निवासी जेसीबी चालक जय लाल राय (33) निमार्णाधीन सड़क निर्माण कार्य में जेसीबी से मिट्टी एवं जंगल हटाने का काम कर रहा था। इसी दौरान वहां से गुजर रहे 11 हजार हाई टेंशन तार में जेसीबी का बोकेट किसी तरह सट गया और जेसीबी में करंट आने से वह मूर्छित हो गया। जिसे आनन-फानन में साथी मजदूरों के मददत से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी में तैनात डॉक्टर कुमार सौरव ने इलाज किया।

भीषण सड़क हादसे में नाबालिग की दर्दनाक मौत

साहिबगंज: जिले के मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत मंडरो-भगैया मुख्य मार्ग पर एक दर्दनाक और भीषण सड़क दुर्घटना होने का मामला सामने आया है। इस हादसे में एक नाबालिग युवक की मौत हो गई है। घटना के बाद से ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है और स्थानीय क्षेत्र में शोक की लहर है। मिली जानकारी के अनुसार, मिजाचौकी से पोकलेन (जेसीबी एक्सकेवेटर) का बोकेट बनवाकर ट्रैक्टर-ट्रॉली में लादकर मंडरो की ओर जा रहे एक स्वराज ट्रैक्टर और विपरीत दिशा (मंडरो की तरफ) से आ रही एक मोटरसाइकिल के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और घटनास्थल पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को प्राथमिक उपचार के लिए तुरंत भगैया की ओर ले जाने का प्रयास किया। लेकिन दुर्भाग्यवश, घाव अधिक गहरे होने और अत्यधिक खून बह जाने के कारण युवक ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इसके बाद ग्रामीण शव को लेकर उसके निवास स्थान पर पहुंचे और तुरंत मिर्जाचौकी थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही मिजाचौकी थाना पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ एक्शन में आई। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया और अंत्यपरीक्षण (पोस्टमार्टम) के लिए सदर अस्पताल, साहिबगंज भेज दिया है।

आईआरएडी/ईडीएआर प्रणाली पर पुलिस अधिकारियों को मिला प्रशिक्षण

साहिबगंज: पुलिस अधीक्षक कार्यालय, साहिबगंज में आईआरएडी/ईडीएआर प्रणाली से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े मामलों में त्वरित, सटीक एवं प्रभावी डाटा प्रबंधन, साथ ही पीड़ितों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को और अधिक सुगम बनाना था।कार्यक्रम के तहत निम्न प्रमुख विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। ईडीएआर पोर्टल के माध्यम से दुर्घटना से प्रभावित व्यक्तियों को शीघ्र मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया, सभी थानों द्वारा आईआरएडी/ईडीएआर पोर्टल पर दुर्घटना डेटा की समय पर एवं सटीक प्रविष्टि सुनिश्चित करना, एल्कोहल ब्रेथ एनालाइजर मशीन के आईआरएडी/ईडीएआर प्रणाली से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजिमाध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों की जांच की मानक प्रक्रिया, हिट एंड रनह्व मामलों के प्रभावी प्रबंधन से संबंधित दिशा-निर्देश, नेक नागरिक से संबंधित प्रावधान एवं उनके संरक्षण के नियमों का प्रशिक्षण मिला।

जमीन विवाद ने लिया हिंसक रूप, 16 घायल पुलिस ने आठ आरोपियों को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहेट थाना क्षेत्र के भोगनाडीह गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुए खूनी संघर्ष में 16 लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बरहेट में उपचार के लिए भर्ती कराया। पुलिस के अनुसार, 1 जून 2026 को दोपहर करीब 2 बजे भोगनाडीह गांव में जमीन को लेकर विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे और अन्य हथियारों से मारपीट शुरू हो गई, जिसमें कुल 16 लोग घायल हो गए।मामले में बरहेट थाना में दो अलग-अलग

प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। बरहेट थाना कांड संख्या 68/26 में आजाद अंसारी समेत 13 नामजद और 10 अज्ञात व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया है, जबकि कांड संख्या 69/26 में इस्माइल अंसारी समेत 34 नामजद अभियुक्तों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। वही त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों कांडों में कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में आजाद अंसारी, करीम अंसारी, शहनवाज अंसारी, कबीर अंसारी, इनामुला अंसारी, मफीजुद्दीन अंसारी, रियाजुद्दीन अंसारी, इस्माइल अंसारी तथा उस्मान अंसारी शामिल हैं।गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए भेजा जा रहा है। इस पूरे मामले में पुलिस निरीक्षक नुनुदेव राय के नेतृत्व में बरहेट थाना प्रभारी चंदन कुमार भैया, असीम कुजूर, प्रमोद कुमार गुप्ता, रामशरण, अरविंद कुमार दास सहित सशस्त्र बल एवं चौकीदारों की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी अभियान चलाकर आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की। इस मामले में पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भी की गई है।

विधायक प्रतिनिधि ने जनता दरबार में सुनीं आमजनों की शिकायतें

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहरवा प्रखंड परिसर स्थित विधायक प्रतिनिधि कक्ष में मंगलवार को नियमित रूप से आयोजित होने वाले जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं आमजन अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे। कार्यक्रम का संचालन विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने किया।वही जनता दरबार में नासतारा खातून, किरण देवी, रसराज रजक, कमला बेवा, अनवारा बीबी, ललिता कुमारी, अजय कुमार राय, कल्पना दास, मेहबूब आलम, मोहम्मद अयूब अली, अनारूल, हाजी निसार मोहम्मद, रीना सोरेन सहित दर्जनों लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं और समाधान की मांग की। इस दौरान लोगों ने जमीन संबंधी विवाद, प्रधानमंत्री आवास योजना की लंबित किस्त, मंईया सम्मान योजना, पेयजल संकट, सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। कई लाभुकों ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की दूसरी किस्त का भुगतान समय पर नहीं होने की शिकायत दर्ज कराई। लाभुकों ने बताया कि किस्त की राशि नहीं मिलने के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है और उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराने का प्रयास किया। प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित लंबित मामलों को लेकर उन्होंने प्रखंड पीएमएवाई-जी आवास समन्वयक लखन मुर्मू को विधायक कक्ष में बुलाया और लाभुकों की समस्याओं से अवगत कराया। इस पर लखन मुर्मू ने बताया कि वर्तमान में योजना के लिए फंड उपलब्ध नहीं होने के कारण भुगतान में विलंब हो रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जैसे ही विभाग द्वारा राशि उपलब्ध कराई जाएगी, सभी लाभुकों की लंबित किस्तों का भुगतान कर दिया जाएगा। जनता दरबार में आए कई अन्य मामलों में विधायक प्रतिनिधि ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से दूरभाष के माध्यम से संपर्क स्थापित कर त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन मामलों का समाधान तत्काल संभव नहीं है, उनकी नियमित निगरानी की जाएगी और संबंधित विभागों के समन्वय से जल्द से जल्द निष्पादन सुनिश्चित कराया जाएगा। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य आम लोगों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक सुलभ मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ें, इसके लिए यह पहल लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान कराना उनकी प्राथमिकता है।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से दो सगे भाई गंभीर रूप से घायल

साहिबगंज: जिले के राजमहल थाना क्षेत्र के काजीगांव में मंगलवार को तेज रफ्तार दो बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गयी। हादसे में दो सगे भाई गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना के बाद दूसरी बाइक पर सवार लोग फरार हो गये। जानकारी के अनुसार मानसिंहा निवासी आशिफ शेख (18) और पिंटू शेख (22) बाइक से पीर साहब को लाने के लिए तीनपहाड़ जा रहे थे। काजीगांव के पास विपरीत दिशा से आ रही बाइक सीधी टक्कर हो गयी। दोनों युवक कई फीट दूर सड़क पर जा गिरे। घटना के बाद लोगों की भीड़ जुट गयी। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल राजमहल अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर सौरभ कुमार ने इलाज किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दूसरी बाइक सवार बिना रुके फरार हो गये। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गयी है, पुलिस छानबीन में जुट गयी है।

घाघरजानी में महिला ने भगवान भोलेनाथ के दर्शन होने का किया दावा, क्षेत्र में चर्चा का विषय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हिरणपुर : पाकुड़ जिले के हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत घाघरजानी गांव इन दिनों एक धार्मिक दावे को लेकर चर्चा में है। गांव निवासी चुकन मंडल की पत्नी नंदना देवी ने दावा किया है कि उन्हें साक्षात भगवान भोलेनाथ के दिव्य दर्शन हुए हैं। उनके इस दावे के बाद गांव समेत आसपास के क्षेत्रों में इसकी व्यापक चर्चा हो रही है और बड़ी संख्या में लोग उनके घर पहुंच रहे हैं। नंदना देवी के अनुसार, भगवान भोलेनाथ ने उन्हें दर्शन देकर शिव भक्ति, शिवचर्चा और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि इस अनुभव के बाद उनके घर पर श्रद्धालुओं की उपस्थिति में शिवचर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर

भगवान शिव की आराधना की। ग्रामीणों का कहना है कि इस घटना के बाद क्षेत्र में धार्मिक माहौल और अधिक प्रबल हुआ है। कई श्रद्धालु नंदना देवी के घर पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं तथा शिव भक्ति से जुड़े कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, आने वाले दिनों में भगवान भोलेनाथ की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ एक भव्य मंदिर निर्माण की योजना पर भी विचार किया जा रहा है। हालांकि, भगवान के दर्शन होने संबंधी दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। यह दावा पूरी तरह व्यक्तिगत अनुभव और आस्था पर आधारित है। प्रशासन या किसी अधिकृत संस्था द्वारा इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। महत्वपूर्ण सूचनाः हमारा उद्देश्य किसी भी प्रकार के अंधविश्वास को बढ़ावा देना नहीं है। यह समाचार स्थानीय लोगों और संबंधित महिला द्वारा किए गए दावों के आधार पर प्रकाशित किया जा रहा है। पाठकों से अपील है कि वे ऐसी घटनाओं को आस्था और व्यक्तिगत विश्वास के दृष्टिकोण से देखें तथा किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले तथ्यात्मक पक्ष को भी ध्यान में रखें।

पूर्व मंत्री का प्रयास लाए रंग, शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र की मांग पर बनी जांच समिति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहरवा प्रखंड मुख्यालय में शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसाइटी की ओर से जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने की मांग को लेकर 4 से 26 मई तक अनिश्चितकालीन धरना में धरना स्थल पर 26 मई 2026 को पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम व राजमहल विधायक एमटी राजा ने पहुंच कर धरना दे रहे युवाओं को आश्वासन दिया था कि जांच कमेटी बनाकर जांच रिपोर्ट तैयार होगा इस दिशा में अब उनके आश्वासन के बाद अब उपायुक्त साहेबगंज के निर्देश के बाद आईटीडीए निदेशक की अध्यक्षता में बनी जांच समिति बन गई है इस जांच समिति में अध्यक्ष के रूप में परियोजना निदेशक आईटीडीए, सदस्य के रूप में अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल, भूमी सुधार उप समाहर्ता राजमहल, अंचल अधिकारी बरहरवा, अंचल अधिकारी राजमहल शामिल है। समिति के सदस्य अब ग्रामीण इलाके में जाएंगे और शेरशाहबादी समुदाय के लोगों के सहयोग से वहां उनके खान-पान रहन-सहन वेशभूषा, भाषा संस्कृति आदि की जानकारी लेंगे और पूरी रिपोर्ट तैयार करने के बाद उपायुक्त को भेजेंगे, अब उपायुक्त के माध्यम से राज्य सरकार को रिपोर्ट भेजी जाएगी, मामले को लेकर पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने की मांग हम लोगों ने गंभीरता से लिया है कार्मिक विभाग के मंत्री सह मुख्यमंत्री से भी इस संबंध में मुलाकात कर इस समस्या का समाधान निकाला जाएगा।

किसानों की आय बढ़ाने एवं कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्द्धन को लेकर उपायुक्त ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने तथा कृषि एवं वनोपज आधारित अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज जिला सहकारी संघ (सिद्धकोफेड) की निदेशक परिषद की बैठक उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय में आयोजित की गई। बैठक में जिले में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने तथा किसानों की आय में वृद्धि के

लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सिद्धकोफेड द्वारा जिले में चावल मिल स्थापित करने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने की मांग की गई। उपायुक्त ने कहा कि जिले में चावल मिल की स्थापना से न केवल किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त होगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। उपायुक्त ने जिले में बेहतर कार्य कर रहे लैम्पसों को तेल मिल एवं दाल मिल स्थापना के लिए प्रस्ताव तैयार कर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादों के स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण से मूल्य संवर्द्धन को बढ़ावा मिलेगा तथा किसानों को आर्थिक रूप से अधिक लाभ प्राप्त होगा। बैठक में सिद्धकोफेड के कार्यालय निर्माण हेतु पांच एकड़ भूमि उपलब्ध कराने के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। चावल मिल स्थापना के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने हेतु जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी एवं उद्योग विभाग के प्रतिनिधियों की एक संयुक्त टीम गठित की गई। यह टीम परियोजना की व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता एवं अन्य आवश्यक पहलुओं का अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। बैठक के दौरान किसानों की आय वृद्धि, कृषि उत्पादों के बेहतर विपणन, भंडारण एवं प्रसंस्करण सुविधाओं के विस्तार तथा सहकारी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

संक्षिप्त खबरें

वृंदावन मार्केट की सड़क-नाली समस्या बनी जन समाधान दिवस का प्रमुख मुद्दा

पाकुड़ : जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जन समाधान दिवस में पाकुड़ शहर के वृंदावन मार्केट से हरिणड़ागा बाजार तक सड़क एवं नाली निर्माण का अधूरा कार्य सबसे अहम मुद्दा बनकर सामने आया। स्थानीय लोगों ने इस समस्या को लेकर प्रशासन के समक्ष अपनी नाराजगी जाहिर की और शीघ्र समाधान की मांग की। उपायुक्त मेघा भारद्वाज के निर्देश पर आयोजित जन समाधान दिवस में अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने आमजन की समस्याओं की सुनवाई की। इस दौरान वृंदावन मार्केट क्षेत्र के 50 लोगों द्वारा हस्ताक्षरित सामूहिक आवेदन सौंपा गया, जिसमें मुख्य सड़क से तातीपाड़ा तक सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने की मांग की गई। जनता दरबार में मनरेगा के एई, जेई, बीपीओ एवं एसी परीक्षा की तिथि शीघ्र घोषित करने, सार्वजनिक भूमि से अतिक्रमण हटाने, आंगनबाड़ी सेविका नियुक्ति पत्र जारी करने, बासेतकुण्डी में सखी भवन निर्माण की जांच कराने तथा दिव्यांगजनों को बैटरी चालित ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने जैसी मांगें भी उठाई गईं। अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने सभी आवेदनों पर गंभीरता से सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों को त्वरित, निष्पक्ष एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा प्रत्येक शिकायत का नियमानुसार निस्तारण किया जाएगा।

विश्व पर्यावरण सप्ताह के अंतर्गत मंडरो फॉसिल पार्क में स्वच्छता एवं पौधारोपण अभियान आयोजित

साहिबगंज: विश्व पर्यावरण सप्ताह के अंतर्गत साहिबगंज वन प्रमंडल द्वारा मंडरो फॉसिल पार्क में स्वच्छता एवं पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं जैव विविधता संवर्धन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण हेतु सामूहिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना था। अभियान के तहत मंडरो फॉसिल पार्क परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। वन विभाग के कर्मियों ने पार्क परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई कर स्वच्छ पर्यावरण का संदेश दिया। इस दौरान पार्क में विकसित किए जा रहे बटरफ्लाई जोन में विभिन्न प्रजातियों के पुष्पीय पौधों का रोपण किया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विकसित किया जा रहा बटरफ्लाई जोन पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। पुष्पीय पौधों के रोपण से तितलियों एवं अन्य परागणकताओं के लिए अनुकूल आवास उपलब्ध होगा, जिससे स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी। साथ ही, यह बटरफ्लाई जोन अपनी प्राकृतिक सुंदरता, रंग-बिरंगी तितलियों एवं आकर्षक हरित वातावरण के कारण आने वाले पर्यटकों के लिए भी विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा। यह पहल मांडरो फॉसिल पार्क में प्रकृति पर्यटन को बढ़ावा देने में भी सहायक सिद्ध होगी।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वनकर्मियों ने स्वच्छता बनाए रखने तथा अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में वनपाल राणा रंजीत चौधरी, प्रधान वनरक्षी फेलिसिटास हांसदा सहित अन्य वनकर्मी उपस्थित रहे तथा अभियान को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया।

श्रमिक कल्याण और स्वरोजगार योजनाओं की डीसी ने की समीक्षा, त्वरित क्रियान्वयन के दिए निर्देश

पाकुड़ : ज़िले की उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने श्रम, उद्योग एवं नियोजन विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्रम विभाग की समीक्षा के क्रम में श्रम अधीक्षक ने बताया कि तीन प्रवासी मजदूरों की मृत्यु से संबंधित मामलों में सहायता राशि भुगतान की प्रक्रिया लंबित है, जिसे शीघ्र निष्पादित किया जाएगा। इस पर उपायुक्त ने संबंधित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करते हुए लाभुकों को जल्द से जल्द सहायता राशि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने पंजीकृत श्रमिकों को चिकित्सा सहायता योजना से अधिकाधिक लाभान्वित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी बीमारी की स्थिति में पंजीकृत श्रमिकों को इस योजना के अंतर्गत 40 दिनों तक उनके मानदेय में किसी प्रकार की कटौती नहीं की जाती है। उन्होंने अधिकारियों को इस महत्वपूर्ण योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए ताकि अधिक से अधिक श्रमिक इसका लाभ प्राप्त कर सकें। बैठक में उपायुक्त ने तीनों श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों को असंगठित क्षेत्र के कम-से-कम 200- 200 श्रमिकों तथा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कार्यों से जुड़े 100-100 श्रमिकों का निबंधन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी संबंधित विभागों एवं निजी प्रतिष्ठानों से जून माह तक अंडरटेकिंग प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की कार्रवाई पूर्ण करने को कहा।

पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर साहिबगंज में राउंड टेबल ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंज: जिला प्रशासन के तत्वावधान में आज सिद्धो-कान्हो सभागार, साहिबगंज में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा की अध्यक्षता में पेसा (पंचायत एक्सटेंशन टू शेड्यूल्ड एरियाज पेसा) अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन विषयक एक दिवसीय राउंड टेबल ओरिएंटेशन (अभिमुखीकरण) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अनुसूचित क्षेत्रों में पेसा अधिनियम एवं उसके नियमों के संबंध में प्रशासनिक पदाधिकारियों तथा पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था से जुड़े प्रतिनिधियों को जागरूक एवं संवेदनशील बनाना था।कार्यक्रम में जिले के सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, विभिन्न गांवों एवं प्रखंडों से आए पारंपरिक प्रधान, मांझी, परगना, ग्राम प्रधान सहित अन्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया। साथ ही राज्य मुख्यालय रांची से आए मास्टर ट्रेनर्स ने पेसा अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों एवं व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।मास्टर ट्रेनर्स ने अपने प्रस्तुतीकरण में बताया कि पेसा क्षेत्र में ग्राम सभा सर्वोच्च इकाई है तथा विकास योजनाओं के चयन, क्रियान्वयन एवं सामाजिक-आर्थिक निर्णयों में ग्राम सभा की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने जनजातीय समुदाय की परंपरागत रूढ़ियों, सांस्कृतिक पहचान, जल, जंगल एवं जमीन जैसे सामुदायिक संसाधनों के संरक्षण में ग्राम सभा एवं पारंपरिक प्रधानों की भूमिका को विस्तार से समझाया। साथ ही लघु वन उपज, स्थानीय बाजारों के प्रबंधन तथा लघु खनिजों से संबंधित अधिकारों के विषय में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय स्तर पर विवाद निवारण की पारंपरिक व्यवस्थाओं एवं प्रशासनिक समन्वय की प्रक्रियाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बताया कि पेसा कानून का मूल उद्देश्य अनुसूचित क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को मजबूत करना तथा ग्राम सभाओं को निर्णय प्रक्रिया में अधिक अधिकार प्रदान करना है।

एक नजर

बोकारो के लक्ष्मी मार्केट में ट्रांसफार्मर में लगी आग

बोकारो : शहर के सेक्टर-4 स्थित लक्ष्मी मार्केट में सोमवार को एक बिजली ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद ट्रांसफार्मर से लगातार चिंगारियां निकलने लगीं और पटाखों जैसी आवाजें सुनाई देने लगीं। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन दिनों भीषण गर्मी के कारण एसी, कूलर और अन्य बिजली उपकरणों का उपयोग काफी बढ़ गया है। इससे बिजली ट्रांसफार्मरों पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। प्रारंभिक तौर पर ट्रांसफार्मर में आग लगने का कारण ओवरलोड माना जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग को सूचित किया। आग लगने के दौरान ट्रांसफार्मर से निकल रही चिंगारियों और तेज आवाजों के कारण लोग सुरक्षित दूरी पर रहे। गनीमत रही कि इस घटना में किसी के घायल होने या किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। २गर्मी के मौसम में बिजली की बढ़ती मांग के बीच ट्रांसफार्मरों में आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। यह घटना एक बार फिर बिजली व्यवस्था पर बढ़ते दबाव और ट्रांसफार्मरों के नियमित रखरखाव की आवश्यकता को उजागर करती है।

भीम आर्मी के 24 कार्यकर्ताओं ने दिया इस्तीफा

देवघर : भीम आर्मी की देवघर कमिटी में संगठनात्मक असंतोष खुलकर सामने आया है। भीम आर्मी के प्रखंड अध्यक्ष सहित 24 कार्यकर्ताओं ने संगठन की कार्यप्रणाली, संवादहीनता और कार्यकताओं की उपेक्षा के विरोध में सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा देने वाले कार्यकर्ताओं का कहना है कि संगठन में उनकी समस्याओं और सुझावों को कभी गंभीरता से नहीं लिया गया। लगातार उनकी उपेक्षा की जाती रही, जिससे कार्यकर्ताओं में असंतोष बढ़ता गया। उनका आरोप है कि कई बार देवघर कमिटी की कार्यप्रणाली में सुधार की मांग भी की गई, लेकिन वरिष्ठ नेतृत्व की ओर से इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई। कार्यकताओं ने कहा कि उनका उद्देश्य संगठन को नुकसान पहुंचाना नहीं है, बल्कि कार्यकताओं की भावनाओं और संगठनात्मक लोकतंत्र के प्रति अपनी चिंता को सामने लाना है। एक साथ 24 कार्यकताओं के इस्तीफे से देवघर प्रखंड में संगठन की स्थिति को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। इस्तीफा देने वाले सदस्यों ने संगठन के उच्च पदाधिकारियों से मामले की निष्पक्ष समीक्षा करने और कार्यकर्ताओं के सम्मान, भागीदारी और सुझावों को महत्व देने की मांग की है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं कार्यकर्ता : बड़कुवर

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के मझगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मंझरी और तांतनगर मंडल की संयुक्त बैठक मंगलवार को चीटीमीटी हाई स्कूल के समीप आयोजित की गई। बैठक में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष सह पूर्व मंत्री बड़कुवर गागराई ने मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य को गंभीरता से लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के दौरान पार्टी की ओर से नियुक्त बीएलए-2 और सरकारी बीएलओ आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। गागराई ने जोर देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से न हटे और किसी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में शामिल न हो।

दुस्साहस : घर में घुसकर किशोरी से छेड़छाड़ विरोध करने पर भाई को पीटा, तीन गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : शहर के सेक्टर-05 इलाके में कानून-व्यवस्था को चुनौती देते हुए तीन युवकों द्वारा एक घर में घुसकर 14 वर्षीय किशोरी के साथ छेड़छाड़ और मारपीट करने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर मंगलवार (02 जून) को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह कार्रवाई पीड़िता की माँ द्वारा थाना सेक्टर-06 में दर्ज कराई गई लिखित शिकायत के आधार पर की गई है।

दिए गए आवेदन के अनुसार, घटना बीते 31 मई 2026 की मध्यरात्रि की है। उस वक्त पीड़िता और उसका भाई अपने-अपने कमरों में सो रहे थे। इसी दौरान पड़ोस के ही तीन युवक–आयुष कुमार उर्फ सौरभ (20 वर्ष), गौतम कुमार (19 वर्ष) और निखिल कुमार (19 वर्ष) घर का गेट फांदकर अंदर घुस आए। आरोपियों ने सोते समय किशोरी के साथ अश्लील हरकतें और छेड़खानी शुरू कर दी।

किशोरी के अचानक शोर मचाने पर बगल के कमरे में सो रहा उसका भाई जाग गया। उसने जब बहन को बचाने का प्रयास किया, तो तीनों आरोपियों ने उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी और मौके से भागने की कोशिश की।

घटना के बाद डरे-सहमे पीड़ित परिवार ने 01 जून को सेक्टर-06 थाने में न्याय की गुहार लगाई। थाना सेक्टर-06 में कांड संख्या 24/06 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने नए कानून भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 74, 333, 3(5) और पॉक्सो एक्ट की धारा 8 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है।

आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी के लिए गठित टीम में पु०अ०नि० शशिभूषण गोप, स०अ०नि० गुप्तेश्वर पाण्डेय, आरक्षी उपेन्द्र यादव (61), गणेश चन्द्र महतो (1389) और गृह रक्षक संतोष कुमार शामिल थे।

इस घटना के बाद से सेक्टर-05 और आसपास के इलाकों में स्थानीय नागरिकों के बीच गहरा आक्रोश और चिंता का माहौल है। स्थानीय निवासियों ने पुलिस प्रशासन से रात में गश्ती बढ़ाने और सुरक्षा प्रबंधों को कड़ा करने की मांग की है।

थाना पुलिस के अनुसार, आरोपियों को जेल भेज दिया गया है और मामले की वैज्ञानिक जांच जारी है। घटना से जुड़े वीडियो साक्ष्य, शारीरिक सबूत और गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं ताकि आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जा सके।

हत्या का खुलासा आरोपी गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुमारडुंगी थाना क्षेत्र के खंडखोरी गांव में महिला की डायन के संदेह में निर्मम हत्या के मामले का पुलिस ने त्वरित खुलासा कर लिया है। पुलिस ने घटना के कुछ ही घंटों के भीतर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है। एक जून 2026 को कुमारडुंगी थाना अंतर्गत खंडखोरी गांव में शुरू गोप नामक महिला की डायन होने के संदेह में धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या किए जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की गई। मृतका के पति देवेन्द्र गोप के फर्दबयान के आधार पर कुमारडुंगी थाना (कांड संख्या 15/2026) दर्ज किया गया।

बारी कोआपरेटिव कॉलोनी दुर्गा मंदिर में विशाल हिन्दू सम्मेलन संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : शताब्दी वर्ष के निमित्त विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में अखिल भारतीय स्तर पर सकल हिन्दू समाज द्वारा बस्ती सह "हिन्दू सम्मेलन" की कड़ी में चन्द्रशेखर आजाद नगर के 'बारी कोआपरेटिव कॉलोनी बस्ती का सम्मेलन ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष द्वितीया मंगलवार को दुर्गा मंदिर, बारी कोआपरेटिव कॉलोनी में संपन्न हुआ। सम्मेलन में बारी कोआपरेटिव कॉलोनी में निवास करने वाले सनातनी परिवार मातृ शक्ति बड़ी संख्या के साथ इस सम्मेलन में अपनी भागीदारी की।

हिन्दू सम्मेलन में विश्व हिन्दू परिषद अखिल भारतीय प्रन्यासी मण्डल के जगन्नाथ शाही ने उपस्थित सभी सनातनियों को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम हिन्दू सम्मेलन के आयोजन हेतु उपस्थित सकल हिन्दू समाज के प्रति विशेष आभार प्रकट किया। उन्होंने शताब्दी वर्ष में संघ के पंच परिवर्तन के संकल्प का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि इसे अपने जीवन में अपनाने की जरूरत है। इनमें 'स्व का भाव' के अंतर्गत आम गौरव और राष्ट्रीय अस्मिता पर बल, 'कुटुंब प्रबोधन' के अंतर्गत परिवारों में संस्कार और संवाद, 'सामाजिक समरसता' के अंतर्गत समाज के सभी वर्गों में समानता और एकता, 'पर्यावरण' के अंतर्गत प्रकृति संरक्षण और सतत विकास तथा एक विषय 'नागरिक कर्तव्य' है जिसमें जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा है। हिंदू समाज की एकता में सबसे बड़ी बाधा जाति है, इसके लिए समाज को मजबूती से खड़ा होना होगा। हिन्दू सम्मेलन का उद्देश्य समाज के लिए मार्गदर्शन तैयार करना है हिन्दू सम्मेलन के माध्यम से उन्होंने संघ के संकल्पों को दोहराते हुए समाज से अधिक निकट से जुड़ने और राष्ट्रीय हित में सक्रिय योगदान का आह्वान किया। हिंदू समाज में नेतृत्व क्षमता का विकास एवं एक दुसरे के प्रति सहयोगात्मक भावना विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा।

कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना के दीप प्रज्जवलन के साथ मंचीय कार्यक्रम की शुरूआत हुई।

विनय सिंह, बारी को ऑपरेटिव सोसाईटी के अध्यक्ष आनंदी सिंह, आदीवासी समाज के अध्यक्ष राम चन्द्र बिरूआ एवं बारी को ऑपरेटिव दुर्गा मंदिर के पुजारी पिंटू जी, रंजीत वर्णवाल, संजय राय, दिनेश्वर सिंह, मनोज अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति इस कार्यक्रम में सबलता प्रदान किया। सम्मेलन को सफल करने वालों में प्रमुख रूप से कृष्ण कुमार, अभय कुमार श्रीवास्तव, राजेश कुमार, कमलेश अग्रवाल आदि अनेक कार्यकर्ता की सहभागिता रही।

बेरमो में सीआईएसएफ का कोयला माफियाओं पर शिकंजा, 6.275 टन अवैध कोयला और गाड़ी जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिला के बेरमो थाना क्षेत्र में कोयला माफियाओं के खिलाफ सीआईएसएफ ने बड़ी कार्रवाई की है। केऔसुब इकाई सीसीएल करगली ने 6.275 टन अवैध कोयला और एक मोटरसाइकिल जब्त की।

सीआईएसएफ इकाई सीसीएल करगली के कमांडेंट राज प्रताप सिंह के निर्देश पर 2 जून 2026 मंगलवार को क्षेत्र में लगातार गश्ती अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में खुफिया इनपुट पर बीएंडके एरिया में कार्रवाई की गई। सीआईएसएफ ने खासमहल एरिया के प्रदीप होटल के पास जमा किए गए 3.305 टन अवैध कोयला जब्त किया।

वहीं कारो एक्सकेवेशन के पास कोल डम्प से कोयला लदी बाइक संख्या जेएच 09 बीएफ 7053 को भी जब्त किया गया। ढोरी एरिया के अमलो माइंस के वर्कशॉप के पीछे बैरियर के पास से 1.30 टन अवैध कोयला जब्त किया गया। इसके साथ ही तारमी कोल डम्प के पास से 1.67 टन अवैध कोयला बरामद हुआ। कुल 6.275 टन जब्त कोयले को सीसीएल प्रबंधन को सौंप दिया गया। वहीं कोयला लदी मोटरसाइकिल को बेरमो थाना को सुपुर्द कर दिया गया।छापामारी दल में निरीक्षक शिला टोपो, सुनील कुमार, सब-इंस्पेक्टर संतोष कुमार तिवारी, मुकेश शर्मा, प्रधान आरक्षक एसके खरवार, वीके सोनकर, आरक्षक बी पेगु, सुदामा प्रसाद और अन्य केऔसुब जवानों की सराहनीय भूमिका रही। सीआईएसएफ ने कहा कि क्षेत्र में अवैध कोयले के खिलाफ अभियान लगातार जारी है।

भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई होती रहेगी। इस कार्रवाई से कोयला माफियाओं में हड़कंप मच गया है सीआईएसएफ अधिकारी ने कहा अवैध खनन के खिलाफ हमारा अभियान लगातार जारी रहेगा। अवैध कारोबार करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए गश्ती अभियान जारी है।

विधायक ने कबड्डी खिलाड़ियों को खेल किट खरीदने के लिए किया सहयोग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

नावाडीह : खिलाड़ियों के उत्थान व प्रशिक्षण में आर्थिक कमी को बाधक नहीं बनने दुंगा उक्त बातें डुमरी विधायक जयराम महतो ने मंगलवार को नावाडीह स्थित बिनोद बिहारी महतो स्टेडियम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कबड्डी खिलाड़ियों को खेल संबंधी किट की आवश्यकता को दुर करने के लिए चेक देने के क्रम में कहा । उन्होंने कहा की इन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन आगामी 5 से 7 जून तक धनबाद में आयोजित होने वाली 13वीं सीनियर राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

खिलाड़ियों ने सहायता के लिए मुझसे संपर्क किया था। उनकी आवश्यकता को देखते हुए मैंने अपने निजी वेतन से कबड्डी किट खरीदने हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया है।

खेल और खिलाड़ियों के विकास के प्रति मेरी प्रतिबद्धता हमेशा बनी रहेगी। भविष्य में भी इनके खेल के मार्ग में किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दूंगा और हर संभव सहयोग के साथ इनके साथ मजबूती से खड़ा रहूंगा।

सभी खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि वे अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से डुमरी विधानसभा, जिला और राज्य का नाम रोशन करेंगे।

प्रिंस खान गैंग का बोकारो मॉड्यूल ध्वस्तः मुख्य सहयोगी राकेश सिंह गिरफ्तार, बीएमडब्ल्यू प्लांट से मांगी थी रंगदारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : प्रिंस खान का बोकारो मॉड्यूल राजेश सिंह को बालीडीह पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दिनांक-12.03.26 को आवेदक सुरेश कुमार सिंह,बी एम डब्ल्यू प्लांट का मैनेजर औद्योगिक ओ०पी० बालीडीह, जिला-बोकारो के द्वारा एक आवेदन समर्पित किया गया कि, जिसमें प्रिंस खान के द्वारा फैक्ट्री लगाने के एवज में रंगदारी मांगने व धमकी देने का आरोप लगाया गया था। उक्त समर्पित आवेदन के आधार पर बालीडीह थाना काण्ड सं0-56/26, दि०-12.03.26, धारा-308(4)/308(5)/111(2)/111(3)/111(4)/351(3)/351(4)/3(5) बी०एन० एस० दर्ज कर काण्ड के उदभेदन हेतू वरीय पदाधिकारी द्वारा पुलिस उपा० (मु०), बोकारो के नेतृत्व में एक एस०आई०टी० का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा मानवीय एवं तकनिकी सुचना के आधार पर काण्ड का उदभेदन करते हुए संलिप्त अभियुक्त राकेश कुमार को गिरफ्तार किया गया हैं। इन्होनें अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया है कि ये प्रिंस खान के इंटरनेशनल नंबर के व्हाट्सएप से सीधे संपर्क में थें एवं उन्हीं के कहने पर अपने हैण्डराईटिंग में धमकी भरा पर्चा लिखकर छोड़ा था, जिसका विडियो प्रिंस खान के द्वारा अपने फेसबुक एकाउंट पर वायरल कर पुनः बीएमडब्लू कंपनी को धमकी दिया गया था। इसके एवज में प्रिंस खान के द्वारा राकेश सिंह को उपलब्ध कराये गये स्टेट बैंक के दो खाता में कमशः एक लाख रुपए एवं दूसरे में पचास हजार रुपए (कुल एक लाख पचास हजार रुपए) दिया गया था, जिस बिंदु पर अनुसंधान जारी है।

इनके पास से जप्त मोबाईल के अवलोकन से इस काण्ड के कई साक्ष्य मिले हैं। साथ ही इनके द्वारा अपने व्हाटसएप नं० से प्रिंस खान के व्हासट्सएप नं० पर कई बार फोन कॉल में बातचीत का रिकॉर्ड उपलब्ध पाया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त राकेश सिंह के द्वारा बताया गया कि ये प्रिंस खान गैंग का बोकारो में मुख्य सहयोगी हैं तथा इस गैंग के विस्तार एवं प्रभाव के लिए ये कार्य प्रारंभ किये थें। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। अग्रतर अनुसंधान जारी है। गिरफ्तार अभियुक्त राकेश कुमार, उम्र 37 वर्ष, पिता-स्व० परमहंस सिंह, सा०-सेक्टर 02सी, क्वार्टर न0-1-190, थाना-बी०एस० सिटि, जिला-बोकारो का पुराना अपराधिक इतिहास निमियाघाट (जिला-गिरीडीह) थाना काण्ड सं0-116/21, दि०.-15.11. 2021, धारा-379/411/34भादवि० रहा है। राकेश सिंह से घटना कारित करने में उपयोग किया गया रेडमी कंपनी का रेडमी 8 मोबाईल पुलिस ने बरामद की है।

संक्षिप्त खबरें

बोकारो में चोरों का हौसला बुलंद, बंद घर का ताला तोड़ लगभग 12 लाख के जेवर व नकदी की चोरी

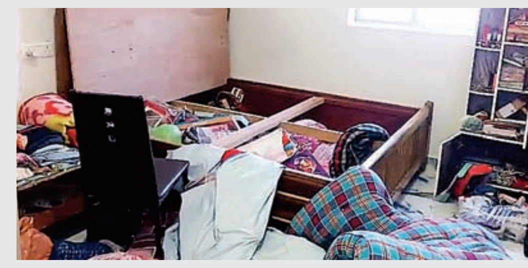

बोकारो : बोकारो के जरीडीह थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव में अज्ञात चोरों ने एक बंद घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये मूल्य के जेवरात और नकदी की चोरी कर ली। घटना 1 जून की रात की बताई जा रही है। पीड़ित सोनू कुमार गुप्ता ने जरीडीह थाना में लिखित शिकायत देकर मामले की जांच और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है। जानकारी के अनुसार, गृहस्वामी सोनू कुमार गुप्ता अपने पूरे परिवार के साथ पहले कुमीर्डीह में रहते थे। हाल ही में उन्होंने मोहनपुर स्थित अपने नए घर में कुछ सामान शिफ्ट किया था। सोमवार की शाम वह मोहनपुर स्थित घर में ताला लगाकर अपने पुराने आवास कुमीर्डीह चले गए थे। इसी दौरान रात में चोरों ने सुनसान घर को निशाना बना लिया। बताया जाता है कि चोरों ने घर के मुख्य दरवाजे का ताला आसानी से तोड़ दिया और अंदर प्रवेश कर गए। इसके बाद उन्होंने घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात, कीमती सामान और नकदी को खंगाल लिया। चोरी गए सामानों में सोने का हार, कान का झुमका, अंगूठी समेत अन्य आभूषण शामिल हैं। पीड़ित के अनुसार चोरी गए जेवरात और सामान की अनुमानित कीमत करीबलगभग 10-12 लाख रुपये है, जबकि घर में रखे 40 हजार रुपये नकद भी चोर अपने साथ ले गए। सोमवार सुबह घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार के लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर जरीडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा चोरों तक पहुंचने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि चोरों की पहचान के लिए आसपास के मार्गों, चौक-चौराहों और प्रतिष्ठानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जाएगी। वहीं गांव में हुई इस बड़ी चोरी की घटना के बाद स्थानीय लोगों में भय का माहौल है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है।

अवैध कोयला जलाने से फैल रहा प्रदूषण ग्रामीणों ने डीसी से लगाई कार्रवाई की गुहार

बोकारो : नावाडीह थाना क्षेत्र के चिरुडीह स्थित एक कोल फैक्ट्री में अवैध रूप से कोयला जलाए जाने और उससे फैल रहे प्रदूषण को लेकर ग्रामीणों ने उपायुक्त बोकारो को आवेदन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि फैक्ट्री में नियमों की अनदेखी कर खुले मैदान में कोयला जलाया जा रहा है, जिससे आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। ग्रामीणों द्वारा दिए गए आवेदन में कहा गया है कि फैक्ट्री संचालक स्थानीय पुलिस के सहयोग से अवैध रूप से कोयले का भंडारण और संचालन कर रहे हैं। फैक्ट्री परिसर में कोयला जलाने से निकलने वाले घने धुएं के कारण चिरुडीह सहित आसपास के गांवों के लोग प्रभावित हो रहे हैं। विशेष रूप से छोटे बच्चों और बुजुर्गों में श्वास संबंधी बीमारियों की शिकायत बढ़ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि फैक्ट्री से करीब 100 मीटर की दूरी पर एक सरकारी विद्यालय स्थित है, जहां बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं पढ़ाई करते हैं। प्रदूषण के कारण विद्यालय आने वाले बच्चों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। आवेदन में प्रशासन से फैक्ट्री के विरुद्ध तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा अवैध रूप से कोयला जलाने पर रोक लगाने की मांग की गई है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि आठ दिनों के भीतर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो चिरुडीह, बांधडीह, लेवाबांध, मुंडाटांड़ समेत आसपास के गांवों के ग्रामीण फैक्ट्री के मुख्य द्वार पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। ग्रामीणों ने आवेदन की प्रतिलिपि पुलिस अधीक्षक बोकारो, एसडीपीओ बेरमो और अंचलाधिकारी बेरमो को भी भेजी है।

बीएसएल के ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के खेल एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह एम.के.एम. स्टेडियम, सेक्टर-04 में आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रतिभागी बच्चे, अभिभावक तथा खेल प्रेमी उपस्थित रहे। समापन समारोह को संबोधित करते हुए उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर बच्चों एवं युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने तथा उनकी प्रतिभा को निखारने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास में सहायक होते हैं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उल्लेखनीय है कि 15 मई 2026 से प्रारंभ हुए इस ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में 8 से 15 वर्ष आयु वर्ग के कुल 527 बच्चों ने भाग लिया। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को अनुभवी एवं प्रशिक्षित कोचों द्वारा विभिन्न खेल विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। नियमित अभ्यास एवं मार्गदर्शन के माध्यम से बच्चों को अपनी खेल प्रतिभा को विकसित करने तथा नई तकनीकों को सीखने का अवसर प्राप्त हुआ। शिविर में फुटबॉल, क्रिकेट, हैंडबॉल, बास्केटबॉल, हॉकी, कबड्डी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, शतरंज, तीरंदाजी, खो-खो एवं वॉलीबॉल सहित विभिन्न खेल गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को खेल कौशल के साथ-साथ फिटनेस, अनुशासन, टीम भावना तथा प्रतिस्पर्धात्मक दृष्टिकोण के महत्व से भी अवगत कराया गया।

केयू को एआई आधारित ब्लड शुगर जांच उपकरण का मिला पेटेंट

पश्चिमी सिंहभूम : चाईबासा स्थित कोल्हान विश्वविद्यालय (केयू) के शोधकर्ताओं ने स्वास्थ्य तकनीक के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग से जुड़े शोधकर्ता शोवित रंजन और उनकी टीम की ओर से विकसित एआई आधारित ब्लड शुगर टेस्ट डिवाइस को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय से डिजाइन पेटेंट प्रदान किया गया है।

संक्षिप्त डायरी

सोशल मीडिया बना पति-पत्नी विवाद का मुख्य कारण, नालंदा में दर्ज हो रहे सैकड़ों केस

पटना (एजेंसी) व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम जैसी सोशल मीडिया साइटें जहां लोगों को जोड़ने का काम कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर कई परिवारों में रिश्तों की दरार की वजह भी बनती जा रही हैं. नालंदा जिले में बढ़ते दांपत्य विवादों के पीछे सोशल मीडिया एक बड़ा कारण बनकर उभरा है. छोटी-छोटी गलतफहमियां अब महिला थाना, महिला हेल्पलाइन और फैमिली कोर्ट तक पहुंच रही हैं. (कंचन कुमार) फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम जैसी सोशल मीडिया साइटें जहां लोगों को जोड़ने का काम कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर कई परिवारों में रिश्तों की दरार की वजह भी बनती जा रही हैं. नालंदा जिले में बढ़ते दांपत्य विवादों के पीछे सोशल मीडिया एक बड़ा कारण बनकर उभरा है. छोटी-छोटी गलतफहमियां अब महिला थाना, महिला हेल्पलाइन और फैमिली कोर्ट तक पहुंच रही हैं. हर महीने 250 से ज्यादा पति-पत्नी विवाद पहुंच रहे थाने और कोर्ट फैमिली कोर्ट, महिला थाना और महिला हेल्पलाइन के आंकड़े बताते हैं कि जिले में हर माह 251 से 322 दांपत्य विवाद दर्ज हो रहे हैं. यानी औसतन प्रतिदिन दो से तीन नए मामले सामने आ रहे हैं. पिछले पांच वर्षों में ऐसे मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे परामर्श केंद्रों पर भी दबाव बढ़ा है. सबसे ज्यादा विवाद शिक्षित और नौकरीपेशा दंपतियों में आंकड़ों के अनुसार 80 प्रतिशत से अधिक मामले शिक्षित और नौकरीपेशा दंपतियों से जुड़े हैं. आर्थिक रूप से सक्षम होने के बावजूद कई परिवारों में विवाह के पांच से दस वर्ष के भीतर रिश्ते संकट में पहुंच रहे हैं. विशेषज्ञ बदलती जीवनशैली और बढ़ती व्यक्तिगत अपेक्षाओं को इसकी बड़ी वजह मानते हैं. लाइक, कमेंट और चैट से बढ़ रहा अविश्वास विशेषज्ञों का कहना है कि सोशल मीडिया पर लाइक, कमेंट, फ्रेंड रिक्वेस्ट और निजी चैट को लेकर पति-पत्नी के बीच संदेह बढ़ रहा है. कई मामलों में मोबाइल की जांच, कॉल डिटेल देखने और निजी संदेश पढ़ने की आदत रिश्तों में तनाव पैदा कर रही है. संवाद की कमी होने पर यही तनाव बड़े विवाद में बदल जाता है. संयुक्त परिवार से दूरी भी बन रही विवाद की वजह दांपत्य विवादों में एक बड़ा कारण संयुक्त परिवार से अलग रहने की इच्छा भी सामने आ रही है. उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार करीब 62 प्रतिशत मामलों में पति-पत्नी के बीच अलग रहने को लेकर विवाद होता है. परिवार और रिश्तों को लेकर बदलती सोच का प्रभाव वैवाहिक जीवन पर साफ दिखाई दे रहा है. दहेज के आरोपों से बढ़ रही कानूनी जटिलताएं दांपत्य विवादों के लगभग 82 प्रतिशत मामलों में दहेज उत्पीड़न के आरोप लगाए जाते हैं. जांच में कुछ आरोप सही साबित होते हैं, जबकि कई मामलों में उनकी पुष्टि नहीं हो पाती. इससे कानूनी प्रक्रिया लंबी हो जाती है और दोनों पक्षों के बीच दूरियां और बढ़ जाती हैं. बढ़ती अपेक्षाएं भी रिश्तों पर डाल रही दबाव विशेषज्ञों का कहना है कि आज अधिकांश परिवार आर्थिक रूप से मजबूत और नौकरीपेशा वर को प्राथमिकता देते हैं. लेकिन शादी के बाद जब जीवनशैली, सोच और व्यवहार में सामंजस्य नहीं बन पाता, तो रिश्तों में तनाव पैदा होने लगता है. कई बार अवास्तविक अपेक्षाएं भी वैवाहिक जीवन को प्रभावित करती हैं. टूटते रिश्तों की सबसे बड़ी कीमत चुका रहे बच्चे दांपत्य कलह का सबसे अधिक असर बच्चों पर पड़ रहा है. तनावपूर्ण माहौल उनके मानसिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास को प्रभावित करता है.

समस्तीपुर और पटना के बीच गंगा नदी पर बन रहा पीपा पुल, घंटों की दूरी बस मिनटों में होगी तय

पटना (एजेंसी) समस्तीपुर और पटना के बीच गंगा नदी पर पीपा पुल बन रहा है. इस पुल का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो गया है. इस पुल के तैयार हो जाने के बाद समस्तीपुर से पटना के बीच घंटों की दूरी सिर्फ मिनटों में ही पूरी की जा सकेगी. इस परियोजना में कुछ एक्सपर्ट की भी मदद ली जा रही है. बिहार में लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कई सड़क और पुल परियोजनाओं पर काम किए जा रहे हैं. इसी क्रम में समस्तीपुर और पटना के बीच गंगा नदी पर पीपा पुल बनाया जा रहा है. इस पुल के बनने से दियारा इलाके के हजारों लोगों को फायदा मिल सकेगा. काफी लंबे समय से लोग इस पुल के बनने का इंतजार कर रहे थे. समस्तीपुर से पटना का सफर मिनटों में होगा पूरा बताया जा रहा है कि पीपा पुल के निर्माण कार्य में तेजी ला दी गई है. जल्द ही इसे पूरा करने को लेकर दिन-रात काम किया जा रहा है. समस्तीपुर से पटना के बीच की दूरी तय करने में फिलहाल लगभग 2 घंटे का समय लगता है. लेकिन पीपा पुल के बन जाने के बाद समस्तीपुर से पटना के बॉर्डर वाले इलाकों तक पहुंचने में सिर्फ आधे घंटे का ही समय लग सकोगा. पीपा पुल का दिखने लगा है स्ट्रक्चर जिस तरह से पीपा पुल का निर्माण कार्य तेज कर दिया गया है, पहले सिर्फ ड्रम या फिर अन्य सामान दिखते थे. लेकिन अब पीपा पुल का स्ट्रक्चर दिखना शुरू हो गया है. जानकारी के मुताबिक, पीपा पुल के लिए लगाए गए ड्रमों के ऊपर लोहे के चैनल और प्लेट लगाए जा रहे हैं. पुल मजबूत रहे, इसे ध्यान में रखते हुए मजबूत लोहे का इस्तेमाल किया जा रहा है. लगभग 8 एमएम मोटी लोहे की प्लेटें बिछाई जा रहीं हैं. सभी काम पूरा होने के बाद इस पर गाड़ियों का परिचालन शुरू हो जाएगा. पुल के निर्माण में ली जा रही एक्सपर्ट की सलाह जानकारी के मुताबिक, पीपा पुल के निर्माण में एक्सपर्ट की सलाह भी ली जा रही है. राज्य के दूसरे जिले जैसे कि पूर्णिया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, और सहरसा के एक्सपर्ट इस काम में लगे हुए हैं. साथ ही निर्माण कार्य भी अनुभवी कारीगर की ओर से ही किया जा रहा है. इसके बन जाने के बाद लोगों को खासकर बारिश के दिनों में राहत मिल सकेगी. फिलहाल दियारा इलाके के लोगों को नाव का सहारा लेना पड़ता है. लेकिन पीपा पुल के बनने से लोगों को खास सुविधा मिल सकेगी.

बिहार में अब नहीं होगी बालू की कमी, 161 नए घाटों से जल्द शुरू होगा खनन, निर्माण कार्यों को मिलेगी रफ्तार

पटना (एजेंसी) बिहार में जल्द ही 161 नए बालू घाटों से खनन शुरू होने वाला है. इससे बाजार में बालू की उपलब्धता बढ़ेगी और निर्माण कार्यों के लिए लोगों को उचित कीमत पर आसानी से बालू मिल सकेगा. बिहार में निर्माण कार्यों के लिए बालू की उपलब्धता जल्द और बेहतर होने वाली है. राज्य सरकार ने पीला बालू के 107 और उजला बालू के 54 नए घाटों की बंदोबस्ती पूरी कर ली है. अब इन घाटों से जल्द खनन शुरू करने की तैयारी चल रही है. कई जिलों को मिलेगा फायदा जिन नए घाटों से खनन शुरू होना है, उनमें भोजपुर, अरवल, औरंगाबाद, पटना, गया और जमुई जैसे जिले प्रमुख हैं. इन जिलों में खनन शुरू होने से स्थानीय स्तर पर बालू की उपलब्धता बढ़ेगी और लोगों को निर्माण कार्यों के लिए आसानी से बालू मिल सकेगा. 311 पीला और 89 उजला बालू घाट होंगे सक्रिय वर्तमान में राज्य में पीला बालू के लगभग 204 घाटों और उजला बालू के 35 घाटों से खनन हो रहा है. नए घाटों के शुरू होने के बाद पीला बालू के सक्रिय घाटों की संख्या बढ़कर 311 हो जाएगी. वहीं उजला बालू के 89 घाटों से खनन शुरू हो जाएगा. विशेषज्ञों का मानना है कि घाटों की संख्या बढ़ने से बाजार में बालू की आपूर्ति बेहतर होगी और कीमतों पर भी सकारात्मक असर पड़ सकता है. कई घाटों की नीलामी अभी बाकी खान एवं भूतत्व विभाग के अनुसार राज्य में पीला बालू के कुल 466 घाट चिन्हित हैं. इनमें से अब तक 311 घाटों की ही बंदोबस्ती हो सकी है, जबकि 155 घाटों की प्रक्रिया अभी बाकी है. वहीं उजला बालू के कुल 541 घाट हैं. इनमें से 452 घाटों की नीलामी अभी तक नहीं हुई है. विभाग ने इन सभी घाटों की नीलामी प्रक्रिया तेज करने के लिए संबंधित जिला प्रशासन को निर्देश जारी किए हैं.

सरकारी आवास किसी की बपौती नहीं, नेतृत्व कहेगा तो 24 घंटे में छोड़ दूंगा: सम्राट चौधरी

पटना (एजेंसी) बिहार में बंगला विवाद के बीच मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि सरकारी आवास किसी की बपौती नहीं है और जिस दिन पार्टी व नेतृत्व कहेगा, वह 24 घंटे के भीतर झोला उठाकर अपना सरकारी घर छोड़ देंगे. बिहार में सरकारी बंगले को लेकर जारी राजनीतिक घमासान के बीच मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बड़ा बयान दिया है. शेखपुरा में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने साफ कहा कि वह पद और सरकारी आवास से मोह रखने वालों में नहीं हैं. उन्होंने कहा कि जिस दिन पार्टी और नेतृत्व कहेगा कि अब उनकी जिम्मेदारी खत्म हो गई है, वह 24 घंटे के भीतर सरकारी आवास छोड़कर अपने निजी घर चले जाएंगे. सम्राट चौधरी का यह बयान ऐसे समय आया है जब पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास को लेकर सियासत गरमाई हुई है. 24 घंटे में झोला उठाकर निकल जाऊंगा मुख्यमंत्री ने कहा कि वह राजनीति में जनता की सेवा के लिए आए हैं, किसी सरकारी घर या सुविधा के लिए नहीं. उन्होंने कहा कि जिस दिन पार्टी और हमारे नेता कहेंगे कि आपका काम यहीं समाप्त होता है, सम्राट चौधरी 24 घंटे के भीतर अपना झोला उठाकर अपने प्राइवेट घर में चला जाएगा. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में पद और आवास स्थायी नहीं होते, बल्कि जनता की सेवा सबसे महत्वपूर्ण होती है. सरकारी आवास किसी की बपौती नहींसम्राट चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद जब वह सरकारी आवास पहुंचे तो उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बाहर लिख दिया जाए कि यह लोकसेवक का आवास है. यह जनता की सेवा का केंद्र है, किसी की निजी संपत्ति नहीं. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकारी आवास और सरकारी सुविधाएं नियमों के तहत मिलती हैं और समय आने पर उन्हें छोड़ना भी पड़ता है. मैं कई पदों पर रहा, लेकिन घर का मोह नहीं रखा मुख्यमंत्री ने अपने राजनीतिक जीवन का जिक्र करते हुए कहा कि वह पिछले कई वर्षों में मंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं. इसके बावजूद उन्होंने लंबे समय तक अपने निजी घर में रहना पसंद किया. उन्होंने बताया कि राजनीति के सफर में अब तक वह कई सरकारी आवास बदल चुके हैं. आज जिस घर में वह रह रहे हैं, वह उनका ग्यारहवां सरकारी आवास है. बिना नाम लिए साधा निशाना अपने संबोधन के दौरान सम्राट चौधरी ने बिना किसी का नाम लिए विपक्ष पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि कुछ लोग सरकारी घरों से इतना लगाव रखते हैं कि उन्हें सिर्फ अपने आवास की चिंता रहती है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोगों को बेटे के लिए अलग घर और परिवार के दूसरे सदस्यों के लिए अलग व्यवस्था चाहिए, जबकि उनकी सरकार जनता की सेवा को प्राथमिकता देती है. जनता की भलाई के लिए राजनीति मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य केवल जनता के हित में काम करना है. उन्होंने कहा कि बिहार में सुशासन और विकास की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी. सम्राट चौधरी ने कहा कि लोकतंत्र में जनता सबसे बड़ी ताकत होती है और जनप्रतिनिधियों को हमेशा जनता के प्रति जवाबदेह रहना चाहिए. उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार जनता की भलाई और राज्य के विकास के लिए लगातार काम करती रहेगी.

ऑनलाइन पोर्टल पर बिहार की सरकारी जमीन के बारे में कैसे मिलेगी जानकारी? जानिए प्रोसेस

पटना (एजेंसी) बिहार में सरकारी जमीन से अवैध कब्जे हटाए जा रहे हैं. इसके लिए बुलडोजर अभियान चलाया जा रहा है. ऐसे में बड़ा डिजिटल अभियान शुरू किया गया है. ऑनलाइन पोर्टल के जरिए अंचल अधिकारी और लोग सरकारी जमीन की पहचान कर सकेंगे. बिहार में सरकारी जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया जा रहा है.

ताकि उस जमीन को सरकारी लोगों की सुविधा के लिए इस्तेमाल कर सके. सरकारी जमीन की सुरक्षा और इससे अवैध कब्जा हटाने के लिए एक डिजिटल अभियान शुरू किया गया है. बिहार सर्वेक्षण कार्यालय की उप निदेशक मोना झा की ओर से सभी जिलों के डीएम को एक लेटर भेजा गया है.

सभी डीएम को दिया गया ये आदेश लेटर के जरिए सभी जिलों के डीएम को आदेश दिया गया है कि सरकारी जमीन से जुड़े जमाबंदियों को ऑनलाइन चिह्नित कर प्रदर्शित किया जाए. जानकारी के मुताबिक, ह्यबिहार भूमि पोर्टलह्न में ही ई-जमाबंदी मॉड्यूल में खास प्रवधान किया गया है. इसके जरिए किसी भी अंचल के अधिकारी यह जान सकेंगे कि उनके क्षेत्र में कौन सी जमीन सरकारी है. अंचल अधिकारी ऐसे ले सकेंगे पोर्टल से जानकारी सरकारी जमीन की पहचान के लिए पहले अंचल अधिकारी को ेमॉड्यूल पर लॉग इन करना होगा. फिर रिपोटिंग मेनू में जाना होगा. यहां सर्च गवर्नमेंट लैंड पर क्लिक करना होगा. इसके बाद कई जानकारी देनी होगी जैसे कि जिला, हलका, मौजा, वर्तमान जमाबंदी समेत सभी जानकारी देने के बाद सर्च पर जाकर क्लिक करना होगा. इसके बाद सरकारी जमीन और उनसे जुड़ी जमाबंदियों की लिस्ट स्क्रीन पर आ जाएगी.

सरकार की नई व्यवस्था से होने वाले फायदेबिहार सरकार की इस नई व्यवस्था से काफी फायदा हो सकेगा. सभी काम पारदर्शी होने की वजह से जमीन से जुड़े विवादों में कमी आ सकेगी. खासकर जो जमीन माफिया हैं, वे लोगों को धोखा देकर जमीन नहीं बेच सकेंगे.

इसके अलावा सरकार के साथ-साथ आम लोगों के पास भी पूरा डेटा ऑनलाइन ही मौजूद होगा. इससे किसी तरह के फजीर्वाड़े में कमी आ सकेगी.

मलमास मेला ड्यूटी पर प्रशासन सख्त, बिहारशरीफ से राजगीर के लिए शुरू हुई विशेष बस सेवा

पटना (एजेंसी) राजगीर मलमास मेला 2026 में प्रतिनियुक्त अधिकारियों और कर्मियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने विशेष बस सेवा शुरू कर दी है. अब प्रतिदिन सुबह 5 बजे समाहरणालय परिसर, बिहारशरीफ से राजगीर मेला क्षेत्र के लिए बस रवाना होगी. (कंचन कुमार) राजगीर मलमास मेला 2026 में प्रतिनियुक्त अधिकारियों और कर्मियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने विशेष बस सेवा शुरू कर दी है. अब प्रतिदिन सुबह 5 बजे समाहरणालय परिसर, बिहारशरीफ से राजगीर मेला क्षेत्र के लिए बस रवाना होगी. प्रशासन का उद्देश्य कर्मियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करना और मेले की व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखना है. जिलाधिकारी के निर्देश पर शुरू हुई व्यवस्था जिलाधिकारी कुंदन कुमार के निर्देश पर जिला परिवहन विभाग ने यह विशेष व्यवस्था लागू की है. अधिकारियों का मानना है कि नियमित परिवहन सुविधा मिलने से ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को समय पर मेला क्षेत्र पहुंचने में सहूलियत होगी. औचक निरीक्षण में खुली थी लापरवाही की पोल हाल ही में किए गए औचक निरीक्षण के दौरान कई अधिकारी और कर्मचारी अपने निर्धारित काउंटरों से अनुपस्थित पाए गए थे. इस मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने कारणों की जांच कराई, जिसमें परिवहन संबंधी समस्याएं सामने आईं. निजी वाहन नहीं होने से हो रही थी परेशानी जांच में पता चला कि बिहारशरीफ से राजगीर आने-जाने के लिए कई कर्मियों के पास निजी वाहन नहीं थे. वहीं सार्वजनिक परिवहन की सीमित उपलब्धता के कारण उन्हें समय पर ड्यूटी स्थल पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था. अनुपस्थिति की शिकायतों के बाद बड़ा फैसला सूत्रों के अनुसार मलमास मेला ड्यूटी से एक दर्जन से अधिक कर्मियों के अनुपस्थित पाए जाने के बाद प्रशासन ने परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने का निर्णय लिया. इसी के तहत विशेष बस सेवा शुरू की गई है

बिहार में अब नहीं होगी बालू की कमी, 161 नए घाटों से जल्द शुरू होगा खनन, निर्माण कार्यों को मिलेगी रफ्तार

पटना (एजेंसी) बिहार में जल्द ही 161 नए बालू घाटों से खनन शुरू होने वाला है. इससे बाजार में बालू की उपलब्धता बढ़ेगी और निर्माण कार्यों के लिए लोगों को उचित कीमत पर आसानी से बालू मिल सकेगा. बिहार में निर्माण कार्यों के लिए बालू की उपलब्धता जल्द और बेहतर होने वाली है. राज्य सरकार ने पीला बालू के 107 और उजला बालू के 54 नए घाटों की बंदोबस्ती पूरी कर ली है. अब इन घाटों से जल्द खनन शुरू करने की तैयारी चल रही है. कई जिलों को मिलेगा फायदा जिन नए घाटों से खनन शुरू होना है, उनमें भोजपुर, अरवल, औरंगाबाद, पटना, गया और जमुई जैसे जिले प्रमुख हैं. इन जिलों में खनन शुरू होने से स्थानीय स्तर पर बालू की उपलब्धता बढ़ेगी और लोगों को निर्माण कार्यों के लिए आसानी से बालू मिल सकेगा. 311 पीला और 89 उजला बालू घाट होंगे सक्रिय वर्तमान में राज्य में पीला बालू के लगभग 204 घाटों और उजला बालू के 35 घाटों से खनन हो रहा है. नए घाटों के शुरू होने के बाद पीला बालू के सक्रिय घाटों की संख्या बढ़कर 311 हो जाएगी. वहीं उजला बालू के 89 घाटों से खनन शुरू हो जाएगा. विशेषज्ञों का मानना है कि घाटों की संख्या बढ़ने से बाजार में बालू की आपूर्ति बेहतर होगी और कीमतों पर भी सकारात्मक असर पड़ सकता है. कई घाटों की नीलामी अभी बाकी खान एवं भूतत्व विभाग के अनुसार राज्य में पीला बालू के कुल 466 घाट चिन्हित हैं. इनमें से अब तक 311 घाटों की ही बंदोबस्ती हो सकी है, जबकि 155 घाटों की प्रक्रिया अभी बाकी है. वहीं उजला बालू के कुल 541 घाट हैं. इनमें से 452 घाटों की नीलामी अभी तक नहीं हुई है. विभाग ने इन सभी घाटों की नीलामी प्रक्रिया तेज करने के लिए संबंधित जिला प्रशासन को निर्देश जारी किए हैं. निर्माण क्षेत्र को मिलेगी राहत अधिकारियों का मानना है कि अधिक घाटों से खनन शुरू होने पर बालू की कमी की समस्या कम होगी. इससे आम लोगों, मकान बनाने वालों और निर्माण एजेंसियों को उचित दर पर बालू उपलब्ध हो सकेगा. साथ ही राज्य में चल रही विकास परियोजनाओं को भी गति मिलने की उम्मीद है.

बिहार में बिना रजिस्ट्रेशन नहीं चलेगा ड्राइविंग स्कूल, परिवहन विभाग जल्द जारी करेगा नया गाइडलाइन

पटना (एजेंसी) बिहार में ड्राइविंग स्कूलों के लिए नया गाइडलाइन जारी होने वाला है. परिवहन विभाग की ओर से पोर्टल बनाया जा रहा है. नये गाइडलाइन के मुताबिक, बिना रजिस्ट्रेशन राज्य में ड्राइविंग स्कूल नहीं चलेंगे. पटना से प्रह्लाद कुमार की रिपोर्ट अब सार्वजनिक सड़क पर मोटर ड्राइविंग नहीं सीख पायेंगे. ड्राइविंग सीखाने वाली एजेंसी को जगह का ब्योरा बताना होगा. इसके साथ ही राज्यभर में चल रहे सभी ड्राइविंग स्कूलों को पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा. परिवहन विभाग ऐसे स्कूलों के लिए एनआईसी के माध्यम से पोर्टल तैयार कर रहा है, जहां सभी ड्राइविंग स्कूलों को रजिस्ट्रेशन कराना होगा. जानकारी के मुताबिक, इन स्कूलों को रजिस्ट्रेशन भी अनिवार्य किया जायेगा, ताकि इन स्कूलों से ट्रेनिंग लेने वाले वाहन चालकों का प्रमाण पत्र मान्य हो सकें. विभागीय समीक्षा में पाया गया कि ड्राइविंग स्कूलों की संख्या लगातार बढ़ रही है. लेकिन इन स्कूलों का कहीं कोई रजिस्ट्रेशन नहीं है. बिना लाइसेंस लिए सड़क पर सीखने वालों पर होगी कार्रवाई ड्राइविंग स्कूलों में ट्रेनिंग मामले में विभाग नियमों को सख्त बनाया जायेगा. विभाग गाइडलाइन जारी करने जा रहा है, जिसमें ड्राइविंग स्कूल रजिस्ट्रेशन के बाद कहां ट्रेनिंग देंगे, इसका पूरा ब्योरा विभाग को देना होगा. खुली सड़कों, भीड़-भाड़ वाले इलाकों में ट्रेनिंग नहीं कराया जायेगा. साथ ही ड्राइविंग स्कूल की गाड़ियों पर अगर कोई व्यक्ति सड़क पर गाड़ी चला रहा है, तो उस व्यक्ति के पास लाइसेंस अनिवार्य रूप से रहना चाहिए. ऐसा नहीं होने पर ट्रेनिंग लेने और ट्रेनिंग देने दोनों पर कार्रवाई की जायेगी. ऑनलाइन और ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की होगी व्यवस्था विभागीय अधिकारियों के मुताबिक निजी तौर पर हर दिन खुल रहे ड्राइविंग स्कूल को रजिस्ट्रेशन कराने के लिए राज्य भर में विभाग पोर्टल की व्यवस्था करेगा. अगर कोई ड्राइविंग स्कूल के प्रबंधक पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने में सक्षम नहीं है तो वह जिला के डीटीओ कार्यालय से भी रजिस्ट्रेशन करा पायेगा. इसके लिए व्यवस्था की जायेगी, ताकि किसी भी व्यक्ति को परेशानी नहीं हो.

पटना सहित बिहार में 10 लाख से ज्यादा आय वालों पर गैस सब्सिडी बंद, लाखों उपभोक्ताओं को अलर्ट मैसेज

पटना (एजेंसी) पटना सहित बिहार में 10 लाख रुपये से अधिक वार्षिक आय वाले उपभोक्ताओं की गैस सब्सिडी बंद करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और इसके लिए लाखों लोगों को अलर्ट मैसेज भेजा जा रहा है. पटना सहित बिहार में एलपीजी उपभोक्ताओं के बीच हड़कंप मच गया है. तीनों सरकारी गैस कंपनियों ने एक बड़ा फैसला लेते हुए 10 लाख रुपये से अधिक वार्षिक आय वाले उपभोक्ताओं को गैस सब्सिडी से बाहर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. इसके लिए लाखों उपभोक्ताओं को अलर्ट मैसेज भेजा जा रहा है. 10 लाख से ज्यादा आय वालों की सब्सिडी होगी बंद तेल कंपनियों के अनुसार जिन उपभोक्ताओं या उनके परिवार की वार्षिक आय 10 लाख रुपये से अधिक है, उन्हें गैस सब्सिडी के दायरे से बाहर किया जाएगा. ऐसे उपभोक्ताओं को केवल 7 दिन का समय दिया गया है, जिसमें वे आपत्ति दर्ज करा सकते हैं. लाखों उपभोक्ताओं को भेजा जा रहा मैसेज सूत्रों के अनुसार पटना सहित पूरे बिहार में 20 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को यह अलर्ट मैसेज भेजा जा रहा है. मैसेज में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि निर्धारित समय में जवाब नहीं दिया गया तो सब्सिडी स्वतः बंद कर दी जाएगी. 234.65 लाख उपभोक्ता आए रडार पर बिहार में कुल 234.65 लाख एलपीजी उपभोक्ता हैं. इनमें आईओसी के 110.57 लाख, बीपीसीएल के 57.05 लाख और एचपीसीएल के 67.01 लाख उपभोक्ता शामिल हैं. अकेले पटना में भी 13 लाख से अधिक एलपीजी उपभोक्ता बताए जा रहे हैं. सरकारी कर्मचारी और कारोबारी प्रभावित होंगे इस नई व्यवस्था से सरकारी कर्मचारी, अधिकारी, कारोबारी और उच्च आय वर्ग के उपभोक्ता सीधे प्रभावित होंगे. सरकार का उद्देश्य केवल पात्र और जरूरतमंद उपभोक्ताओं को ही सब्सिडी देना है. मृत उपभोक्ताओं के कनेक्शन भी जांच के दायरे में गैस कंपनियों ने मृत उपभोक्ताओं के कनेक्शनों की भी जांच शुरू कर दी है. आधार डाटाबेस के जरिए ऐसे कनेक्शनों की पहचान की जा रही है जिनके धारक अब जीवित नहीं हैं. 30 दिन में ट्रांसफर नहीं तो कनेक्शन बंद कंपनियों ने स्पष्ट किया है कि जिन उपभोक्ताओं की मृत्यु हो चुकी है, उनके परिवार को 30 दिन के भीतर कनेक्शन को वैध सदस्य के नाम ट्रांसफर कराना होगा, अन्यथा कनेक्शन स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा. टोल फ्री नंबर से दर्ज करा सकते हैं शिकायत यदि किसी उपभोक्ता को इस कार्रवाई पर आपत्ति है तो वे टोल फ्री नंबर 1800-2333-555 पर संपर्क कर सकते हैं. सरकारी स्तर पर चल रही है प्रक्रिया गैस कंपनियों के अधिकारियों के अनुसार यह पूरी प्रक्रिया केंद्र सरकार के निर्देश पर की जा रही है

मामले पर रामकृपाल यादव बोले- पीएम मोदी ने खुद लिया है संज्ञान, राबड़ी आवास विवाद पर भी बोले बिहार के मंत्री

पटना (एजेंसी) परीक्षा में गड़बड़ी और राबड़ी देवी के सरकारी आवास को लेकर जारी राजनीतिक बहस के बीच बिहार सरकार के मंत्री रामकृपाल यादव ने विपक्ष पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि सरकार दोनों मामलों में नियम और कानून के तहत काम कर रही है. बिहार और देश की राजनीति में इस समय दो मुद्दों को लेकर बहस तेज है. पहला मामला परीक्षा में सामने आई गड़बड़ियों का है, जबकि दूसरा पूर्व मुख्यमंत्रियों को मिलने वाले सरकारी आवास और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा है. इन दोनों मुद्दों पर बिहार सरकार के मंत्री रामकृपाल यादव ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान रामकृपाल यादव ने कहा कि परीक्षा में सामने आई अनियमितताओं को लेकर सरकार पूरी तरह गंभीर है. उन्होंने कहा कि विपक्ष इस मुद्दे पर राजनीति कर रहा है, जबकि केंद्र सरकार लगातार सुधारात्मक कदम उठा रही है. उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में जहां-जहां कमियां सामने आई हैं, उन्हें दूर करने के लिए बड़े स्तर पर काम किया जा रहा है. सरकार का उद्देश्य है कि भविष्य में छात्रों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना प्रधानमंत्री ने लिया है संज्ञान मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पूरे मामले पर नजर रखी है. उन्होंने कहा कि मामले की गहराई से जांच के लिए उच्च स्तरीय कमेटी बनाई गई है, जो सभी पहलुओं की जांच कर रही है. रामकृपाल यादव ने कहा कि सरकार यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर किस स्तर पर चूक हुई और इसके लिए कौन जिम्मेदार है. जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. दिग्विजय सिंह के बयान पर पलटवार कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग किए जाने पर रामकृपाल यादव ने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वह केवल आरोप लगाने में जुटा हुआ है.राबड़ी देवी के बंगले पर भी रखी सरकार की बात पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास को लेकर उठे विवाद पर भी मंत्री ने सरकार का पक्ष रखा. उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्रियों को आवास और सुरक्षा देने के लिए स्पष्ट सरकारी नियम बने हुए हैं. रामकृपाल यादव ने कहा कि बिहार में जो भी फैसले लिए जाते हैं, वे निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के तहत ही होते हैं. किसी भी व्यक्ति के साथ पक्षपात नहीं किया जाता. सुरक्षा और आवास को लेकर तय है प्रोटोकॉल मंत्री ने कहा कि राज्य में पूर्व मुख्यमंत्रियों को सुरक्षा और आवास उपलब्ध कराने के लिए एक तय प्रोटोकॉल है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लंबे समय तक राज्य का नेतृत्व करते रहे हैं. ऐसे में प्रशासनिक स्तर पर कई फैसले लिए जाते हैं, जिन पर अलग-अलग राय हो सकती है, लेकिन सरकार नियमों के अनुसार ही काम करती है

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं , लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

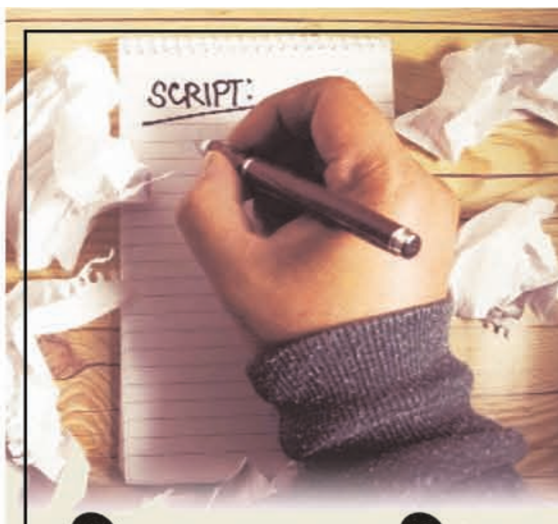

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढ़ने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढ़ने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है।

जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढ़ना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णतः व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गई। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।

अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल सहित कई बदलावों को दी मंजूरी

–अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के कारण क्रिकेट कनाडा को निलंबित किया

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यहां हुई अपनी सालाना आम बैठक में टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के प्रयोग सहित कई अन्य बदलावों को अपनी मंजूरी दे दी है हालांकि ये सभी नियम इस साल अक्टूबर से अमल में लाये जाएंगे। आईसीसी ने कहा है कि खराब रोशनी के दौरान गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। आईसीसी ने इसके अलावा टीम के मुख्य कोच को ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से रणनीतिक चर्चा करने की अनुमति भी दे दी है। वहीं इस दो दिवसीय बैठक में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के चलते क्रिकेट कनाडा की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

आईसीसी के बयान के अनुसार, टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद का उपयोग दोनों टीमों की सहमति से परीक्षण के आधार पर किया जाएगा जिससे खराब रोशनी की स्थिति में अधिक से अधिक समय तक खेल हो सके। इस नई व्यवस्था के तहत, मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन यदि दिन के खेल के दौरान रोशनी कम हो जाती है और कुछ ओवर बाकी रह जाते हैं, तो दोनों टीमों की सहमति पर उन शेष ओवरों को फ्लडलाइट्स के दौरान गुलाबी गेंद से पूरा किया जा सकेगा हालांकि भारतीय टीम इस व्यवस्था को स्वीकार करेगी ये अभी पक्का नहीं है क्योंकि भारतीय क्रिकेटर घरेलू हालातों में गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने को लेकर पहले भी तैयार नहीं थे। इसका कारण गुलाबी गेंद से मिलने वाला अधिक सीम मूवमेंट है। वहीं आईसीसी ने खराब रोशनी के कारण खेल में समय के नुकसान को कम करने के लिए मैच अधिकारियों और मैदानों में प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी नई तकनीकों को बेहतर बनाने की भी मंजूरी दी है, इससे किए आईसीसी और मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) संयुक्त रूप से आर्थिक सहायता करेंगे।

खेल नियमों में एक और सुधार करते हुए आईसीसी ने अब मुख्य कोच या उनके प्रतिनिधियों को निर्धारित ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर आकर खिलाड़ियों से बात करने की अनुमति दे दी है। यह सुविधा टी20 क्रिकेट में दी जा रही रणनीतिक टाइम आउट सुविधा के समान है। ये अब टेस्ट क्रिकेट में भी उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त, टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए 15 मिनट के अनिवार्य अंतराल और खेल दोबारा शुरू होने पर बल्लेबाजों के तुरंत तैयार रहने से जुड़े नियमों को भी मंजूरी दी गयी है। वहीं प्रशासनिक मोर्चे पर, आईसीसी ने भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों पर क्रिकेट कनाडा को निलंबित करने के साथ-साथ बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनावों की निगरानी के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। गेंदबाजी नियमों में भी बदलाव किए गए हैं। वैध गेंदबाजी एक्शन पर प्रभावी निगरानी के लिए अब मैदानी अंपायरों को हॉक-आई डेटा तक पहुंच मिलेगी, जिससे वे किसी गेंदबाज के एक्शन की रिपोर्ट करते समय इन आंकड़ों का उपयोग कर सकेंगे। लेग साइड वाइड से जुड़े परीक्षण नियम को भी स्थायी रूप से अपनाने की मंजूरी दी गई है। वहीं इसके अलावा महिला क्रिकेट के विकास को बढ़ावा देने के लिए आईसीसी ने महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 के आयोजन को भी मंजूरी दी है। इस 10 टीमों के टूर्नामेंट में पांच पूर्ण सदस्य और पांच एसोसिएट सदस्य देश हिस्सा लेंगे, जिनका चयन रैंकिंग और महिला टी20 विश्व कप क्वालीफिकेशन प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।

आईपीएल 2026 में फ्लाप रहे बुमराह

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए आईपीएल का 2026 सत्र बेहद खराब रहा और वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। वहीं उनकी टीम मुम्मई इंडियंस को उम्मीद थी कि वह धमाकेदार प्रदर्शन करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। बुमराह पूरे सत्र में संघर्ष करते दिखे और उनकी गेंदों पर काफी चौके और छक्के तक लगे। इसके कारण मुम्बई इंडियंस को भी काफी नुकसान उठाना पड़ा।

इस पूरे सत्र में बुमराह 13 मुकाबलों में केवल 4 विकेट ही ले पाये। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 का रहा। ये किसी आईपीएल सत्र में 30 से अधिक ओवर फेंकने वाले किसी भी गेंदबाज के लिए सबसे खराब आंकड़ा है। विकेट लेने की अपनी असाधारण क्षमता के लिए मशहूर बुमराह एक भी मैच में बल्लेबाजों पर दबाव नहीं डाल सके। वह हर मैच में विकेट के लिए तरसते दिखे। 9 मैचों में तो वह एक भी विकेट नहीं ले पाये। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक भी मैच में बुमराह दो विकेट तक नहीं ले पाये।

उनके पिछले रिकॉर्ड्स को देखते हुए, यह उनके आईपीएल करियर का सबसे खराब सत्र रहा। इससे पहले साल 2013 और 2015 में भी उन्होंने केवल 3-3 विकेट ही लिए थे पर तब वह नये गेंदबाज थे। वहीं स बार पूरा सत्र खेलने के बाद भी वह विफल रहे। बुमराह के इस प्रकार असफल होने से उनकी टीम मुंबई इंडियंस भी प्रभावित हुई और केवल चार मैच ही जीतकर अंक तालिका में नवें स्थान पर रही। वहीं बुमराह के लय में नहीं होने से विरोधी टीमों ने मुम्बई के अन्य गेंदबाजों को भी जमकर पीटा। इससे टीम को भी 10 मैचों में हार झेलनी पड़ी।

वैभव पर अध्ययन करेगा आईआईएम इंदौर

इंदौर (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से सबको हैरान करने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को मिली सफलता से सभी हैरान हैं। प्रशंसकों को ये समझ नहीं आ रहा है कि इतनी कम उम्र में कोई इतना सफल कैसे हो सकता है। इसी को देखते हुए भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) इंदौर ने वैभव के मामले को दुर्लभ मानते हुए अध्ययन का फैसला किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार अपनी उम्र से कहीं बेहतर बल्लेबाजी क्षमता और छक्के मारने की कला के पीछे के रहस्यों का खुलासा करने के लिए खेल, मनोविज्ञान और प्रबंधन के शीर्ष विशेषज्ञ एक साथ काम करेंगे। किसी खिलाड़ी पर आधारित यह देश का पहला अध्ययन होगा जिसमें ये जानने का प्रयास किया जाएगा कि इतनी कम उम्र के बाद भी वह मैचों के दौरान विपरीत हालातों के बीच भी दबाव में क्यों नहीं आते। वैभव ने आईपीएल सत्र में सबसे अधिक 72 छक्के लगाकर वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल का 14 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा था। इसके अलावा 700 से अधिक रन बनाये। वह इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। ये अध्ययन केवल वैभव की खेल उपलब्धियों का ही विश्लेषण नहीं करेगी, बल्कि उन सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, पारिवारिक और संस्थागत कारकों को भी गहराई से समझने की कोशिश करेगी जो कम उम्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को आकार देने में सहायक साबित होते हैं। संस्थान का मानना है कि वैभव की क्रिकेट यात्रा के पीछे व्यक्तिगत क्षमता के साथ-साथ कड़ी मेहनत, परिवार का त्याग, समर्पण और मेंटर्स का योगदान भी बेहद अहम रहा है। यह शोध केवल सफलता पर ही केंद्रित नहीं होगा, बल्कि प्रतिभा के विपरीत प्रभाव को भी सामने लायेगा। आम तौर पर देखा जाता है कि बेहद कम उम्र में मिलने वाली भारी प्रसिद्धि, करोड़ों रुपये के आकर्षक ऑफर और सोशल मीडिया का अनियंत्रित दबाव युवा प्रतिभाओं को विचलित कर देता है। इसके चलते कई खिलाड़ी मानसिक थकान और अत्यधिक अपेक्षाओं के बोझ तले दबकर अपनी पूरी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाते। इस अध्ययन के माध्यम से एक ऐसे इकोसिस्टम का ब्लूप्रिंट तैयार किया जाएगा, जो कॉर्पोरेट जगत को भी प्रतिभा प्रबंधन का एक बिल्कुल नया और प्रभावी मॉडल प्रदान करेगा।

फीफा विश्वकप 2026, कई नये नियमों के साथ खेला जाएगा

सेन डियागो (एजेंसी)। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले आगामी फीफा विश्वकप 2026 में फुटबॉल के खेल में कई अभूतपूर्व नियम लागू किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य मैदान पर खिलाड़ियों के अनुशासन को मजबूत करना और खेल भावना को बढ़ावा देना है। 11 जून से शुरू होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट में अब खिलाड़ी बहस के दौरान अपना मुंह नहीं छिपा सकेंगे। यदि कोई खिलाड़ी ऐसा करता है, तो उसे तत्काल लाल कार्ड का सामना करना पड़ेगा। यह महत्वपूर्ण कदम खिलाड़ियों के बीच होने वाले मौखिक दुर्व्यवहार, विशेषकर नस्लीय टिप्पणियों को रोकने के लिए उठाया गया है, जिसने अतीत में खेल की छवि को धूमिल किया है।

मौखिक दुर्व्यवहार पर अंकुश लगाने के इस कदम के अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के नियम तय करने वाली संस्था, इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड (आईएफएबी) ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा की है। अब रेफरी के फैसले के विरोध में मैदान छोड़ने वाले किसी भी खिलाड़ी को लाल कार्ड दिखाया जा सकता है। यह नियम उन टीम अधिकारियों पर भी समान रूप से लागू होगा जो अपने खिलाड़ियों को विरोध में मैदान छोड़ने के लिए उकसाते हैं। आईएफएबी ने स्पष्ट किया है कि विश्व कप में भाग लेने वाली सभी 48 टीमों को इन सभी संशोधनों के बारे में विस्तार से सूचित किया जाएगा ताकि किसी भी प्रकार की गलतफहमी न हो।

इन अनुशासनात्मक बदलावों के साथ-साथ, फीफा ने विश्व कप के पीले कार्ड संबंधी नियमों में भी संशोधन किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि महत्वपूर्ण नॉकआउट मैचों के लिए कम खिलाड़ियों को निलंबन का सामना करना पड़े। नए नियम के अनुसार, विश्व कप के दौरान किसी खिलाड़ी को मिले पीले कार्ड दो बार उसके रिकॉर्ड से हटा दिए जाएंगे। फीफा परिषद ने फीफा विश्व कप 2026 के नियमों में संशोधन करते हुए यह तय किया है कि ग्रुप चरण में मिला कोई भी पीला कार्ड नॉकआउट चरण में मान्य नहीं होगा। इसका अर्थ है कि नॉकआउट चरण में प्रवेश करने वाले सभी खिलाड़ियों को क्लीन स्लेट के साथ शुरुआत करने का मौका मिलेगा। इसी तरह, क्वार्टर फाइनल में मिला एक पीला कार्ड अगले मैचों (सेमीफाइनल और फाइनल) के लिए मान्य नहीं होगा।

विश्व कप में इससे पहले यदि किसी खिलाड़ी को दो अलग-अलग मैचों में पीला कार्ड दिखाया जाता था तो उसे एक मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ता था। हालांकि, पिछले टूर्नामेंटों में क्वार्टर फाइनल चरण के बाद एक पीले कार्ड को रद्द कर दिया जाता था, जिससे यह सुनिश्चित होता था कि सेमीफाइनल में पीला कार्ड मिलने के कारण कोई भी खिलाड़ी फाइनल जैसे महत्वपूर्ण मैच से बाहर न हो। ये नए नियम खिलाड़ियों को बिना अनावश्यक दबाव के बड़े मैचों में अपनी पूरी क्षमता से खेलने का अवसर प्रदान करेंगे, जिससे टूर्नामेंट का रोमांच और बढ़ जाएगा। ये सभी नियम फीफा विश्वकप 2026 को न केवल खेल के लिहाज से बल्कि नैतिकता और निष्पक्षता के दृष्टिकोण से भी एक नए स्तर पर ले जाने का प्रयास करेंगे।

6 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट से शुरु होगा भारतीय टीम का नया कैलेंडर

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के साथ ही समाप्त हो गया है। ऐसे में अब इसमें खेल रहे खिलाड़ियों को कोई लंबा ब्रेक मिलने नहीं जा रहा है। इसका कारण है कि भारतीय टीम का नया अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर 6 जून अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से शुरु होगा। भारतीय टीम को अपनी ही धरती पर अफगानिस्तान से सीरीज खेलनी है। भारत दौरे पर आ रही अफगानिस्तान की टीम भारतीय टीम से एक टेस्ट और तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। ऐसे में प्रशंसकों को विराट कोहली और रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ी एक बार फिर एकदिवसीय सीरीज में खेलते दिखेंगे।

मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय, युवाओं की भागीदारी बढेगी

मुम्बई । आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह अंक तालिका में 9 वें स्थान पर रही। टीम के स्टार खिलाड़ी भी असफल रहे। इसका अंदाजा इसी से होता है कि सबसे अधिक रन बनाने और विकेट लेने वाले शीर्ष दस-दस खिलाड़ियों में इसका एक भी खिलाड़ी शामिल नहीं था। आईपीएल के पिछले सत्र में भी टीम का प्रदर्शन खराब रहा था। इस प्रकार लगातार दो सत्र में निराशाजनक सत्र को देखते हुए अब माना जा रहा है कि मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय हैं। फ्रेंचाइजी अब टीम को नए सिरे से तैयार करना चाहती है। इसके तहत टीम में कप्तानी में बदलाव और एक अनुभवी बल्लेबाज को अलग भूमिका देने की योजना शामिल है। आईपीएल 2024 में 10वें और आईपीएल 2026 में 9वें स्थान पर रहने के बाद टीम प्रबंधन अब ये बदलाव करने जा रहा है। टीम में अब युवा खिलाड़ियों की भी भागीदारी बढ़ायी जा सकती है। कप्तान हार्दिक पांड्या के भविष्य को लेकर जारी संशय के बीच ही टीम अब नए नेतृत्व विकल्पों की तलाश में है। ये भी कहा जा रहा है कि युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को कप्तान बनाने जाने की संभावना है। युवा तिलक को आईपीएल 2027 से मुंबई इंडियंस की कप्तानी सौंपी जा सकती है। तिलक पिछले कुछ साल से लगातार मुंबई इंडियंस में शामिल रहे हैं और अपने लगातार प्रदर्शन से टीम प्रदर्शन का भरोसा जीतने में कामयाब रहे हैं। टीम के भीतर इस बात पर भी चर्चा है कि उन्हें लंबे समय तक नेतृत्व की भूमिका के लिए तैयार किया जा सकता है। वहीं कप्तानी की दौड़ में दो अन्य अनुभवी खिलाड़ी हैं। इसमें सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं। सूर्या ने आईपीएल 2026 में तीन मैचों में मुंबई की कप्तानी की थी, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति में एक मैच में टीम की कप्तानी की थी। ये भी कहा जा रहा है कि फ्रेंचाइजी इन नए बदलावों को जल्द से जल्द लागू करना चाहती है।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए हेटमायर और अल्जारी को शामिल किया

जमैका (एजेंसी)। 3 जून से 8 जून श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए आक्रामक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर और तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की वेस्टइंडीज टीम में वापसी हुई है। ये दोनो ही फिट नहीं होने के कारण पिछले कुछ समय से टीम से बाहर थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इस सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। ये सीरीज अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप और 2027 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने के वेस्टइंडीज के अभियान के लिए अहम मानी जा रही है।

हेटमायर को एकदिवसीय टीम में शामिल करना अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए योजना का एक हिस्सा माना जा रहा है। वह सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे। उनकी आने से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी। वहीं, तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ जुलाई 2025 से ही पीठ की चोट के कारण बाहर थे और अब लगभग एक साल बाद खेल में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। उनके अलावा स्पिनर गुडाकेश मोती को भी टीम में जगह मिली है, जिससे गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होने की उम्मीद है।

यह एकदिवसीय सीरीज 3 जून से 8 जून तक जमैका के सबीना पार्क में खेली जाएगी। यह सीरीज वेस्टइंडीज के लिए 2027 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने के अभियान की शुरुआत मानी जा रही है। ऐसे में इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन को लेकर टीम पर दबाव होगा। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने श्रीलंका को एक मजबूत और अनुशासित एकदिवसीय टीम करार दिया है। सैमी के अनुसार श्रीलंकाई खिलाड़ी हालातों के अनुसार खेलते हैं। सैमी ने कहा कि इस सीरीज से उनकी टीम को अपने खेल का स्तर जानने और उसमें सुधार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने फील्डिंग में तेजी, बल्लेबाजी में स्पष्ट सोच और गेंदबाजी में लगातार अच्छे प्रदर्शन पर भी जोर दिया है।

कोच सैमी ने कहा कि टीम की रणनीति निडर होकर आक्रामक अंदाज में खेलना रहेगा पर इसका मतलब ये नहीं होगा कि टीम गलती करेगी। उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी मजबूत पहचान बनाना रहेगा। उनका लक्ष्य घरेलू मैदान पर विरोधी टीमों के लिए कठिनाई पैदा करना रहेगा। उन्होंने जीत के लिए सामूहिक प्रयास और प्रत्येक खिलाड़ी के योगदान को जरुरी बजाया। साथ ही कहा कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रहेगी। सैमी ने यह भी कहा कि पिछले 18 महीनों से टीम इसी सोच के साथ काम कर रही है।

एकदिवसीय सीरीज के बाद, दोनों टीमें जमैका में ही तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेलेंगी, जिसके बाद यह दौरा एंटीगुआ में दो टेस्ट मैचों के साथ संपन्न होगा।

टीम इस प्रकार है–शाई होप (कप्तान/विकेटकीपर), एकीम ऑगस्टे, जॉन कैंपबेल, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरोन हेटमायर, आमिर जंगू, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स और शमर स्प्रिंगर।

नेमार विश्वकप फुटबॉल के पहले मैच में शायद ही खेल पायें

रियो डी जिनेरियो । फीफा विश्व कप 2026 से ठीक पहले ब्राजील को करारा झटका लगा है। उसके स्टार फॉरवर्ड नेमार अब तक अपनी चोट से नहीं उबर पाये हैं। इस कारण अब नेमार मिस्र के खिलाफ 5 जून को होने वाले दूसरे अभ्यास मैच के अलावा विश्वकप फुटबॉल के पहले मैच में भी शायद ही खेल पायें। नेमार की दाहिनी पिंडली की चोट अब तक ठीक नहीं हुई है। इस चोट के कारण ही वह पहले अभ्यास मैच में भी नहीं खेल पाये थे। ब्राजीली फुटबॉल कॉन्फेडरेशन (सीबीएफ) ने कहा है कि नेशनल कैंप में शामिल हुए नेमार पहले ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा नहीं ले सके और उन्हें अपनी चोटिल पिंडली के लिए अतिरिक्त मेडिकल जांच करवानी पड़ी। मेडिकल जांच और स्कैन से ग्रेड 2 की पिंडली की चोट की पुष्टि हुई है। सीबीएफ के मेडिकल विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह वही चोट है जिसने इस फॉरवर्ड खिलाड़ी को 17 मई से फुटबॉल मैदान से दूर रखा हुआ है। गौरतलब है कि नेमार ने अंतिम बार 17 मई को ब्राजील की नेशनल लीग में सैंटोस की ओर से खेलते हुए कोरीटिबा के खिलाफ मैच खेला था, जिसमें उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा था। सीबीएफ के डॉक्टर रोड्रिगो लास्मार ने स्थानीय मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि इस अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी को पूरी तरह से ठीक होने में लगभग दो से तीन सप्ताह का समय लग सकता है। इस अनुमानित रिकवरी अवधि को देखते हुए, विश्व कप के शुरुआती मैचों में नेमार की उपलब्धता को लेकर गंभीर संदेह उत्पन्न हो गया है। नेमार बुधवार को रियो डी जनेरियो के बाहर टेरेसोपोलिस में स्थित पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील के ट्रेनिंग सेंटर में टीम के बाकी सदस्यों के साथ जुड़े थे। हालांकि, अंतिम मेडिकल जांच के परिणामों का अभी भी इंतजार है पर मौजूदा हालातों को देखते हुए उनके विश्वकप के पहले मैच तक ठीक होने की संभावना नहीं है। वहीं नेमार ने शुरुआत में विश्व कप में अपनी उपलब्धता को लेकर जताई जा रही चिंताओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया था। यह भी ध्यान देने योग्य है कि ब्राजील के लिए सबसे अधिक गोल करने वाले नेमार का करियर पिछले दो सालों से चोटों से बुरी तरह प्रभावित रहा है। उन्होंने ब्राजील के लिए अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 17 अक्टूबर 2023 को खेला था। 128 मैचों में 79 गोल कर चुके नेमार का बाहर होना ब्राजील के लिए एक बड़ा नुकसान होगा।

फीफा विश्व कप: 'अब सिर्फ खिताब जीतना है', हैरी केन ने इंग्लैंड का लक्ष्य किया साफ

फ्लोरिडा (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 से पहले इंग्लैंड की टीम ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं। कप्तान हैरी केन और मुख्य कोच थॉमस टुचेल ने कहा है कि टीम का एकमात्र लक्ष्य विश्व चैंपियन बनना और जर्सी पर दूसरा सितारा जोड़ना है।

थॉमस टुचेल की अगुआई वाली इंग्लैंड टीम विश्व कप की तैयारियों के लिए फ्लोरिडा पहुंच चुकी है। इंग्लैंड को ग्रुप एल में क्रोएशिया, घाना और पनामा के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 17 जून को आर्लिंगटन में क्रोएशिया के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

विश्व कप से पहले टीम फ्लोरिडा में मौसम और परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने की तैयारी कर रही है। हालांकि, बुकायो साका, डेक्लान राइस, नोनी मडुके और एबेरेची एज़े को यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल के बाद अतिरिक्त आराम दिया गया है। वहीं, मार्कस रैशफोर्ड पहले ही मियामी में टीम से जुड़ चुके हैं और गर्म मौसम में विशेष ट्रेनिंग कर रहे हैं।

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में टीम के भीतर एकता लगातार मजबूत हुई है, लेकिन अब समय खिताब जीतने का है। केन ने कहा, 'गैरेथ साउथगेट के शुरुआती दौर में हमने टीम को एकजुट बनाने और क्लब क्रिकेट को पीछे छोड़कर राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने पर काफी काम किया था। हर साल यह भावना और मजबूत होती गई। लेकिन अब उम्मीद सिर्फ एक है–फिनिश लाइन पार करना और ट्रॉफी जीतना।'

इंग्लैंड टीम की आधिकारिक डॉक्यूमेंट्री 'बिल्डिंग द ड्रीम' में भी दिखाया गया कि टुचेल ने खिलाड़ियों के साथ अपनी पहली बैठक में ही विश्व कप जीतने के लक्ष्य पर खुलकर चर्चा की थी।

टुचेल ने खिलाड़ियों से कहा, 'हम यहां क्यों हैं, इसका जवाब बिल्कुल साफ है। हम विश्व चैंपियन बनना चाहते हैं। हम अपनी जर्सी पर दूसरा सितारा जोड़ना चाहते हैं। मेरे लिए यह जरूरी है कि हम इस लक्ष्य के बारे में खुलकर बात करें। हमारा मिशन और लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है।'

टुचेल का मानना है कि सिर्फ प्रतिभा के दम पर विश्व कप नहीं जीता जा सकता। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में टीम की एकजुटता और आपसी विश्वास सबसे बड़ा अंतर पैदा करता है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ टैलेंट काफी नहीं है। यह केवल फुटबॉल, रणनीति या सेट-पीस की बात नहीं है। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में टीम का माहौल और खिलाड़ियों के बीच का रिश्ता बेहद महत्वपूर्ण होता है।'

टुचेल ने एक विश्व कप विजेता खिलाड़ी का उदाहरण देते हुए कहा कि क्वार्टर फाइनल और फाइनल के बीच फर्क सिर्फ खेल का नहीं, बल्कि टीम के भीतर बने भाईचारे का होता है। उन्होंने कहा, 'जब खिलाड़ी एक परिवार और भाईचारे की तरह जुड़ जाते हैं, तब वे एक-दूसरे के लिए सब कुछ देने को तैयार रहते हैं। यही भावना किसी टीम को चैंपियन बनाती है।' इंग्लैंड ने अब तक सिर्फ एक बार विश्व कप का खिताब जीता है। ऐसे में टुचेल और केन की नजरें इतिहास रचते हुए देश को दूसरा विश्व कप दिलाने पर टिकी हैं।

फ्रेंच ओपन 2026 : टियाफो को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे अर्नाल्डी

पेरिस । इटली के माटेओ अर्नाल्डी ने 19वें वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी फ्रांसिस टियाफो को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। अर्नाल्डी ने पांच घंटे 26 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में टियाफो को 7-6(5), 6-7(5), 3-6, 7-6(3), 6-4 से हराया। इसी के साथ ही 25 साल के अर्नाल्डी ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। इस मुकाबले में दोनो ही खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर हुई। पहले सेट में बराबरी के बाद, टियाफो ने अपनी जबरदस्त वापसी की और तीसरे सेट तक बढ़त बना ली। चौथे सेट में 4-1 की बढ़त के साथ ही टियाफो आगे हो गये पर टाईब्रेक में टियाफो ने आक्रामक खेल दिखाकर अच्छी वापसी की। उन्होंने बैकहैंड शॉट खेलने के बाद ही मैच को पांचवें सेट में पहुंचा दिया। इसके बाद अर्नाल्डी ने अच्छी लय हासिल कर ली। उन्होंने 4-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद टियाफो ने एक बार फिर अच्छे फोरहैंड शॉट लगाकर स्कोर 4-4 से बराबरी पर ला दिया। अर्नाल्डी ने अंत में अपने तीसरे मैच अंक को जीतकर यह मुकाबला जीता। अब उनका मुकाबला अपने ही साथी खिलाड़ी माटेओ बेरेटिनी से होगा। इस इस अर्नाल्डी के अलावा इटली के ही बेरेटिनी और फ्लेवियो कोबोली ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। ये पहली बार है जब एक ही ग्रैंड स्लैम के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में इटली के तीन खिलाड़ी पहुंचे हैं।

महाराष्ट्र और बंगाल में महिलाओं की योजना का लाखों अपात्र लोग ले रहे लाभ

राज्य सरकारें जांच के जरिए वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करने में जुटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिलाओं को आर्थिक सहायता देने के उद्देश्य से शुरू की गई सरकारी योजनाएं अब पात्रता और पारदर्शिता के सवालों के घेरे में हैं। महाराष्ट्र में लाड़की बहिन योजना से करीब 80 लाख लाभार्थियों के नाम हटाए जाने के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक बहस छिड़ गई है। वहीं पश्चिम बंगाल में भी लक्ष्मी भंडार योजना के तहत लाखों अपात्र लोगों के लाभ लेने का दावा किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं के लिए लाई गई इन योजनाओं का लाभ दोनों ही राज्यों में पुरुष भी ले रहे थे, जिसके बाद ये कदम उठाए गए हैं। दोनों राज्यों में सरकारें अब ई-केवाईसी, दस्तावेज सत्यापन और पात्रता की नई जांच के जरिए वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करने में जुटी हैं, जिससे इन महत्वाकांक्षी कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। बता दें महाराष्ट्र में प्रदेश सरकार की लाड़की बहिन योजना को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है। राज्य सरकार ने अनिवार्य ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी न करने वाले करीब 80 लाख लाभार्थियों के खाते बंद कर दिए हैं। ये कार्रवाई योजना को लेकर आ रही शिकायत के बाद की गई है। इस योजना का फायदा अपात्र भी उठा रहे थे।

जांच में सामने आया था कि कुछ पुरुष और सरकारी कर्मचारी भी गलत तरीके से 1500 रुपए की मासिक राशि ले रहे थे। इस धांधली को रोकने के लिए वेरिफिकेशन और ई-केवाईसी का अभियान शुरू किया गया था। वेरिफिकेशन में एक तकनीकी पेच भी फंसा। रिपोर्ट के मुताबिक मराठी भाषा में पूछे गए एक सवाल के गलत जवाब की वजह से करीब 24 लाख महिलाओं को सरकारी कर्मचारी मान लिया गया था। हालांकि, बाद में हुई जांच में इनमें से 20 लाख महिलाएं पूरी तरह पात्र पाई गईं थीं।

प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना में लाभार्थियों की संख्या कम होने को लेकर महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा केवल ई-केवाईसी लंबित रहने से जुड़ा नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई अन्य कारण भी हैं। तटकरे ने बताया कि सरकार ने ई-केवाईसी के लिए शुरुआती समयसीमा तय की थी, जिसे बाद में कई बार बढ़ाया गया। कुल मिलाकर लाभार्थियों को करीब 8 से 10 महीने का समय दिया गया। उन्होंने कहा कि यह सत्यापन प्रक्रिया राज्य की सभी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) योजनाओं में अपनाई जाती है, केवल लाड़की बहिन योजना तक सीमित नहीं है।

मंत्री तटकरे के मुताबिक पिछले 10 महीनों में किए गए डेटा सत्यापन में 11 से 12 लाख ऐसे लाभार्थी पाए गए, जिनकी वार्षिक आय 2.5 लाख रुपए से ज्यादा है। इसके अलावा करीब 4.75 से 5 लाख महिलाएं 65 साल की आयु सीमा पार कर चुकी हैं, जिसके कारण वे योजना के दायरे से बाहर हो गईं। तटकरे ने बताया कि करीब 14 हजार सरकारी कर्मचारी भी लाभार्थियों की सूची में शामिल पाए गए थे, इसके अलावा कुछ ऐसे किसान भी चिन्हित किए गए हैं, जो अन्य योजनाओं का लाभ भी ले रहे थे। करीब 3.25 लाख लाभार्थियों के नाम पर पंजीकृत वाहन भी पाए गए हैं।

वहीं, बीते हफ्ते पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने प्रदेश की लक्ष्मी भंडार को लेकर कहा था कि इस योजना का लाभ ले रहे कीरब 30 लाख लाभार्थी अपात्र हैं। इनमें से कई गैर-भारतीय हैं या उनके नाम वोटर लिस्ट से स्थायी रूप से हटाए जा चुके हैं। सीएम अधिकारी ने नई 'अन्नपूर्णा भंडार' योजना के लिए आवेदन फॉर्म जारी किया था। उन्होंने कहा कि पात्र महिलाओं को हर महीने 3,000 रुपए की वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस योजना के तहत अधिकारियों द्वारा आवेदन पत्रों का सत्यापन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत आवेदन किया है या एसआईआर से जुड़े ट्रिब्यूनल में वोटर लिस्ट में शामिल होने के लिए अपील की है, वे इस योजना के पात्र होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को बड़ी संख्या में शिकायतें मिली थीं कि जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हट चुके हैं और जिन्होंने ट्रिब्यूनल या सीएए के तहत आवेदन नहीं किया, वे भी योजना का लाभ ले रहे थे। सरकार 1 जून से 90 दिनों तक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से नामांकन प्रक्रिया शुरु कर दी है। पंचायत क्षेत्रों में अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने का अभियान भी शुरू किया जाएगा। सीएम अधिकारी ने दावा किया कि सत्यापन की कमी के कारण योजना में पुरुष लाभार्थियों के नाम भी शामिल हो गए थे। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं 2 जून तक सफलतापूर्वक नामांकन करा लेंगी, उन्हें अगले कैबिनेट बैठक के बाद डीबीटी के जरिए राशि भेजी जाएगी।

दिल्ली के मुकुंदपुर में सिलेंडर फटने से ढहा मकान

-मलबे से सुरक्षित निकाले गए छह लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भलस्वा डेरी के पास मुकुंदपुर इलाके से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। यहाँ के इशु विहार की गली नंबर 1 में सुबह अचानक एक एलपीजी सिलेंडर फट गया, जिसके बाद जोरदार धमाका हुआ। धमाका इतना भीषण था कि लगभग 250 वर्ग गज में बना एक मंजिला मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गया। इस घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की पाँच गाड़ियाँ तुरंत मौके पर पहुँचीं। आपातकालीन और बचाव टीमों ने स्थानीय लोगों की मदद से फौरन सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। राहत की बात यह रही कि अब तक मलबे के नीचे से दो महिलाओं सहित कुल छह लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इनमें से दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी बीएसए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि इस मकान में कुछ मजदूर अपने परिवार के साथ रहते थे। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और मलबे को हटाया जा रहा है।

बांद्रा में बिना अनुमति उड़ाए सैकड़ों ड्रोन, पुलिस ने मैनेजर को हिरासत में लिया

-ड्रोन समेत अन्य उपकरण जब्त, एक ड्रोन की कीमत करीब 80 हजार रुपए

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में बांद्रा पश्चिम में बड़े पैमाने पर बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मुंबई पुलिस आयुक्त द्वारा जारी निषेधाज्ञा और सुरक्षा संबंधी नियमों की अनदेखी करते हुए मैदान में करीब 200 से 250 ड्रोन उड़ाकर वीडियो शूटिंग की जा रही थी सूचना मिलने पर बांद्रा पुलिस की टीम ने मौके पर छापेमारी कर एक निजी कंपनी के मैनेजर को हिरासत में लिया और बड़ी संख्या में ड्रोन समेत अन्य उपकरण जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक 28 मई की रात बांद्रा पुलिस स्टेशन के डिटेक्शन स्टाफ को सूचना मिली थी कि बांद्रा पश्चिम स्थित विंग्स स्पोर्ट क्लब ग्राउंड में बड़ी संख्या में ड्रोन उड़ाकर वीडियो शूटिंग की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो आसमान में सैकड़ों ड्रोन उड़ते हुए दिखाई दिए। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर ड्रोन संचालन रुकवाया और मौके पर मौजूद व्यक्ति को हिरासत में लिया जिसकी पहचान गोपाल नारायण सिंह (45) के रूप में हुई, जो दक्षिण दिल्ली के संगम विहार का रहने वाला है। उसने पुलिस को बताया कि वह बोल्डसन मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड में मैनेजर के पद पर कार्यरत है और कंपनी के विज्ञापन के लिए ड्रोन आधारित शूटिंग की जा रही थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस पूछताछ में गोपाल से ड्रोन संचालन की अनुमति, आवश्यक लाइसेंस और मुंबई पुलिस आयुक्त कार्यालय से प्राप्त मंजूरी से जुड़े दस्तावेज मांगे गए। हालांकि वह कोई वैध अनुमति पत्र या अधिकृत दस्तावेज पेश नहीं कर सका। जांच में कंपनी के एक अन्य पदाधिकारी सुनील गुप्ता का नाम भी सामने आया है, जो कई विभागों से अनुमति लेने की प्रक्रिया देखता था। आरोप है कि मंजूरी प्राप्त किए बिना ही ड्रोन शो और शूटिंग शुरू कर दी गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने बड़ी संख्या में हाई-टेक ड्रोन, कंट्रोल सिस्टम, ऑपरेटिंग किट और एक लैपटॉप जब्त किया है।

आरे में अवैध दरगाह पर चला बुलडोजर, 70,000 वर्ग फुट सरकारी जमीन मुक्त

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के गोरेगांव (पूर्व) स्थित आरे मिल्क कॉलोनी (यूनिट 32) में स्थित हजरत सैयद बरकत अली शाह बाबा दरगाह पर जिला प्रशासन ने बड़ा एक्शन लिया है। करीब 70,000 वर्ग फुट सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बनी दरगाह को ध्वस्त करने के लिए तीन बुलडोजर चलाए गए। यह कार्रवाई सुबह 11 बजे के बाद शुरू हुई और इसके मद्देनजर पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। आरोप है कि यह दरगाह दशकों से सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर बनाई गई थी, जबकि लोग इस दरगाह को पुरानी और वैध बताने का दावा कर रहे थे। आरे कॉलोनी एक सुरक्षा संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, और ध्वस्तीकरण के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। सुरक्षा एजेंसियों ने कथित तौर पर संभावित सुरक्षा जोखिमों के बारे में जिला प्रशासन को पहले ही पत्र लिखकर अवगत कराया था, जिसके बाद प्रशासनिक स्तर पर इस मामले की कड़ी निगरानी की जा रही थी। इस मुद्दे को बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने पिछले साल अप्रैल में प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने आरे कॉलोनी में कथित अवैध दरगाह और अतिक्रमण पर कार्रवाई की मांग की थी, जिसके बाद यह मामला काफी सुर्खियों में रहा। बीजेपी नेता सोमैया ने कार्रवाई से कुछ ही दिन पहले इस दरगाह का दौरा भी किया था।

सीएम योगी ने फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ किया

कुशीनगर (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के कुशीनगर जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को एक बड़ा ऐलान कर फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ रखने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री योगी ने कुशीनगर की जनता को संबोधित कर ऐतिहासिक निर्णय की जानकारी दी, जिसका लोगों द्वारा लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। सीएम योगी ने कहा कि अब यह क्षेत्र फाजिलनगर नहीं बल्कि पावागढ़ के रूप में मान्यता प्राप्त करेगा और इस भगवान महावीर के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया, क्यों हम फाजिल कहे! और इस बदलाव को वर्तमान पीढ़ी का बड़ा सौभाग्य बताया। मुख्यमंत्री योगी ने संकेत दिया कि लोगों की मांग पर विधायक और सांसद मिलकर काम कर रहे थे, और अब नामकरण का प्रस्ताव भी आगे बढ़ा दिया गया है। अपने भाषण में मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण का जिक्र कर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि करीब 498 वर्ष पहले एक विदेशी आक्रांता ने राम मंदिर को तोड़ने का कुत्सित प्रयास किया था, और कई पीढ़ियों तक मंदिर निर्माण में बाधाएं आती रहीं। सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि डबल इंजन की भाजपा सरकार के प्रयासों से ही राम मंदिर निर्माण का सपना साकार हो सका, जबकि कांग्रेस और सपा जैसे दल इसके मार्ग में रोड़े अटका रहे थे और घोषित रामद्रोही थे। मुख्यमंत्री योगी ने मतदाताओं की शक्ति पर जोर देकर कहा कि फाजिलनगर, पडरौना, खड्डा या हाटा जैसे क्षेत्रों में दिया गया एक-एक वोट लखनऊ और दिल्ली में अपनी ताकत दिखाता है। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि इसी वोट की शक्ति से अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण संभव हुआ, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 समाप्त हुई, और पाकिस्तान को थर्रा देने वाली मिसाइलों का निर्माण लखनऊ में हो रहा है।

बार से सीधे सुप्रीम कोर्ट की जज बनेंगी वी. मोहना

-हिजाब बैन से लेकर सैन्य महिला अधिकारियों के मामलों तक की पैरवी

-शीर्ष अदालत में महिला जजों की संख्या बढ़कर दो होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकिता सुब्रमणि मोहना को सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश नियुक्त किए जाने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को मंजूरी दे दी। केंद्र सरकार द्वारा कॉलेजियम की सिफारिश स्वीकार किए जाने के बाद राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने से उनकी नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया। खास बात यह है कि वी. मोहना बार से सीधे सुप्रीम कोर्ट की जज बनने वाली दूसरी महिला होंगी। इससे पहले वर्ष 2018 में जस्टिस इंदु मल्होत्रा को वकालत से सीधे शीर्ष अदालत में न्यायाधीश नियुक्त किया गया था।

59 वर्षीय वी. मोहना का न्यायिक और विधिक क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने वर्ष 1988 में कोयंबटूर लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई पूरी की और तब से लगातार वकालत कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2015 में उन्हें वरिष्ठ अधिवक्ता (सीनियर एडवोकेट) का दर्जा प्रदान किया था। अपने करियर के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण और चर्चित मामलों में पक्ष रखा। इनमें सशस्त्र बलों में महिला अधिकारियों की सेवा शर्तों से जुड़े मामले, वरिष्ठ नागरिकों के संपत्ति अधिकारों से संबंधित विवाद तथा कर्नाटक में हिजाब प्रतिबंध से जुड़े प्रकरण प्रमुख रहे हैं।

वी. मोहना की नियुक्ति के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में महिला न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर दो हो जाएगी। पिछले कई महीनों से जस्टिस बी. वी. नागरत्ना शीर्ष अदालत की एकमात्र महिला जज थीं। जस्टिस नागरत्ना अगस्त 2021 से सुप्रीम कोर्ट में कार्यरत हैं और वर्ष 2027 में देश की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनने की संभावना रखती हैं।

सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में वी. मोहना 12वीं महिला न्यायाधीश होंगी। इससे पहले जस्टिस एम. फातिमा बीवी 1989 में शीर्ष अदालत की पहली महिला जज बनी थीं। वहीं, जस्टिस इंदु मल्होत्रा बार से सीधे नियुक्त होने वाली पहली महिला न्यायाधीश थीं।

वंदे मातरम के पांच अंतरे हर कार्यक्रम में अनिवार्य करना अनावश्यक और बोझिल

–शशि थरूर ने वंदे मातरम के सभी पांच अंतरे गाए जाने की अनिवार्यता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने आधिकारिक कार्यक्रमों के शुरुआत और अंत में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सभी पांच अंतरे गाए जाने की अनिवार्यता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। केरल में राष्ट्रगीत के गायन को लेकर छिड़े एक नए विवाद के बीच, थरूर ने इस प्रथा को श्रोताओं के लिए अनावश्यक और बोझिल बताया है। केरल में राष्ट्रगीत के गायन को लेकर जारी विवाद के बीच थरूर ने कहा कि वंदे मातरम का सभी सम्मान करते हैं, लेकिन हर समारोह में इसके सभी अंतरे बजाने को अनिवार्य करना तर्कसंगत नहीं है।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम राष्ट्रगीत है और जब इसे गाया जाता है तो हम सम्मानपूर्वक खड़े हो जाते हैं। इसका पहला अंतरा या शुरुआती दो अंतरे, ज्यादातर लोगों को मुंह जुबानी याद होते हैं। थरूर ने कहा कि परंपरागत रूप से यह गीत किसी कार्यक्रम की शुरुआत में एक बार गाया जाता है, जबकि राष्ट्रगान अलग से, अक्सर अंत में बजाया जाता है। उन्होंने कहा कि अब वे चाहते हैं कि हर कार्यक्रम की शुरुआत में और अंत में पांचों अंतरे गाए जाएं। मुझे लगता है कि यह एक अनावश्यक थोपा हुआ नियम है। थारूर ने जोर दिया कि उन्हें राष्ट्रगीत से कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि हम सभी वंदे मातरम का सम्मान करते हैं। मैं खुशी-खुशी इसे आपके लिए गा सकता हूं।

बता दें वंदे मातरम की रचना बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1870 के दशक में की थी। बाद में इसे उनके प्रसिद्ध बंगाली उपन्यास आनंदमठ (1882) में शामिल किया गया। यह मूल रूप से संस्कृत और बंगाली भाषा के मिश्रण में लिखा गया है। ब्रिटिश शासन के खिलाफ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान यह गीत देशभक्ति का सबसे बड़ा प्रतीक बनकर उभरा। साल 1896 के कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने पहली बार इसे राजनीतिक मंच पर गाया था। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने जन गण मन को राष्ट्रगान और वंदे मातरम को राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किया। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने घोषणा की थी कि वंदे मातरम को राष्ट्रगान के बराबर ही सम्मान दिया जाएगा।

टीएमसी के 50 विधायक बदल सकते हैं पाला

–चुनाव चिन्ह भी पड़ सकता है खतरे में

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता से बेदखल हुई टीएमसी अब अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। पार्टी के 50 विधायक पाला बदलने के लिए सौदेबाजी करते सुनाई दे रहे हैं। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी द्वारा सोमवार को दो विधायकों को निष्कासित किए जाने के बाद से राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हो गई हैं कि टीएमसी के करीब 50 विधायक पार्टी से अलग हो सकते हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब कई पार्षद लगातार अपने पदों से इस्तीफा दे रहे हैं और पार्टी के बड़े नेता आधिकारिक कार्यक्रमों से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। दो विधायकों के निष्कासन के बाद अब विधानसभा में टीएमसी के सदस्यों की संख्या घटकर 78 रह गई है। राजनीतिक हल्कों में इस बात की पुरजोर चर्चा है कि निष्कासित विधायक रीताब्रत बनर्जी और संदीपन साहा के नेतृत्व में एक नई तृणमूल का गठन किया जा सकता है, हालांकि अभी तक किसी भी नेता ने इस पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है।

दूसरी तरफ, राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी इन दोनों विधायकों का विशेष रूप से जिक्र किया है। मुख्यमंत्री के अनुसार, हावड़ा की उलुबेरिया पूर्व सीट से विधायक रीताब्रत बनर्जी और मध्य कोलकाता के एंटाली से विधायक संदीपन साहा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों के आधार पर ही विधानसभा सचिवालय ने विधायक दल के जाली हस्ताक्षर का मामला पुलिस में दर्ज कराया था। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि यह जांच किसी अन्य दल द्वारा शुरू नहीं की गई थी, बल्कि खुद टीएमसी के इन दो विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष के सामने शिकायत दर्ज कराई थी। विधायकों का आरोप था कि विपक्ष के नेता के चयन से संबंधित बैठक में ऐसा कोई प्रस्ताव पारित ही नहीं हुआ था और 70 विधायकों के हस्ताक्षर वाला समर्थन पत्र पूरी तरह फर्जी और मनगढ़ंत है। इस पूरे विवाद ने बंगाल की सियासत को बेहद संवेदनशील मोड़ पर ला खड़ा किया है।

तो महाराष्ट्र जैसी बन जाएगी स्थिति

यदि टीएमसी के 50 विधायक अलग होकर एक नया गुट बनाते हैं, तो बंगाल में भी महाराष्ट्र जैसा राजनीतिक परिदृश्य देखने को मिल सकता है। जिस तरह महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में बड़ी बगावत के बाद मूल कप्तानों को अपनी ही पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न गंवाना पड़ा था, वैसी ही स्थिति यहाँ भी बन सकती है। टीएमसी नेतृत्व ने जिन दो विधायकों पर कार्रवाई की है, उन्हें भेजे गए पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतने के बावजूद वे आधिकारिक बैठकों से लगातार नदारद रहे और खुद को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल किया। पार्टी उपाध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित इस पत्र में आरोप लगाया गया है कि इन विधायकों के बयान और कदम संगठन के हितों के पूरी तरह खिलाफ थे, जिसके कारण उन्हें प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया गया।

भजनलाल ने की पीएम मोदी से मुलाकात, सरकार के कामकाज का दिया फीडबैक

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाक़ात की। प्रदेश में होने जा रहे राज्यसभा चुनाव के मद्देनज़र यह मुलाक़ात अहम मानी जा रही है। सीएम भजनलाल ने सरकार के कामकाज को लेकर भी पीएम मोदी को फीडबैक दिया। जानकारी के मुताबिक सोमवार को करीब एक घंटे से ज्यादा दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई थी। वहीं इस मुलाक़ात को प्रदेश में आगामी दिनों में होने वाली राजनीतिक नियुक्तियों से भी जोड़ जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयपुर से लेकर दिल्ली तक चर्चाओं का बाजार गर्म है, लेकिन असल वजह क्या है? ये कोई पुख्ता नहीं कर रहा। बता दें पिछले तीन महीने में सीएम की पीएम मोदी से यह तीसरी मुलाकात है। इससे पहले फ़रवरी और मार्च महीने में भी पीएम से मुलाक़ात हुई थी। बताया जा रहा है कि सीएम भजनलाल ने प्रदेश में जन कल्याणकारी योजनाओं सहित आगामी योजना की जानकारी पीएम मोदी को दी, साथ ही केंद्र के साथ मिलकर चल रही योजनाओं पर भी चर्चा की।

भारतीय इंजीनियरों ने गैलेक्सी एस26 को बनाया और स्मार्ट, एआई फीचर्स के विकास में निभाई अहम भूमिका

रांची (एजेंसी)। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के नोएडा स्थित रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर (एसआरआई-नोएडा) ने इस साल लॉन्च हुई कंपनी की फ्लैगशिप स्मार्टफोन सीरीज सैमसंग गैलेक्सी एस26 सीरीज के लिए कई एआई फीचर्स विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एसआरआई-नोएडा के मैनेजिंग डायरेक्टर क्योंगयुन रू ने कहा, हमने करीब तीन साल पहले एआई पर काम शुरू किया था। गैलेक्सी एस26 के लिए हमने दक्षिण कोरिया के सुवॉन आरएंडडी ऑफिस के साथ मिलकर नाउ नज और नाउ ब्रीफ फीचर्स विकसित किए। नाउ नज यूजर्स को उनकी जरूरत के अनुसार पहले से उपयोगी और संदर्भ आधारित सुझाव देता है, जबकि नाउ ब्रीफ महत्वपूर्ण इवेंट्स और कामों के लिए समय पर रिमाइंडर दिखाता है। एसआरआई-नोएडा के इंजीनियरों ने गैलेक्सी एस26 सीरीज के लिए क्रिएटिव स्टुडियो, कॉल स्क्रीनिंग और डायरेक्ट वॉयसमेल जैसे एआई फीचर्स के विकास में भी योगदान दिया है। क्रिएटिव स्टुडियो फीचर की मदद से यूजर्स इमेज बना सकते हैं, फोटो एडिट कर सकते हैं, स्टिकर डिजाइन कर सकते हैं और वॉलपेपर तैयार कर सकते हैं। वहीं कॉल स्क्रीनिंग एक पर्सनल असिस्टेंट की तरह काम करता है, जहां एआई कॉल्स का जवाब दे सकता है, उन्हें ट्रांसक्राइब कर सकता है और जरूरी कॉल्स को फिल्टर कर सकता है। रू ने बताया, डायरेक्ट वॉयसमेल फीचर भारतीय ग्राहकों के फीडबैक के आधार पर विकसित किया गया था। इसे पहले गैलेक्सी ए सीरीज के लिए तैयार किया गया था और इस साल इसे पहली बार फ्लैगशिप गैलेक्सी एस26 सीरीज में भी शामिल किया गया है। साल 2007 में स्थापित एसआरआई-नोएडा का मुख्य फोकस स्मार्टफोन, टैबलेट और वियरेबल्स से जुड़े एआई, तकनीकी विकास और सर्विस डेवलपमेंट पर है। रू ने कहा कि भारतीय उपभोक्ताओं की राय और फीडबैक नए फीचर्स के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। इसका उदाहरण प्राइवेसी डिस्प्ले फीचर है, जिसे सैमसंग गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा में पहली बार पेश किया गया और जिसे यूजर्स से काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला। उन्होंने कहा, ₹भारत में लोगों को बहुत सारे ओटीपी मैसेज आते हैं। पारंपरिक प्राइवेसी फिल्म स्क्रीन पर सब कुछ ब्लॉक कर देती थी, लेकिन हमारा नया प्राइवेसी डिस्प्ले केवल नोटिफिकेशन एरिया को एक्टिव रखता है। इससे भारतीय यूजर्स को काफी सुविधा मिलती है। मैं खुद भारत में रहता हूं और मेरे पास भी कई ओटीपी आते हैं, जिन्हें यह फीचर बेहतर तरीके से मैनेज करता है। एसआरआई-नोएडा अपने कर्मचारियों की लर्निंग और डेवलपमेंट पर भी विशेष ध्यान देता है।

नीट मामला और प्रशासनिक चूकों को लेकर युवा कांग्रेस का देशव्यापी आंदोलन

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से तत्काल हटाए जाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली, पेपर लीक और प्रशासनिक चूकों को लेकर राजनीति तेज हो गई है। भारतीय युवा कांग्रेस ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ अपने देशव्यापी आंदोलन को और उग्र करने का ऐलान किया है। युवा कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को उनके पद से तत्काल हटाए जाने की अपनी मांग को दोहराया है। कांग्रेस की युवा इकाई ने साफ कहा है कि परीक्षाओं से जुड़े बार-बार के विवादों ने देश की शिक्षा व्यवस्था और चयन प्रक्रियाओं में छात्रों के भरोसे को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया है।

कांग्रेस की युवा इकाई ने कहा कि वह कई राज्यों में विरोध प्रदर्शनों का नया चरण शुरू करेगी जिसके तहत मशाल जुलूस निकाले जाएंगे, छात्रों से संपर्क करने के कार्यक्रम चलाए जाएंगे और प्रदर्शन एवं घेराव किया जाएगा। संगठन ने कहा कि परीक्षाओं संबंधी बार-बार पैदा होने वाले विवादों से शिक्षा व्यवस्था में छात्रों का भरोसा कमजोर हुआ है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब इस अभियान का नेतृत्व करने के लिए कई राज्यों का दौरा करेंगे। यह अभियान महाराष्ट्र, तेलंगाना, असम, हरियाणा, मध्य प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात, पंजाब और तमिलनाडु समेत कई राज्यों में चलाया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय युवा कांग्रेस ने आरोप लगाया कि विभिन्न भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षा संबंधी अनियमितताएं होने और प्रशासनिक चूक के कारण छात्रों को बार-बार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने परीक्षाएं कराने से जुड़ी संदिग्ध संस्थाओं को ठेके दिए जाने संबंधी खबरों पर भी चिंता जताई। भारतीय युवा कांग्रेस के प्रभारी मनीष शर्मा ने कहा कि इस देश के छात्र रोजगार, न्याय और जवाबदेही के हकदार हैं। इसके बजाय उन्हें प्रश्नपत्र लीक, अनिश्चितता और चरमराई हुई परीक्षा व्यवस्था मिली है। उन्होंने कहा कि संगठन अपना विरोध प्रदर्शन तब तक जारी रखेगा, जब तक जवाबदेही तय नहीं होती और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को हटाया नहीं जाता।

चिब ने सरकार पर छात्रों की चिंताओं को दूर करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि परीक्षाओं के पेपर लीक होने एवं अनियमितताओं के कारण युवा अभ्यर्थियों के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि अब हम इस आंदोलन को पूरे देश में तेज कर रहे हैं। हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक पीएम मोदी धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करने के लिए मजबूर नहीं हो जाते।

सिंधु जलसंधि पर खेल-1 अगस्त से भारत कर रहा नदी जोड़ो प्रोजेक्ट्स का काम शुरु

–चिनाब नदी के पानी को ब्यास नदी बेसिन में मोड़ा जाएगा, 2029 तक का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार इस साल 1 अगस्त से अपने सबसे महत्वाकांक्षी नदी जोड़ो प्रोजेक्ट्स में से एक पर काम शुरू करने जा रही है। करीब 2,300 करोड़ रुपए की लागत वाले इस प्रोजेक्ट को 31 जुलाई 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसके तहत चिनाब नदी के अतिरिक्त पानी को ब्यास नदी बेसिन में मोड़ा जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एनएचपीसी के एक दस्तावेज के मुताबिक 'लिंक-3 प्रोजेक्ट' हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले की लाहौल घाटी में चिनाब नदी पर प्रस्तावित है। इस योजना के तहत चिनाब नदी पर 19 मीटर ऊंचा बैराज बनाया जाएगा। इसके साथ एक इंटेक स्ट्रक्चर और करीब 8.7 किलोमीटर लंबी जल परिवहन सुरंग का निर्माण किया जाएगा। परियोजना के दूसरे चरण में जलविद्युत उत्पादन की भी संभावना रखी गई है। दस्तावेज में बताया गया है कि प्रस्तावित बैराज के आसपास का इलाका बेहद दुर्गम और पहाड़ी है। यहां चिनाब नदी एक चौड़ी यू-आकार की घाटी से होकर बहती है। क्षेत्र की ऊंचाई करीब 3,095 मीटर से लेकर 6,517 मीटर तक है और यहां तीखी पर्वत श्रृंखलाएं और गहरी घाटियां मौजूद हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक करीब 8.7 किलोमीटर लंबी यह सुरंग चिनाब बेसिन के अतिरिक्त पानी को ब्यास नदी प्रणाली में पहुंचाएगी। इस परियोजना को पाकिस्तान के लिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि चिनाब सिंधु जल संधि के तहत पश्चिमी नदियों में शामिल है, जिन पर भारत के अधिकार सीमित रहे हैं। हालांकि, पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने इस संधि को लेकर कड़ा रुख अपना लिया था। पानी मोड़ने का प्रस्तावित स्थल कोस्कर गांव के पास स्थित है और यह अटल टनल रोहतांग के उत्तरी छोर से आगे पड़ता है।

इस परियोजना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि यह सिर्फ एक इंजीनियरिंग या जलविद्युत परियोजना नहीं है, बल्कि पश्चिमी नदियों के पानी के बेहतर उपयोग की दिशा में एक बड़ा कदम है। भारतीय नीति निर्माताओं और जल विशेषज्ञों का लंबे समय से मानना है कि पश्चिमी नदियों का काफी पानी पर्याप्त भंडारण और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण बिना इस्तेमाल हुए पाकिस्तान की ओर बह जाता है। चिनाब-ब्यास लिंक परियोजना को इसी समस्या के समाधान के रूप में देखा जा रहा है।

सरकार को उम्मीद है कि इस परियोजना से उत्तर भारत में जलविद्युत उत्पादन की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। अधिकारियों के मुताबिक दूसरे चरण में पानी के इस नए प्रवाह का इस्तेमाल बिजली उत्पादन के लिए किया जा सकता है। हिमालयी नदियों को भारत की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा संपत्तियों में गिना जाता है। ऐसे समय में जब देश थर्मल पावर पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है, यह परियोजना ऊर्जा और जल प्रबंधन दोनों दृष्टि से अहम मानी जा रही है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902